डाक पंजीयन संख्या/643/2016-2
RNI-MPHIN/2015/62199

नई सोच, नई पहल

पुष्पांजली टुडे

वर्ष : 10 अंक : 02 फरवरी 2024 मूल्य: ₹ 30 पृष्ठ : 44

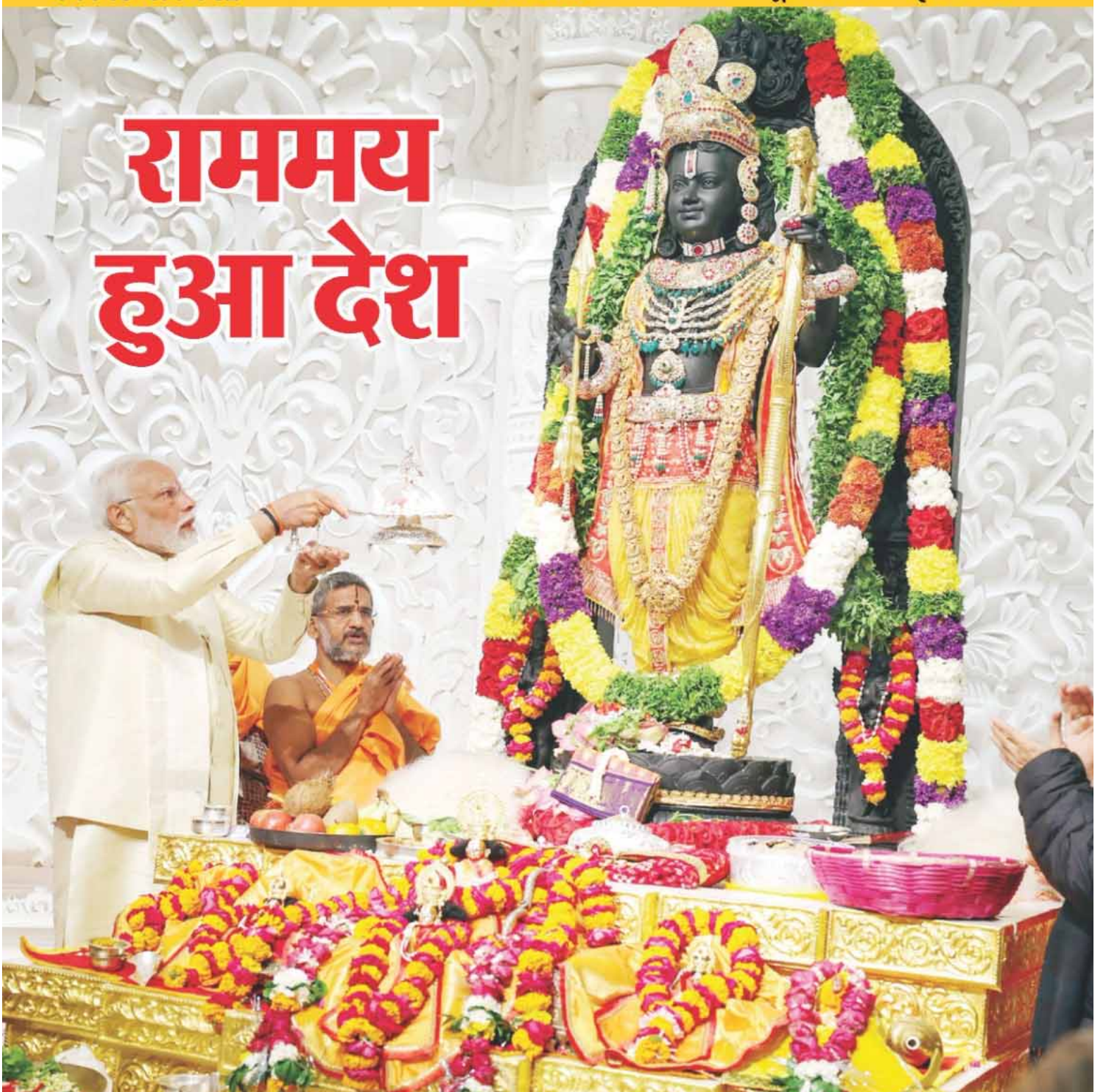

राममय हुआ देश

बजटः लोकहित सर्वोपरि....

लोकसभा चुनाव करीब हैं। इसलिए माना जा रहा था कि वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में लोकलुभावन घोषणाएं होंगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इससे संकेत मिलता है कि बीजेपी को 2024 लोकसभा चुनाव जीतने का भरोसा है। इसके साथ अंतरिम बजट में कई ऐसे एलान हुए, जिनसे भारत की ग्रोथ स्टोरी के जारी रहने का संकेत मिलता है। सरकार को वित्त वर्ष 2024 में ग्रोथ 7.3 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025 में 7 प्रतिशत के करीब रहने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2024 की ग्रोथ में सरकारी खर्च की बड़ी भूमिका रही है। यह

सिलसिला अगले वित्त वर्ष में भी जारी रहे, इसलिए कैपिटल एक्सपेंडिचर को 11 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी के साथ 11.11 लाख करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव रखा गया। इसके साथ सरकार ने उधारी घटाने का भी एलान किया। इससे सरकारी बॉन्ड यील्ड में कमी आएगी, जिससे प्राइवेट सेक्टर को कम दरों पर जरूरत के मुताबिक कर्ज मिल सकेगा। बजट भाषण के खत्म होने के बाद यील्ड में आई कमी से इसके संकेत भी मिले। इससे प्राइवेट सेक्टर की ओर से निवेश बढ़ेगा, जिससे खपत में इजाफा होगा और रोजगार के मौके बढ़ेंगे। वित्त मंत्री ने एक बड़ा सरप्राइज राजकोषीय घाटे को लेकर दिया। उन्होंने दावा किया कि वित्त वर्ष 2025 में यह घाटा जीडीपी का 5.1 प्रतिशत रहेगा, जिसके वित्त वर्ष 2024 में 5.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह तो कहा जा रहा था कि इसमें सरकार कमी करेगी, लेकिन कमी इस हद तक होगी, इसकी उम्मीद नहीं थी। इससे विदेशी निवेशक और शेयर बाजार दोनों ही खुश हैं। डायरेक्ट, इनडायरेक्ट और इंपोर्ट ड्यूटी में कोई बदलाव नहीं किया गया। पिछले 10 वर्षों में डायरेक्ट टैक्स तीन गुना बढ़ा है। जीएसटी कलेक्शन भी अच्छा रहा है। लिहाजा टैक्स-जीडीपी रेश्यो बेहतर हुआ है। वित्त वर्ष 2025 में केंद्र ने 30 लाख करोड़ की आमदनी का अनुमान लगाया है, जो वित्त वर्ष 2024 से 11.9 प्रतिशत अधिक है। यह कंजरवेटिव अनुमान है। आर्थिक जानकारों का कहना है कि सरकार की आमदनी इससे कहीं ज्यादा रह सकती है। इससे सरकारी खजाने की हालत बेहतर होगी। आगे राहत मिलेगी = वित्त मंत्री ने अंतरिम बजट भाषण में टैक्स के मद में अच्छी बढ़ोतरी के लिए टैक्सपेयर्स को शुक्रिया भी कहा, जिससे यह आस लगाई जा रही है कि जुलाई के पूर्ण बजट में पर्सनल इनकम टैक्स में कुछ राहत मिल सकती है। 25,000 रुपये तक की टैक्स डिमांड को लेकर टैक्सपेयर्स और सरकार के बीच जो मुकदमे चल रहे हैं, उन्हें भी वापस लेने की घोषणा हुई, जो अच्छी खबर है। मध्यवर्ग को टैक्स के मद में भले ही राहत नहीं मिली, लेकिन सरकार ने उसके लिए एक नई हाउसिंग स्कीम शुरू करने का प्रस्ताव रखा है। इसके अलावा, पीएम आवास योजना के तहत 2 करोड़ घर बनाए जाएंगे। इनसे सीमेंट, स्टील, पेंट, टाइल्स-सेरेमिक इंडस्ट्री की ग्रोथ बढ़ेगी और ग्रामीण इलाकों में रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे। 1 करोड़ घरों को रूफटॉप सोलर प्रोग्राम के जरिये मुफ्त बिजली देने का प्रस्ताव भी सराहनीय है। रेलवे के क्षेत्र में नए प्रस्ताव किए गए हैं और रक्षा क्षेत्र के लिए एलोकेशन में वाजिब बढ़ोतरी हुई है। वहीं, पीएलआई स्कीम के एलोकेशन में 33.5 प्रतिशत बढ़ोतरी के प्रस्ताव के साथ कई क्षेत्रों में आयात पर निर्भरता घटाने की पहल भी जारी रखी गई है। साथ ही, सरकार ने आयुष्मान भारत का दायरा बढ़ाया है, जिससे कम आय वर्ग को फायदा होगा। 9-14 साल की लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन लगाई जाएगी, जो हेल्थकेयर के क्षेत्र में बेहतर पहल है। वर्ष 2024 में लोक सभा चुनाव होने जा रहे हैं, अतः केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पेश किए गए बजट में भारी भरकम घोषणाओं से बचते हुए लोकसभा में वोट ओन अकाउंट पेश किया। लोक सभा चुनाव के सम्पन्न होने के पश्चात एक बार पुनः वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्ण बजट वित्त लोक सभा में पेश किया जाएगा। इस तरह से परम्परा का निर्वहन ही किया गया है। पिछले 10 वर्षों के दौरान भारत के नागरिकों ने वित्तीय क्षेत्र में कई सकारात्मक बदलाव देखे हैं। केंद्र सरकार द्वारा प्रयास किया गया है कि भारत में सर्वसमावेशी, सर्वांगीण एवं सर्वस्पर्शी विकास हो। देश में खाद्यान की चिंता दूर हुई है। ग्रामीण इलाकों के प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से लगभग एक करोड़ नए मकान निर्मित किए गए हैं, हर घर नल योजना के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में घरों तक पीने का पानी उपलब्ध कराया गया है एवं मातृशक्ति को कुकिंग गैस उपलब्ध कराई गई है। 50 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं ताकि केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ सीधे ही इन बैंक खातों के माध्यम से हितग्राहियों के हाथों में पहुंचे। 80 करोड़ नागरिकों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के अंतर्गत 11.8 करोड़ किसानों को 6,000 रुपए प्रतिवर्ष सम्मान निधि सीधे उनके खातों में जमा की जा रही है।

भरत सिंह चौहान
संपादक

वर्ष 2024 में लोक सभा चुनाव होने जा रहे हैं, अतः केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पेश किए गए बजट में भारी भरकम घोषणाओं से बचते हुए लोकसभा में वोट ओन अकाउंट पेश किया। लोक सभा चुनाव के सम्पन्न होने के पश्चात एक बार पुनः वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्ण बजट वित्त लोक सभा में पेश किया जाएगा। इस तरह से परम्परा का निर्वहन ही किया गया है। पिछले 10 वर्षों के दौरान भारत के नागरिकों ने वित्तीय क्षेत्र में कई सकारात्मक बदलाव देखे हैं।

पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका

वर्ष 10, अंक 02 ,फरवरी 2024

मूल्य 30 रु, पृष्ठ 44

संरक्षक	बहादुर सिंह चौहान
संपादक	भरत सिंह चौहान
प्रबंध संपादक	शैलेश सिंह कुशवाह
उप प्रबंध संपादक	आर. एन. शर्मा
उपसंपादक	छोटे सिंह भदौरिया
	महेन्द्र शर्मा
	बालगोविन्द शिवहरे
	संदीप प्रधान (मप्र)
	पुष्पेन्द्र तोमर (मप्र)
	रघुवरदयाल गोहिया
	प्रदीप नागेन्द्र सिकरवार
कानूनी सलाहकार	एड. आर. के. जोशी
एडिटिंग	इमरान गौरी
राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी	आर एस रजक

रश्मि चौहान, न्यूज ऐंकर
स्टेट हेड/ब्यूरो चीफ

पंकज त्रिपाठी	मध्यप्रदेश
अश्वनी अवस्थी	छत्तीसगढ़
मनोज कुमार	बिहार
विवेक कुमार तिवारी	रीवा संभाग
शिवम तिवारी	रीवा
राजेश कुमार तिवारी	सतना
गौरीशंकर कुशवाह	सागर संभाग
रीतेश कुमार अवस्थी	दमोह
केशव प्रसाद शर्मा	चम्बल संभाग
रूपसिंह	कानपुर मण्डल उप्र
नारायण लाल	बेंगलोर कर्नाटक
खंगारराम चौधरी	हैदराबाद तेलंगाना
नैनाराम सिरवी	पाली राजस्थान
मुन्ना खान	खरगोन
सोनू कुमार माथुर	एटा
हरिनिवास दुबे	मथुरा
मोहन मांझी (मोनू बाथम)	गोहद, भिण्ड
नील कुमार	पाटन गुजरात

रिपोर्टर

संतोष सिंह भदौरिया	मध्यप्रदेश
सादिक मिर्ज़ा	ऑल इंडिया
पहलवान सिंह	मालनपुर
अमित शर्मा	ग्वालियर
हरिओम परिहार	शिवपुरी
प्रतीश अग्रवाल	गुना
अभिषेक कुशवाह	सिरोंज,विदिशा
सुनील सिंह तोमर	अम्बाह

कार्यालय

जी. एस. प्लाजा, गोले का मंदिर ग्वालियर मध्य प्रदेश

हेल्पलाईन: 0751-4050784, 8269307478

www.pushpanjalitoday.com, Email-pushpanjalitoday@gmail.com

इस अंक में

फरवरी 2024

06

मध्य प्रदेश बजट.... 8

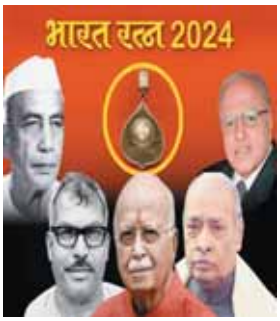

भारत रत्न... 12

मध्य प्रदेश को विकास की सौगातें.... 9

चुनावी बॉन्ड... 19

महिला शक्ति... 17

सिनेमा... 40

पंचमी... 36

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक भरत सिंह चौहान के लिये मुद्रक संदीप कुमार सिंह द्वारा नेहा ग्राफ़िक्स ,32, ललितपुर कॉलोनी, लश्कर, ग्वालियर से मुद्रित तथा जी एस प्लाजा, गोले का मंदिर, ग्वालियर म.प्र. से प्रकाशित। सम्पादक भरत सिंह चौहान। (समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार) दूरभाष 0751-4050784, 8269307478 (किसी भी विवाद के लिए न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर मान्य होगा)

पहले से कितना अलग है किसान आंदोलन

एक बार फिर सड़क पर किसान

देश के लिये अन्न उगाने वाले किसानों का अपनी मांगों के लिये सड़क पर आना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जायेगा। भले ही 2020-21 में हुए लंबे किसान आंदोलन के दौरान होने वाली हिंसक घटनाओं और लाल किले प्रकरण के मद्देनजर केंद्र व हरियाणा सरकार सख्ती दिखा रही हो, लेकिन फिर किसानों के लिये मार्ग में भारी-भरकम अवरोध लगाने और कीलें बिछाने की कार्रवाई को अच्छा नहीं कहा जा सकता है। साथ ही दिल्ली आते समय शंभू बॉर्डर पर किसानों पर आसूं गैस के गोले छोड़ना भी विभत्स कार्रवाई मानी जानी चाहिए। किसान ही हमारे अन्नदाता हैं। निस्संदेह,प्रशासन के सामने कानून-व्यवस्था का प्रश्न होता है और ऐसे आंदोलन के दौरान अराजक तत्वों की दखल का अंदेशा बना रहता है। आम नागरिकों की सुरक्षा के मद्देनजर ऐसे उपाय जरूरी हो सकते हैं मगर सवाल यह है कि ऐसी स्थिति आती ही क्यों है? समय रहते किसानों के जायज मुद्दों पर संवेदनशील पहल क्यों नहीं होती। तीन कृषि कानूनों के विरोध में लंबे चले आंदोलन के बाद हुए समझौते से जुड़े मुद्दों पर अमल के लिये केंद्र सरकार के पास पर्याप्त समय था। बेहतर होता कि कुछ मांगों को पूरा करने पर पहल होती। वैसे सरकार की दलील रही है कि इतने बड़े देश में हर फसल को एमएसपी के दायरे में लाना व्यावहारिक न होगा और उसका अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव पड़ेगा। लेकिन इसके बावजूद हम स्वीकारें कि आज खेती घाटे का सौदा बन गई है। किसानों की आत्महत्या को इससे जोड़कर देखा जाना चाहिए। नई पीढ़ी अब खेती से कतराने लगी है। निस्संदेह, भारतीय खेती का स्वरूप विशुद्ध व्यावसायिक नहीं रहा है, लेकिन हमें याद रहे कि देश की करीब आधी आबादी प्रत्यक्ष और परोक्ष तौर पर खेती व उससे जुड़े व्यवसायों पर निर्भर है। अत- खेती को लाभकारी बनाने की जरूरत है। कोई बीच का रास्ता किसान असंतोष को दूर करने के लिये उठाया जा सकता है। दरअसल, किसान आंदोलनकारी स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने , खेतिहर मजदूरों के लिये पेंशन, कृषि ऋण माफी, डब्ल्यूटीए से हटने, किसानों पर दर्ज मुकदमें वापस लेने, लखीमपुर खीरी कांड के पीड़ितों

को आर्थिक मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। विडंबना है कि आंदोलन की शुरुआत से पहले किसानों से केंद्रीय मंत्रियों की मैराथन वार्ता बेनतीजा रही। जिसके बाद किसान नेताओं ने दिल्ली कूच करने के फैसले को अंतिम रूप दिया। दरअसल, किसान भी जानते हैं कि देश में जब आम चुनाव सिर पर हैं तो केंद्र सरकार पर दबाव बनाया जा सकता है। न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी के लिये कानून बनाने का उनका सबल आग्रह है। निस्संदेह, किसी भी संगठन को आंदोलन करने का संवैधानिक अधिकार है। लेकिन प्रयास होना चाहिए कि आंदोलन हिंसक रूप न ले और आंदोलन योजनाबद्ध ढंग से तार्किक परिणति तक पहुंचे। किसानों के मुद्दे अपनी जगह हैं लेकिन किसानों को रोकने के लिये सरकारों द्वारा की गई व्यूह रचना से आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हरियाणा के कई जिलों में इंटरनेट सेवाएं बंद पड़ी हैं। शासन-प्रशासन ने यात्रियों के लिये जो वैकल्पिक मार्ग तय किये हैं, यात्री उनमें भटक रहे हैं। दिल्ली की नाकेबंदी के चलते भयंकर जाम की स्थिति बन गई है और लोग तीन-चार घंटे तक जाम में फंसे रहे हैं। कई स्थानों पर किसानों को लेकर लोग आक्रोश व्यक्त करते रहे। परिवहन व्यवस्था सुधारने के बाबत सुप्रीम कोर्ट की तरफ से भी प्रतिक्रिया आई है। निस्संदेह, किसानों को अपनी जायज मांगें रखनी चाहिए, वहीं सरकार को भी किसानों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील व्यवहार दिखाना चाहिए। आंदोलन पर राजनीतिक दलों की टिप्पणियों के बाद देश के शेष जनमानस में यह संदेश नहीं जाना चाहिए कि आंदोलन के मूल में राजनीतिक निहितार्थ हैं।

अबू धाबी के पहले हिंदू मंदिर का पीएम मोदी ने किया उद्घाटन

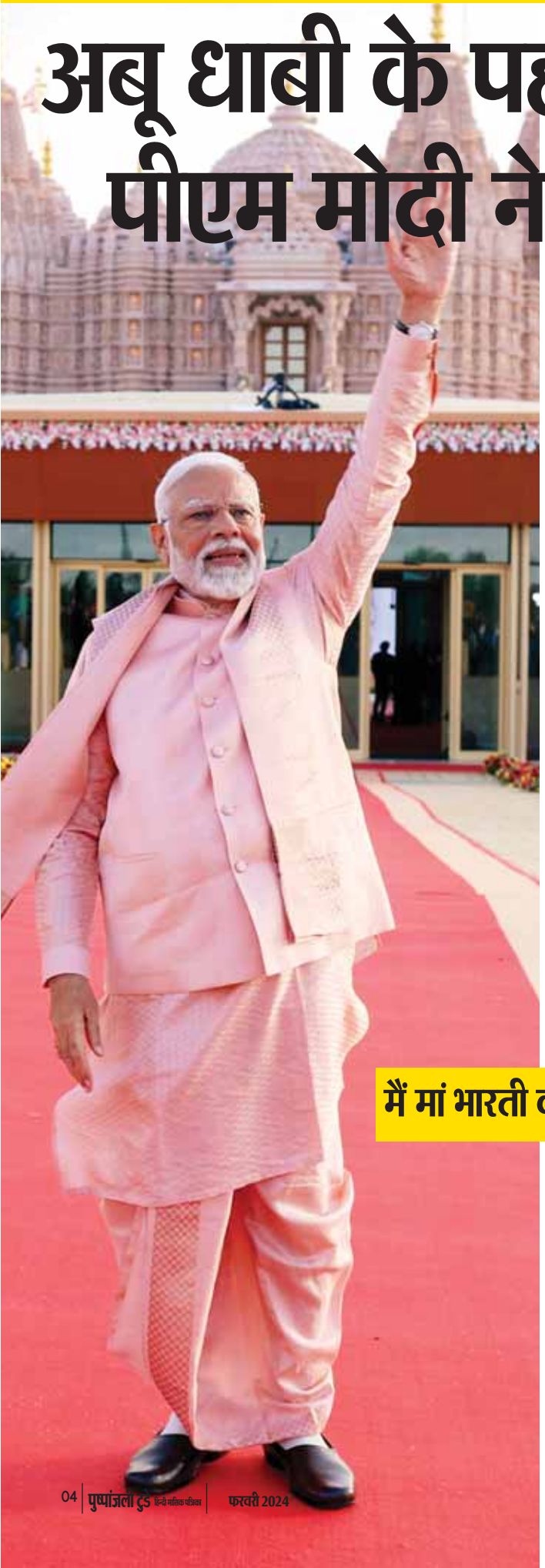

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले महीने अयोध्या में भव्य राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की थी और अब उन्होंने अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया है। अयोध्या में उन्होंने जहां 500 साल पुराना हिंदुओं का सपना सच किया वहीं एक मुस्लिम देश यूएई में भी असंभव को संभव करके दिखा दिया। हम आपको बता दें कि अबू धाबी में जो पहला हिंदू मंदिर बना है उसके लिए पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही की थी। मंदिर के लिए जमीन संयुक्त अरब अमीरात ने दान में दी। मंदिर का निर्माण कार्य 2019 में शुरू हुआ और अब इसके द्वार श्रद्धालुओं के लिए खुल चुके हैं। अयोध्या से अबू धाबी तक के इस सफर में मोदी ने पूरी दुनिया को सनातन संस्कृति से तो अवगत कराया ही है साथ ही सनातन की शक्ति का प्रदर्शन भी किया है। बात चाहे अयोध्या की हो या अबू धाबी की, दोनों ही जगह जिस तादाद में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी वह दर्शा रही है कि सिर्फ पुरानी ही नहीं बल्कि आज की पीढ़ी भी अपने धर्म और संस्कृति पर गर्व करती है और उसके साथ जुड़ना चाहती है।

मैं मां भारती का पुजारी, 140 करोड़ देशवासी मेरे आराध्यः मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रोच्चार के बीच और स्वामीनारायण संप्रदाय के आध्यात्मिक नेताओं की उपस्थिति में अबू धाबी के पहले मंदिर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि यूएई की भूमि ने इस मंदिर के उद्घाटन के साथ ही मानवता के इतिहास में सुनहरा अध्याय लिख दिया है। हल्के गुलाबी रंग की रेशमी धोती और कुर्ता, स्लीवलेस जैकेट और स्टोल पहने प्रधानमंत्री ने वैश्विक आरती में भी भाग लिया, जो बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) द्वारा दुनियाभर में निर्मित स्वामीनारायण संप्रदाय के 1,200 से अधिक मंदिरों में एक साथ की गई। मंदिर के उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का सदियों पुराना सपना पूरा हुआ है। रामलला अपने घर में विराजमान हैं। पूरा भारत और हर भारतीय आज भी उस प्यार में डूबा हुआ है। अब मेरा दोस्त ब्रह्मविहारि स्वामी कह रहे थे कि मोदी जी सबसे बड़े पुजारी हैं, मुझे नहीं पता कि मुझमें मंदिर के पुजारी की योग्यता है या नहीं, लेकिन मुझे गर्व है कि मैं मां भारती का पुजारी हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भगवान ने शरीर का एक-एक कण जो दिया है, वह सिर्फ और सिर्फ भारती के लिए है।

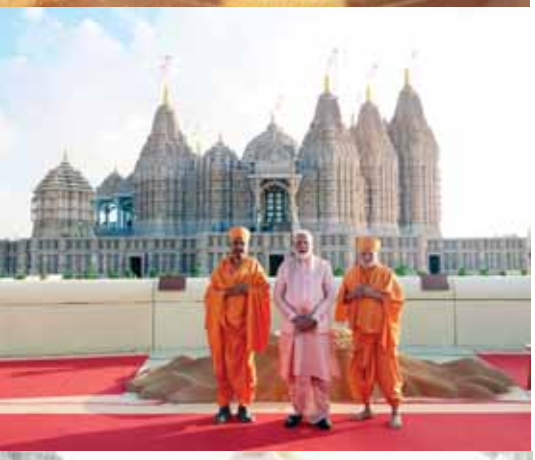

वास्तुकला का चमत्कार है अबू धाबी का पहला हिंदू मंदिर

पीएम मोदी ने कहा कि 140 करोड़ देशवासी मेरे आदर्श हैं। मैंने अबू धाबी में यह मंदिर देखा है। मित्रों, हमारे वेदों में कहा गया है- एकम् सत्य, विप्रा बहुधा वदन्ति अर्थात एक ही सत्य को विद्वान लोग अलग-अलग प्रकार से बताते हैं। यह दृष्टि भारत की मूल चेतना का हिस्सा है। उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह मंदिर सांप्रदायिक सद्भाव और दुनिया की एकता का प्रतीक होगा। उन्होंने कहा कि मंदिर के निर्माण में यूएई सरकार की कितनी भी प्रशंसा की जाए, वह कम होगी। यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद जायद अल नाहयान ने कहा था कि मंदिर सिर्फ बनना ही नहीं चाहिए, बल्कि वैसा दिखना भी चाहिए।

अबू धाबी का पहला हिंदू मंदिर देश के विभिन्न हिस्सों के योगदान से बना वास्तुकला का एक चमत्कार है। गंगा और यमुना का पवित्र जल, राजस्थान का गुलाबी बलुआ पत्थर, भारत से पत्थरों को लाने में इस्तेमाल किए लकड़ी के बक्सों से बने फर्नीचर से सुसज्जितइस मंदिर का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को उद्घाटन करेंगे। मंदिर के दोनों ओर गंगा और यमुना का पवित्र जल बह रहा है जिसे बड़े-बड़े कंटेनर में भारत से लाया गया है। मंदिर प्राधिकारियों के अनुसार, जिस ओर गंगा का जल बहता है वहां पर एक घाट के आकार का एम्फीथिएटर बनाया गया है। इस ऐतिहासिक मंदिर के प्रमुख स्वयंसेवी विशाल पटेल ने कहा, ''इसके पीछे का विचार इसे वाराणसी के घाट की तरह दिखाना है जहां लोग बैठ सकें, ध्यान लगा सकें और उनके जहन में भारत में बने घाटों की यादें ताजा हो जाएं। गंगा और यमुना का पवित्र जल, राजस्थान का गुलाबी बलुआ पत्थर, भारत से पत्थरों को लाने में इस्तेमाल किए लकड़ी के बक्सों से बना फर्नीचर- अबू धाबी

का पहला हिंदू मंदिर देश के विभिन्न हिस्सों के योगदान से बना वास्तुकला का एक चमत्कार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को इस मंदिर का उद्घाटन करेंगे। मंदिर के दोनों ओर गंगा और यमुना का पवित्र जल बह रहा है जिसे बड़े-बड़े कंटेनर में भारत से लाया गया है। मंदिर प्राधिकारियों के अनुसार, जिस ओर गंगा का जल बहता है वहां पर एक घाट के आकार का एम्फीथिएटर बनाया गया है। इस ऐतिहासिक मंदिर के प्रमुख स्वयंसेवी विशाल पटेल ने कहा, ''इसके पीछे का विचार इसे वाराणसी के घाट की तरह दिखाना है जहां लोग बैठ सकें, ध्यान लगा सकें और उनके जहन में भारत में बने घाटों की यादें ताजा हो जाएं। जब पर्यटक अंदर आएंगे तो उन्हें जल की दो धाराएं दिखेंगी जो सांकेतिक रूप से भारत में गंगा और यमुना नदियों को दर्शाती हैं। 'त्रिवेणीसंगम बनाने के लिए मंदिर की संरचना से रोशनी की किरण आएगी जो सरस्वती नदी को दर्शाएगी।

मोदी सरकार का भरोसा

आम आदमी की उम्मीदों पर खरा उतरने वाला रहा इस बार का

आम बजट

लोकसभा चुनाव करीब हैं। इसलिए माना जा रहा था कि वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में लोकलुभावन घोषणाएं होंगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इससे संकेत मिलता है कि बीजेपी को 2024 लोकसभा चुनाव जीतने का भरोसा है। इसके साथ अंतरिम बजट में कई ऐसे एलान हुए, जिनसे भारत की ग्रोथ स्टोरी के जारी रहने का संकेत मिलता है। सरकार को वित्त वर्ष 2024 में ग्रोथ 7.3 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025 में 7 प्रतिशत के करीब रहने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2024 की ग्रोथ में सरकारी खर्च की बड़ी भूमिका रही है। यह सिलसिला अगले वित्त वर्ष में भी जारी रहे, इसलिए कैपिटल एक्सपेंडिचर को 11 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी के साथ 11.11 लाख करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव रखा गया। इसके साथ सरकार ने उधारी घटाने का भी एलान किया। इससे सरकारी बॉन्ड यील्ड में कमी आएगी, जिससे प्राइवेट सेक्टर को कम दरों पर जरूरत के मुताबिक कर्ज मिल सकेगा। बजट भाषण के खत्म होने के बाद यील्ड में आई कमी से इसके संकेत भी मिले। इससे प्राइवेट सेक्टर की ओर से निवेश बढ़ेगा, जिससे खपत में इजाफा होगा और रोजगार के मौके बढ़ेंगे।

केंद्र सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल का अंतिम बजट प्रस्तुत कर दिया है। इस बजट में हालांकि कोई व्यापक परिवर्तन नहीं किया है, लेकिन जिस प्रकार पिछले बजट के कारण भारत की दशा और दिशा सुधरी हुई दिखाई देती है, वैसी ही राह का अनुसरण इस बार के बजट में किया गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले बजटों के माध्यम से भारत ने अर्थ व्यवस्था के मामले में नए कीर्तिमान बनाते हुए एक वैश्विक आयाम स्थापित किया है। जिसकी चर्चा पूरे देश में तो है ही, साथ विश्व के अनेक देश भारत के इन आर्थिक कदमों की प्रशंसा कर रहे हैं। कोरोना काल में जहां एक ओर विश्व के अनेक बड़े देशों की अर्थ व्यवस्था धराशायी हो गई थी, वहीं भारत ने सीना चौड़ा करके एक ऐसी राह का निर्धारण किया, जो भारत को विकसित बनाने में समर्थ है। इस बार का बजट भी निश्चित ही भारत को गरीबी से उबारने का सामर्थ्य पैदा करने वाला ही कहा जाएगा, क्योंकि इस बजट में केंद्र सरकार ने उन बातों पर पुनः फोकस किया जो भारत की गरीब जनता के लिए प्रगति का द्वार खोलती हैं। मोदी सरकार का यह बजट आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया एक ऐसा कदम माना जा रहा है। जो भारत की मजबूती के लिए नई तस्वीर निर्मित करेगा। आज भारत की जो मजबूत छवि विश्व के देशों में दिखाई दे रही है, वह वर्तमान केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण ही संभव हो सका है। भारत फिर से उसी राह पर उसी राह पर मजबूती के साथ कदम बढ़ा रहा है, जो विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए कहा सकता है। यही कदम भारत को विश्व गुरु के सिंहासन पर आसीन करने वाला होगा।

वित्त मंत्री ने एक बड़ा सरप्राइज राजकोषीय घाटे को लेकर दिया। उन्होंने दावा किया कि वित्त वर्ष 2025 में यह घाटा जीडीपी का 5.1 प्रतिशत रहेगा, जिसके वित्त वर्ष 2024 में 5.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह तो कहा जा रहा था कि इसमें सरकार कमी करेगी, लेकिन कमी इस हद तक होगी, इसकी उम्मीद नहीं थी। इससे विदेशी निवेशक और शेयर बाजार दोनों ही खुश

हैं। डायरेक्ट, इनडायरेक्ट और इंपोर्ट ड्यूटी में कोई बदलाव नहीं किया गया। पिछले 10 वर्षों में डायरेक्ट टैक्स तीन गुना बढ़ा है। जीएसटी कलेक्शन भी अच्छा रहा है। लिहाजा टैक्स-जीडीपी रेश्यो बेहतर हुआ है। वित्त वर्ष 2025 में केंद्र ने 30 लाख करोड़ की आमदनी का अनुमान लगाया है, जो वित्त वर्ष 2024 से 11.9 प्रतिशत अधिक है। यह कंजरवेटिव अनुमान है। आर्थिक जानकारों का कहना है कि सरकार की आमदनी इससे कहीं ज्यादा रह सकती है। इससे सरकारी खजाने की हालत बेहतर होगी। आगे राहत मिलेगी = वित्त मंत्री ने अंतरिम बजट भाषण में टैक्स के मद में अच्छी बढ़ोतरी के लिए टैक्सपेयर्स को शुक्रिया भी कहा, जिससे यह आस लगाई जा रही है कि जुलाई के पूर्ण बजट में पर्सनल इनकम टैक्स में कुछ राहत मिल सकती है। 25,000 रुपये तक की टैक्स डिमांड को लेकर टैक्सपेयर्स और सरकार के बीच जो मुकदमे चल रहे हैं, उन्हें भी वापस लेने की घोषणा हुई, जो अच्छी खबर है। मध्यवर्ग को टैक्स के मद में भले ही राहत नहीं मिली, लेकिन सरकार ने उसके लिए एक नई हाउसिंग स्कीम शुरू करने का प्रस्ताव रखा है। इसके अलावा, पीएम आवास योजना के तहत 2 करोड़ घर बनाए जाएंगे। इनसे सीमेंट, स्टील, पेंट, टाइल्स-सेरेमिक इंडस्ट्री की ग्रोथ बढ़ेगी और ग्रामीण इलाकों में रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे। 1 करोड़ घरों को रूफटॉप सोलर प्रोग्राम के जरिये मुफ्त बिजली देने का प्रस्ताव भी सराहनीय है। रेलवे के क्षेत्र में नए प्रस्ताव किए गए हैं और रक्षा क्षेत्र के लिए एलोकेशन में वाजिब बढ़ोतरी हुई है। वहीं, पीएलआई स्कीम के एलोकेशन में 33.5 प्रतिशत बढ़ोतरी के प्रस्ताव के साथ कई क्षेत्रों में आयात पर निर्भरता घटाने की पहल भी जारी रखी गई है। साथ ही, सरकार ने आयुष्मान भारत का दायरा बढ़ाया है, जिससे कम आय वर्ग को फायदा होगा। 9-14 साल की लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन लगाई जाएगी, जो हेल्थकेयर के क्षेत्र में बेहतर पहल है।

केंद्र सरकार ने इस बजट में व्यापारी वर्ग का भी खास

ध्यान रखा है। सरकार ने आयकर को यथावत रखा है। इसी प्रकार महिलाओं के विकास पर भी जोर दिया गया है। सरकार की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि इस बजट के माध्यम से तीन करोड़ और महिलाओं को लखपति बनाया जाएगा। विकास की आधारशिला का मुख्य सूत्र माने जाने वाले अधोसंरचना पर भी मोदी सरकार ने प्रमुखता से ध्यान दिया है। इसके विकास के लिए बजट में बढ़ोत्तरी की है। कहा जाता है जिस देश की अधोसंरचना मजबूत होती है, वह देश विकास की राह पर तेज गति से भागता है। क्योंकि इससे समय की बचत होती है और काम भी आसान हो जाता है। यातायात को सुगम बनाने की दिशा में यह बजट बहुत ही प्रभावी माना जा रहा है। हालांकि जब से मोदी सरकार आई है, तब से अधोसंरचना को विकसित करने के तीव्र गति से कार्य किए जा रहे हैं। जो काम वर्षों में होता था, वह काम इस सरकार के कार्यकाल में महीनों में उच्च गुणवत्ता के हो रहे हैं। इन कामों में पारदर्शिता लाई गई है। इसी प्रकार रेल यात्रियों की सुविधा के लिए भी व्यापक रूपरेखा भी इस बजट में दिखाई देती है। 40 हजार सामान्य श्रेणी के कोचों को वंदे भारत की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। जिससे भारत की गरीब जनता की रेल यात्रा आरामदायक हो सके। इसी प्रकार अधूरी पड़ी रेल परियोजना को भी बहुत जल्द पूरा करने का भी प्रावधान इस बजट में किया गया है। साथ ही तीन नई परियोजना को भी प्रस्तावित किया गया है। इससे यह बजट बहुत ही संतुलित बजट माना जा रहा है।

मप्र के अंतरिम बजट में मोदी की गारंटी

विधानसभा में मोहन सरकार का अंतरिम बजट लेखानुदान पेश किया गया. डिप्टी सीएम व वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने विधानसभा के पटल पर वर्ष 2024-25 के लिए एक लाख 45 हजार करोड़ रुपए का लेखानुदान पेश किया. इस मौके पर वित्तमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर काम हो रहा है. लेखानुदान के जरिए विभागों को अप्रैल से जुलाई 2024 तक विभिन्न योजनाओं में खर्च के लिए राशि आवंटित की गई है. लेखानुदान में करारोपण संबंधी नए प्रस्ताव व खर्च की नई मद शामिल नहीं है. वित्त मंत्री ने कहा प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर काम कर रही है. लेखानुदान की प्राप्त राशि जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट में शामिल की जाएगी.

अगले कुछ माहों में होने वाले लोकसभा चुनाव के चलते डॉ. मोहन यादव सरकार चार माह के लिए लेखानुदान लेकर आई है। इसे समाज के सभी वर्गों के कल्याण और विकास कार्यों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। सोमवार को वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने विधानसभा में 1 लाख 45 हजार करोड़ रुपये का अंतरिम बजट पेश किया। इसमें सरकार ने विभिन्न विभागों को जुलाई 2024 तक खर्च की राशि आवंटित की है। लेखानुदान में न तो किसी नए कर का और न ही किसी नवीन योजना अथवा व्यय को शामिल किया गया है। इसमें कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए चार प्रतिशत डीए और महंगाई राहत का प्रावधान किया गया है। बजट पीएम नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करने की दृष्टि से बनाया गया है। इसमें एक अप्रैल से 31 जुलाई तक के खर्च और योजनाओं के लिए राशि का आवंटन किया गया है। इससे पहले वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करने पर काम कर रही है। लेखानुदान की राशि को जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट में शामिल किया जाएगा। बजट पर चर्चा के लिए मंगलवार को चार घंटे का समय तय किया गया है। द्वितीय अनुपूरक अनुमान में सम्मिलित नवीन योजनाओं के लिए प्रावधान है। लेखानुदान की अवधि समाप्त होने के पूर्व अनुदान की पुनरीक्षित मांगें सदन के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। लेखानुदान चार माह (एक अप्रैल से 31 जुलाई, 2024) के लिए है। वित्तीय वर्ष के लिए बजट में सम्मिलित राशि

3,48,986.57 करोड़ है। वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान में कुल राजस्व प्राप्तियां राशि रुपये 2,52,268.03 करोड़ है। इसमें राज्य कर से राजस्व प्राप्तियां रुपये 96,553.30 करोड़ है। गैर कर राजस्व प्राप्तियां रुपये 18,077.33 करोड़ है। बजट अनुमान में राजस्व व्यय रुपये 2,51,825.13 करोड़ है। वर्ष 2023-24 में पुनरीक्षित अनुमान में राजस्व व्यय रुपये 2,31,112.34 करोड़ है। बजट में कृषि विभाग के लिए किसानों को ब्याज रहित ऋण देने समेत अन्य योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंचाने के लिए कृषि विभाग के लिए 9588 करोड़ का प्रावधान किया गया है। किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए दुग्ध उत्पादन पर प्रतिलीटर प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। कृषक मित्र योजना में किसानों को विद्युत पंप के लिए अनुदान दिया जाएगा महिला बाल विकास को लाडली बहना योजना समेत अन्य योजना के लिए 9360 करोड़ का प्रावधान किया गया है। अंतरिम बजट में सरकार ने पांच पर्यटन केंद्रों तक हेलीकॉप्टर चलाने और एयर एंबुलेंस की तैयारी भी की है। बजट में लोकनिर्माण विभाग के लिए 4098 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। ताकि औद्योगिक कॉरिडोर निर्माण और एकसप्रेस वे को गति दी जा सके।

पीएम मोदी ने 7500 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास किया बोले

लोकसभा चुनावों में भाजपा 370 की संख्या पार करेगी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नेकहा कि उन्हें विश्वास है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी लोकसभा चुनाव में 370 सीट का आंकड़ा पार कर जाएगी और इतना ही नहीं, संसद में विपक्षी नेता भी कह रहे हैं कि सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 से अधिक सीट मिलेंगी। मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में आदिवासी समुदाय के सदस्यों की एक जनसभा संबोधित करते हुये प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस आदिवासी विरोधी है और केवल चुनाव के समय ही गांव, किसान और गरीब याद आते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब उन्होंने देश के दक्षिण में भगवान राम से जुड़े मंदिरों का दौरा किया तो उन्हें लोगों से जबरदस्त प्यार मिला। प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्ता से बाहर होने के बाद कांग्रेस और उसके सहयोगी फूट डालने की अपनी आखिरी रणनीति का सहारा ले रहे हैं। उन्होंने कहा, '' कांग्रेस जब सत्ता में रहती है तो लोगों को लूटने का काम करती है और जब सत्ता से बाहर होती है तो भाषा, क्षेत्र और जाति के आधार पर (समाज में) बांटने का काम करती है।

लूट और फूट कांग्रेस का ऑक्सीजन है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस अपने ही पापों के दलदल में फंस चुकी है वह जितना निकलने की कोशिश करेगी उतना फंसेगी। उन्होंने कहा कि 2023 (विधानसभा चुनाव) में कांग्रेस की छुट्टी हो गई और आगामी लोकसभा चुनाव में इसका पूरा सफाया होना तय है। प्रधानमंत्री कहा, ''विधानसभा चुनावों में लोगों ने कांग्रेस को आईना दिखाया। आगामी लोकसभा चुनावों में भी देश के कौने-कौने में मिजाज ऐसा ही है।'' प्रधानमंत्री ने मतदाताओं से आगामी चुनाव में भाजपा को लोकसभा की 543 में से 370 सीट जिताने के लिए पिछले तीन चुनावों में प्रत्येक बूथ पर पार्टी को मिले सबसे अधिक मत की तुलना में 370 अतिरिक्त वोट सुनिश्चित करने को कहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि इतना ही नहीं, संसद में विपक्षी नेता भी अब भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन राजग के लिए ''अबकी बार 400 पार'' बात कह रहे हैं। मोदी ने कहा, ''मुझे यकीन है कि भाजपा का कमल चुनाव चिन्ह निश्चित रूप से अपने दम पर 370 का आंकड़ा पार कर जाएगा।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह लोकसभा चुनाव को लेकर प्रचार करने के लिए झाबुआ नहीं आए हैं, बल्कि हालिया विधानसभा चुनावों में मध्य प्रदेश में मिले जबरदस्त समर्थन के लिए लोगों को धन्यवाद देने के खातिर एक 'सेवक' के रूप में आए हैं। भाजपा ने हाल ही में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में प्रचंड बहुमत से जीत हासिल की है। जनसभा को संबोधित करने से पहले शुरू की गई 7,550 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, '' हमारी 'डबल इंजन' सरकार मध्य प्रदेश में दोगुनी गति से काम कर रही है।'' उन्होंने कहा, '' हमने वोट के लिए नहीं, बल्कि आदिवासियों के स्वास्थ्य को लेकर सिकल सेल एनीमिया के खिलाफ अभियान शुरू किया है।''

नीतीश कुमार ने बदला पाला गठबंधन में दरार

विपक्षी दलों का मंच इंडिया पिछले साल मुश्किलों के बीच जिस तरह से बना और फिर जितनी तेजी से इसने उम्मीदें जगानी शुरू कीं, उतनी ही तेजी से उन उम्मीदों को ध्वस्त भी करता जा रहा है। अनिश्चितता और असमंजस तभी से दिखने लगे जब 2023 के आखिर में हुए विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सीट बंटवारे की बातचीत एकतरफा ढंग से स्थगित कर दी गई। इसके पीछे यह दलील जरूर रही कि गठबंधन तो लोकसभा चुनावों के लिए प्रस्तावित था, सो विधानसभा चुनाव अपने दम पर लड़ने में कोई बुराई नहीं। लेकिन माना यही गया कि कांग्रेस नेतृत्व विधानसभा चुनावों के बेहतर नतीजों के आधार पर सीट बंटवारे की सौदेबाजी में अपना हाथ ऊपर रखना चाहता था। यह अलग बात है कि नतीजे उसकी उम्मीदों के अनुरूप नहीं आए। लेकिन कांग्रेस के इस रुख ने गठबंधन के कई घटक दलों को यह शिकायत करने का अपेक्षाकृत ठोस आधार दे दिया कि पार्टी अलायंस को लेकर गंभीर नहीं है। यह सही है कि

सहयोगियों के गठबंधन छोड़ने की शुरुआत भी एनसीपी में पड़ी फूट के बाद से ही हो गई थी, लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पलटना इस अर्थ में निर्णायक कहा जा सकता है कि वही गठबंधन के सूत्रधार की भूमिका निभा रहे थे। उन्हें अपनी ओर खींचकर भाजपा और एनडीए ने विपक्षी दलों के विशाल गठबंधन से बनते नैरेटिव को जबर्दस्त झटका दिया। इस झटके से उबरने की कोशिशें ढंग से शुरू होतीं, उससे पहले ही पश्चिम यूपी के जाट बहुल इलाके में दखल रखने वाले आरएलडी नेता जयंत चौधरी ने भी पाला बदल लिया। निश्चित रूप से इन सबके पीछे एनडीए की तरफ से हो रहे सुनियोजित प्रयासों की भूमिका है। लेकिन इंडिया खेमा जिस तरह से बिखर रहा है, उसका पूरा श्रेय एनडीए की कोशिशों को नहीं दिया जा सकता। इसकी काफी जिम्मेदारी विपक्षी दलों के नेताओं को भी अपने सिर पर लेनी होगी। जिन दलों ने अभी तक इंडिया से नाता तोड़ने की घोषणा नहीं की है, उनमें भी किसी तरह का सामंजस्य नहीं दिख रहा। कभी तृणमूल नेता ममता बनर्जी कांग्रेस को अपने बूते 40 सीटें जीतने की चुनौती देती नजर आती हैं तो कभी आप नेता पंजाब और दिल्ली की सभी सीटें जीतने का दावा कर देते हैं। कांग्रेस नेतृत्व की ओर से इंडिया के अब भी बने रहने की बीच-बीच में होने वाली औपचारिक घोषणाओं को छोड़ दें तो ऐसे कोई संकेत नहीं दिख रहे कि सचमुच जमीन पर इसे बनाए रखने की कोई कोशिश हो रही है। ऐसे दौर में जब खुद विपक्ष लोकतंत्र को खतरे में बता रहा है, विपक्षी गठबंधन को लेकर इन दलों का रवैया गंभीर सवाल खड़े करता है।

यूपी, बिहार और उत्तराखंड की 125 लोकसभा सीटों के लिए भाजपा ने बनायी है जोरदार रणनीति

भारतीय जनता पार्टी अन्य राज्यों से इत्तर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार में अलग तरह से राजनैतिक पिच तैयार करने में लगी है। बीजेपी द्वारा उत्तर प्रदेश की 80 सीटें जीतने के लिए यूपी को भगवा कर दिया गया है। अयोध्या में रामलला की जन्मभूमि पर बने भव्य राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम की गूंज देश-विदेश सहित सियासी मोर्चों पर भी सुनाई दी तो वाराणसी के ज्ञानवापी तहखाने में जिला अदालत के आदेश के बाद पूजा अर्चना शुरू हो गई है। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि का विवाद भी सरकार की इच्छाशक्ति के चलते जल्द सुलझता नजर आ रहा है। यह सब घटनाक्रम बीजेपी की मौजूदा राजनीति और चुनावी टाइमिंग के हिसाब से काफी महत्वपूर्ण है। वैसे भी चुनावों के समय कौन-सा मुद्दा उठाना है और कौन-सा छोड़ना है, इसमें बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को महारथ हासिल है। अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद उत्तर प्रदेश विधान सभा के बजट सत्र के दौरान भी प्रभु श्रीराम का नाम खूब गूंजा। सत्ता पक्ष ने विधान सभा में श्रीराम जन्मभूमि पर राम मंदिर निर्माण के लिये पीएम मोदी और सीएम योगी को बधाई संदेश देकर अयोध्या मुद्दे पर समाजवादी पार्टी में दो फाड़ ही कर दिये। समाजवादी पार्टी को प्रभु श्रीराम के मंदिर पर सियासत करना लोकतंत्र के मंदिर में उस समय भारी पड़ गया, जब सपा के विधायकों ने विधान सभा के भीतर हाथ उठाकर मोदी-योगी के लिए बधाई संदेश का समर्थन कर दिया। मात्र 14 विधायकों ने ही इसका विरोध किया। बसपा के एकमात्र विधायक उमाशंकर भी बधाई संदेश का समर्थन करते दिखे। कुल मिलाकर बीजेपी और योगी सरकार लोकसभा चुनाव से पहले यूपी को पूरी तरह से भगवामय कर देना चाहती है ताकि हिन्दू वोटरों को एकजुट किया जा

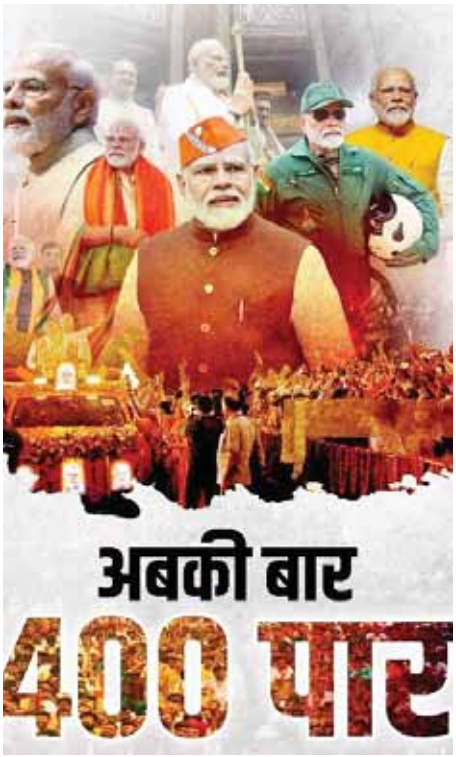

सके। यदि ऐसा हो जाता है तो समाजवादी पार्टी सहित कांग्रेस और बसपा के लिये भी आम चुनाव चुनौती साबित हो सकते हैं। भाजपा अबकी से सभी 80 सीटें जीतने का दावा कर रही है। उत्तर प्रदेश की ही तरह उत्तराखंड भी भगवा रंग में रंगता जा रहा है। यहां सीएम पुष्कर सिंह धामी के फैसलों से यह बात बार-बार साबित हो रही है। धामी सरकार द्वारा मदरसों की मनमानी पर शिकंजा कसा जा रहा है, वहीं जगह-जगह बनाई गई मजारों को हटाया जा रहा है। उत्तराखंड देश का ऐसा पहला राज्य भी बन गया है, जिसने समान नागरिक संहिता को मंजूरी दे दी है। अब उत्तराखंड में सभी धर्मों के लड़के-लड़कियों की शादी की उम्र तय कर दी गई है। इसी तरह तलाक के मामले भी एक ही तरह से निपटाये जायेंगे। वहीं हलाला, बहुविवाह पर रो लगा दी गई है। कुल मिलाकर उत्तराखंड में यूसीसी कानून के तहत प्रदेश में सभी नागरिकों के लिए विवाह, तलाक, गुजारा भत्ता, जमीन, संपत्ति और उत्तराधिकार के समान कानून होंगे, चाहे वे किसी भी धर्म को मानने वाले हों। वर्ष 2022 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा द्वारा जनता से किए गए प्रमुख वादों में यूसीसी पर अधिनियम बनाकर उसे प्रदेश में लागू करना भी शामिल था।

बात बिहार की कि जाये तो यहां भी बदले सियासी माहौल में बीजेपी बढ़त में नजर आ रही है। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से यूपी के साथ बिहार पहले से ही राममय था, अब बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर, जिन्हें पिछड़ों का जनक कहा जाता है, को उनकी जन्म शताब्दी पर भारत रत्न देकर नरेंद्र मोदी ने हिंदी पट्टी के पिछड़ों और अति पिछड़ों को भी साध लिया है। कहते हैं, संसद का रास्ता उत्तर प्रदेश और बिहार से होकर गुजरता है। दोनों ही राज्यों में पिछड़े और अति पिछड़े चुनावी गणित में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जहां तक हिंदी पट्टी के अन्य राज्यों- राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली और भाजपा के गढ़ गुजरात, उत्तराखंड, हिमाचल, कर्नाटक व महाराष्ट्र की बात है तो इन सभी राज्यों में राम मंदिर का असर बीजेपी के पक्ष में दिख रहा है। यह वोटों में तब्दील भी होगा, यह समय बतायेगा। इन राज्यों में लोकसभा की 222 सीटें हैं। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के असम समेत अन्य राज्यों में भाजपा की स्थिति मजबूत दिख रही है। वो यहां पुनः वर्ष 2019 वाला प्रदर्शन दोहरा सकती है।

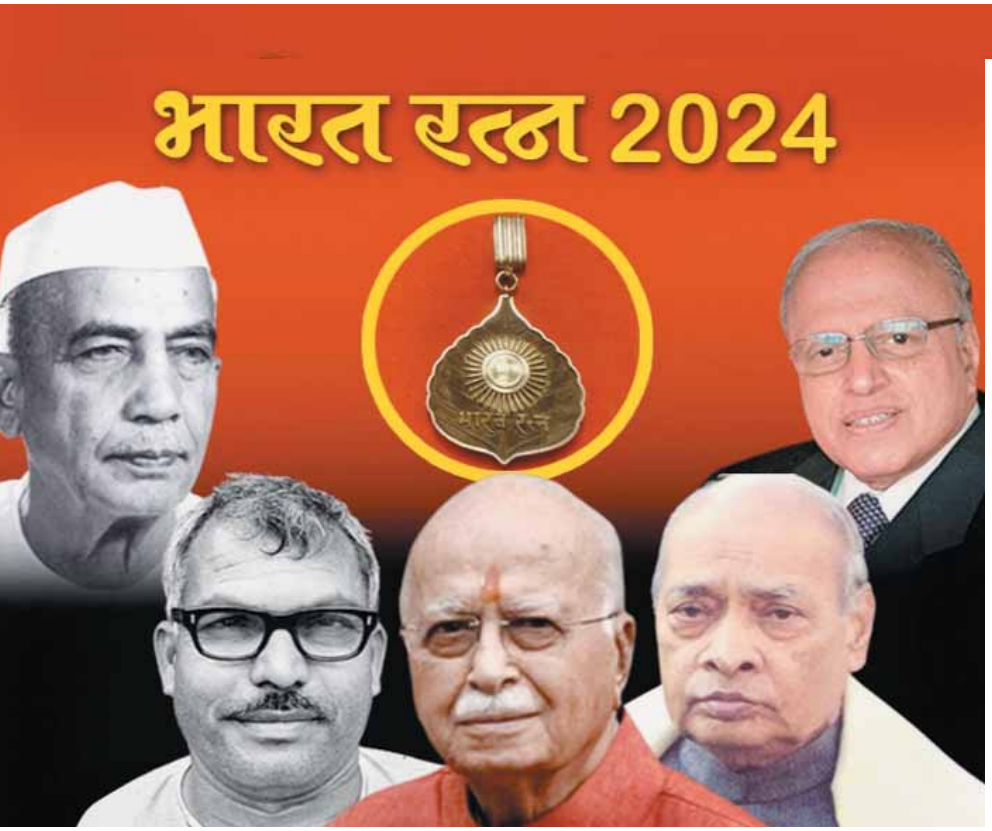

भाजपा को भारत रत्न से विपक्ष की सियासी दीवार को ढहाने का बड़ा मौका हाथ लगा है। चौधरी चरण सिंह, पीवी नरसिम्हा राव और एसएम स्वामीनाथन के साथ-साथ कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिए जाने की घोषणा से भाजपा ने बड़ी सियासत साधी है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक चार बड़े नाम के साथ न सिर्फ पिछड़े दलित और किसानों को साधा गया, बल्कि पीवी नरसिम्हा राव के साथ दक्षिण की सियासत में भी भाजपा ने बड़ा शॉट लगाया है। शुक्रवार को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और कृषि वैज्ञानिक एसएम स्वामीनाथन को भारत रत्न दिए जाने की घोषणा की गई। इन तीनों नाम की घोषणा के साथ सियासी हलकों में भाजपा के लिहाज से चुनावी नफानुकसान का सियासी आंकलन किया जाने लगा।

देश में पहली बार रिकार्ड पांच लोगों को भारत रत्न

भारत रत्न देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। जिन व्यक्तियों ने देश के लिये असाधारण योगदान राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक क्षेत्र में दिया हो, उन्हें इस सम्मान का हकदार माना जाता रहा है। निश्चित रूप से केंद्र सरकारें अपनी विचारधारा और राजनीतिक सुविधा से पुरस्कारों की घोषणा करती रही है। पिछले दिनों बिहार में सामाजिक क्रांति के अगुवा रहे कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा की गई थी। फिर अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंदिर आंदोलन के सूत्रधार रहे लालकृष्ण आडवाणी को पुरस्कार दिया गया। शुक्रवार को प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिये किसान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, कांग्रेस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न दिए जाने की जानकारी दी। इस साल अब तक पांच लोगों को भारत रत्न दिये जाने की घोषणा की जा चुकी है। सोशल मीडिया पर बधाई देने वालों का तांता लगा है लेकिन लोग यह भी सवाल उठा रहे हैं कि कितने लोगों को एक साल में भारत रत्न पुरस्कार दिया जा सकता है। कहा जा रहा है कि नियम के अनुसार एक साल में अधिकतम तीन लोगों को ही भारत रत्न से सम्मानित किया जा सकता है। ऐसे में प्रश्न उठाए जा रहे हैं कि क्या इस संबंध में सरकार ने नियमों में कतिपय बदलाव किये हैं या फिर इन्हें किसी दूसरे वर्ष में सम्मानित करने का फैसला किया गया है। निस्संदेह, भारत रत्न सर्वोच्च नागरिक सम्मान है और इसकी अपनी गरिमा और प्रतिष्ठा है। जिनके असाधारण प्रयासों से देश को लाभ हुआ हो उन्हीं को इस पुरस्कार के योग्य माना जाता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1999 में नियम से हटकर चार बड़ी हस्तियों को भारत रत्न के लिये चुना गया था।

फिलहाल, विपक्षी दल पुरस्कार की घोषणा के राजनीतिक निहितार्थों की बात कर रहे हैं। राजनीतिक पंडितों का कहना है कि केंद्र सरकार ने पुरस्कारों के जरिये विभिन्न राज्यों में राजनीतिक समीकरणों को साधा है। चुनावी साल में पांच हस्तियों को देश के सबसे बड़ा नागरिक सम्मान दिये जाने के राजनीतिक निहितार्थ देखे जा रहे हैं। निस्संदेह किसानों के नेता व पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह का जाट समाज में खासा प्रभाव रहा है। यह फैक्टर पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली की जाट बहुल सीटों को प्रभावित कर सकता है। इसे चौधरी चरण सिंह की राजनीतिक विरासत संभाल रहे जयंत चौधरी के भाजपा से जुड़ाव की कवायद के रूप में भी देखा जा रहा है। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव को भारत रत्न देकर यह दर्शाने का प्रयास किया कि भाजपा कांग्रेस के पूर्व नेतृत्व को पूरी तरह खारिज नहीं करती। राव को मरणोपरांत यह सम्मान देकर भाजपा ने दक्षिण भारत के मतदाताओं को भी प्रभावित करने का प्रयास ही किया है। कृषि क्रांति के सूत्रधार एमएस स्वामीनाथन के असाधारण योगदान पर कोई प्रश्न नहीं उठाया जा सकता। भले ही पुरस्कार की टाइमिंग को लेकर सवाल उठे हों। निस्संदेह पुरस्कार के जरिये दक्षिण भारतीय प्रतिभा को प्रतिष्ठा देने की कोशिश हुई है। जिसको चुनावी वर्ष में दक्षिण के मतदाताओं को प्रभावित करने के तौर पर देखा जा सकता है। यह सर्वविदित है कि किसानों ने पिछले कुछ वर्षों में कृषि सुधारों को लेकर लंबे आंदोलन चलाए हैं। इस कदम को किसानों को संतुष्ट करने के प्रयासों के तौर पर देखा जा रहा है। वहीं भाजपा व मंदिर आंदोलन के सूत्रधार रहे पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न तब दिया गया जब विपक्ष द्वारा प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पूर्व दिग्गजों की अनुपस्थिति को लेकर सवाल उठाये गए थे।

उत्तराखंड सरकार द्वारा यूनिवर्सल सिविल कोड या समान नागरिक संहिता विधेयक पारित करना ऐतिहासिक घटना है। अभी तक सिर्फ गोवा में समान नागरिक संहिता लागू है, लेकिन उसकी पृष्ठभूमि और प्रकृति अलग है। वहीं, संविधान को मंजूरी मिलने के बाद से राष्ट्रीय स्तर पर जिस समान नागरिक संहिता की मांग की जा रही थी, उस दिशा में कदम बढ़ाने वाला उत्तराखंड पहला राज्य बना है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और सत्तारूढ़ भाजपा समान नागरिक संहिता की बात तो करते थे, लेकिन उसकी रूपरेखा सामने नहीं थी। पहली बार किसी राज्य की भाजपा सरकार ने समान नागरिक संहिता का प्रारूप सामने रखा है। इसके बाद अन्य भाजपा शासित राज्यों और केंद्र की ओर से राष्ट्रीय स्तर पर समान नागरिक संहिता लागू करने की संभावना मजबूत हुई है। विरोधियों की बात मानें तो यह भाजपा की अपना अजेंडा लागू करने की कोशिश है, जिसका मकसद एक धर्म और उसकी मान्यताओं के अनुरूप समाज और व्यवस्था का निर्माण है। भाजपा के अजेंडा की बात समझ में आती है, लेकिन इस कदम को किसी धर्म, पंथ या मजहब से जोड़ना किसी दृष्टिकोण से तथ्यपरक नहीं कहा जा सकता। कुल 192 पृष्ठ और 392 धाराओं वाली इस संहिता में कहीं नहीं लिखा है कि फलां धर्म या पंथ के लोग ऐसा नहीं कर सकते या वैसा कर सकते हैं। किसी भी धार्मिक, पंथिक, सांस्कृतिक मान्यताओं, परंपराओं, रीति-रिवाजों पर इसका असर नहीं होगा। इसमें ऐसा कोई प्रावधान नहीं जिससे खान-पान, पूजा-पाठ, इबादत, वेशभूषा, रहन- सहन पर कोई प्रभाव पड़े। इसी तरह कोई किस तरीके से शादी करे, शादी-विवाह-निकाह कौन कराए, इसके भी प्रावधान नहीं हैं।

जाहिर है, समान नागरिक संहिता को लेकर अभी तक किया गया प्रचार झूठा साबित हुआ है कि इससे हिंदुओं के अलावा दूसरे धर्म के लोग अपनी परंपरा, रीति-रिवाज के अनुसार शादी-विवाह या अन्य कर्मकांड नहीं कर पाएंगे। वास्तव में यह प्रगतिशील व्यवस्था और समाज निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम है। कोई प्रगतिशील व्यवस्था किसी की धार्मिक-सांस्कृतिक मान्यताओं, परंपराओं और रीति-रिवाजों को प्रतिबंधित करने या उन पर अंकुश लगाने जैसा विधान स्वीकार नहीं कर सकती। ऐसी कट्टरवादी संकीर्ण सोच के लिए सभ्य समाज में स्थान नहीं हो सकता। इसलिए मुस्लिम संगठनों, मजहबी नेताओं या राजनीतिक दलों का विरोध केवल विरोध के लिए है। सारे विरोध और आरोप तब के हैं जब सामने

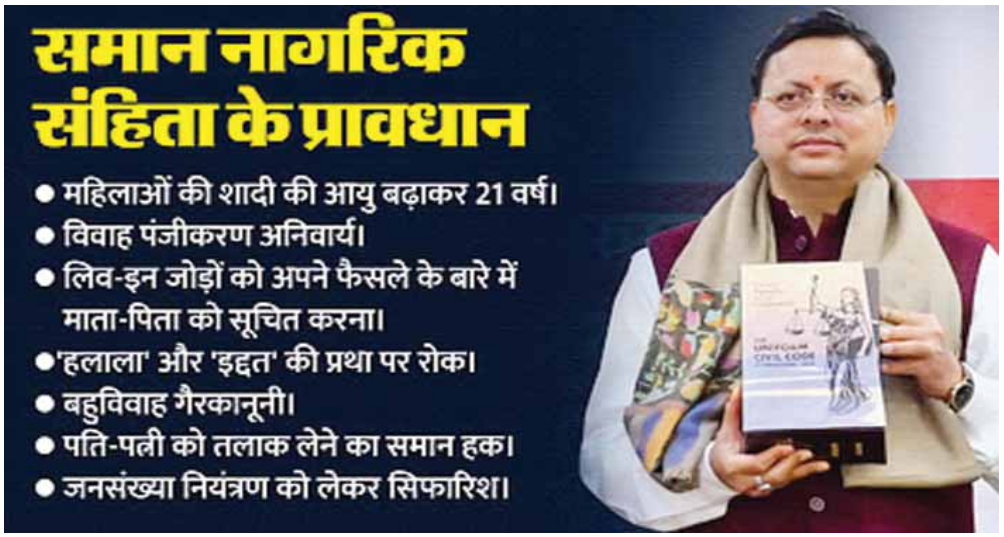

ड्राफ्ट नहीं था। अब तो बात केवल प्रावधानों पर होनी चाहिए। समान नागरिक संहिता जीवन के केवल पांच क्षेत्रों- विवाह, तलाक, गुजारा भत्ता, उत्तराधिकार और गोद लेना या दत्तकग्रहण के लिए है। उत्तराखंड समान नागरिक संहिता के चार खंड हैं- विवाह और विवाह विच्छेद या तलाक, उत्तराधिकार, सहवासी संबंध या लिव-इन रिलेशनशिप और विविध। इसमें विवाह के लिए लड़कियों की न्यूनतम आयु 18 व लड़के की न्यूनतम 21 वर्ष रखी गई है तो बहु विवाह और बाल विवाह का निषेध है। सगे रिश्तेदारों से संबंध निषेध तो है पर यह उन पर लागू नहीं होगा जिनकी प्रथा या रूढ़ियां ऐसे संबंधों में विवाह की अनुमति देती हैं। इसके ज्यादातर प्रावधान सभी धर्मों की महिलाओं और पुरुषों के बीच समानता पर आधारित न्यायपूर्ण प्रगतिशील समाज के निर्माण का ही संदेश देते हैं। उदाहरण के लिए, पुरुष और महिला दोनों को तलाक के समान अधिकार होंगे तो पति या पत्नी में से किसी के जीवित रहने पर दूसरे विवाह की अनुमति नहीं होगी। किसी को एक से अधिक विवाह करना हो या पुरुषों के समान महिलाओं को तलाक के अधिकार देने से समस्या हो तो उसे जरूर समान नागरिक संहिता से दिक्कत होगी।

तलाक की याचिका लंबित रहने पर भरण-पोषण और बच्चों की अभिरक्षा से संबंधित प्रावधानों पर उन्हें ही आपत्ति हो सकती है जो सामाजिक न्याय नहीं चाहते। धार्मिक मान्यताएं चाहे जो भी हों, किसी व्यक्ति को पुनर्विवाह या तलाक के मामले में स्वच्छंदता नहीं दी जा सकती। समान नागरिक संहिता की प्रगतिशील प्रकृति का एक प्रमाण संपत्ति में पुरुषों के समान महिलाओं को समान अधिकार दिया जाना है। इससे किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए कि किसी भी परिवार के जीवित बच्चे, पुत्र या पुत्री संपत्ति में बराबर के अधिकारी होंगे। हालांकि लिव-इन रिलेशनशिप से संबंधित प्रावधानों से भाजपा एवं संघ परिवार के अंदर थोड़ी असहजता भी महसूस की जा रही है।

उच्चतम न्यायालय ने मोदी सरकार को बड़ा झटका देते हुए चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द कर दिया है और कहा है कि यह संविधान प्रदत्त सूचना के अधिकार और बोलने तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करती है। हम आपको बता दें कि प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने योजना को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर दो अलग-अलग लेकिन सर्वसम्मत फैसले सुनाए। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत बोलने तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन है। पीठ ने कहा कि नागरिकों की निजता के मौलिक अधिकार में राजनीतिक गोपनीयता और संबद्धता का अधिकार भी शामिल है।

हम आपको याद दिला दें कि चुनावी बॉन्ड योजना को मोदी सरकार ने दो जनवरी 2018 को अधिसूचित किया था। इसे राजनीतिक वित्तपोषण में पारदर्शिता लाने के प्रयासों के तहत राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले दान के विकल्प के रूप में पेश किया गया था। योजना के प्रावधानों के अनुसार, चुनावी बॉन्ड भारत के किसी भी नागरिक या देश में निगमित या स्थापित इकाई द्वारा खरीदा जा सकता है। कोई भी व्यक्ति अकेले या अन्य व्यक्तियों के साथ संयुक्त रूप से चुनावी बॉन्ड खरीद सकता है।

वैसे देखा जाये तो मार्च 2018 में जब इस बॉन्ड की पहली बार बिक्री हुई थी तबसे लेकर आज तक किसी घपले घोटाले की खबर नहीं आई क्योंकि पूरी व्यवस्था को पारदर्शी बताया जा रहा था। हालांकि कांग्रेस इस व्यवस्था का विरोध करती रही है और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम ने तो चुनावी बॉन्ड को वैध रिश्वत तक करार दे दिया था। कांग्रेस समेत एक वर्ग का यह भी कहना था कि जब से चुनावी बॉन्ड से राजनीतिक दलों को चंदा देने का प्रचलन शुरू हुआ, तबसे राजनीतिक दलों को मिलने वाली राशि में सिर्फ भाजपा के खाते में ही इजाफा हुआ है। आलोचकों का कहना था कि चुनावी बॉन्ड से किसने किस दल को कितनी रकम दी है, इसका खुलासा करने का प्रावधान नहीं होना गलत है। सवाल उठा था कि जब चुनावी बॉन्ड व्यवस्था का उद्देश्य राजनीति में

भ्रष्टाचार को समाप्त करना था तो राजनीतिक दलों को चंदों में पारदर्शिता से दूर रखने की व्यवस्था क्यों की गई थी? आलोचकों का यह भी कहना था कि चुनावी बॉण्ड से राजनीति को चंदे के जरिए प्रभावित करने की कॉरपोरेट जगत की ताकत और बढ़ी थी। आलोचकों का कहना था कि यह व्यवस्था आने के बाद से राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे में कॉरपोरेट जगत का हिस्सा बढ़ता गया। आलोचकों का कहना था कि पूर्व में कंपनियों के लिए राजनीतिक चंदा दे सकने की एक कानूनी सीमा तय थी, लेकिन अब उन्हें चुनावी बॉन्ड के रूप में असीमित चंदा दे सकने की छूट है और इसका ब्योरा छिपाए रखने की इजाजत भी, तो राजनीतिक दलों पर किसका अंकुश होगा- जनता और कार्यकर्ताओं का, या धनकुबेरों का?

दूसरी ओर, अदालत के फैसले के बाद कांग्रेस ने कहा है कि यह निर्णय नोट के मुकाबले वोट की ताकत को और मजबूत करेगा। पार्टी ने चुनावी बॉन्ड को असंवैधानिक ठहराने के उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत किया है। कांग्रेस ने दावा किया है कि चुनावी बॉन्ड ने भ्रष्टाचार को बढ़ाने का काम किया है और इसने राजनीतिक चंदे की पारदर्शिता को खत्म किया और सत्ताधारी पार्टी भाजपा को सीधे लाभ पहुंचाया।

राज्यसभा चुनाव

दिग्गज नेता मैदान में

मध्य प्रदेश से बीजेपी के चारों राज्यसभा प्रत्याशियों ने अपना नामांकन जमा कर दिया है. बीजेपी ने केंद्रीय मंत्री डॉ. एल मुरुगन को छोड़कर बाकि तीन नए प्रत्याशी इस बार राज्यसभा के लिए चुने हैं, मध्य प्रदेश में विधायकों की संख्या के हिसाब से बीजेपी के पास चार सीटें जा रही हैं, जबकि कांग्रेस के पास एक सीट जा रही है. कांग्रेस ने भी एक ही उम्मीदवार का ऐलान किया है, ऐसे में लगभग सभी प्रत्याशियों का निर्विरोध चुना तय माना जा रहा है. बता दें कि बीजेपी ने केंद्रीय मंत्री डॉ. एल मुरुगन, उमेश नाथ महाराज, माया नारोलिया और बंशीलाल गुर्जर को राज्यसभा का प्रत्याशी बनाया है, सीएम मोहन यादव चारों प्रत्याशियों के प्रस्तावक हैं. सभी ने विधानसभा पहुंचकर अपना नामांकन दाखिल किया है. बीजेपी ने केवल डॉ. एल मुरुगन को रिपीट किया है, जबकि बाकि तीन नए प्रत्याशी बनाए हैं. बीजेपी की तरफ से प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, पूर्व सीएम शिवराज, संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा सरकार के सीनियर मंत्रियों के साथ सभा राज्यसभा प्रत्याशियों ने अपना नामांकन दाखिल किया.

बंशीलाल गुर्जर | माया नारोलिया | एल मुरुगन | उमेशनाथ | अशोक सिंह

मुरुगन, उमेशनाथ, नारोलिया और गुर्जर भाजपा प्रत्याशी, कांग्रेस से अशोक सिंह

डॉ. एल मुरुगन

पेशे से वकील डॉ. एल मुरुगन तमिलनाडु से आते हैं, वह मोदी सरकार में राज्यमंत्री भी हैं. पिछली बार बीजेपी ने उन्हें मध्य प्रदेश से राज्यसभा भेजा था, जबकि अब एक बार फिर वह यही से राज्यसभा के लिए चुन जा रहे हैं. एल मुरुगन तमिलनाडु में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं. छात्र जीवन से ही वह आरएसएस से जुड़े हैं. मुरुगन तमिलनाडु की राजनीति में बीजेपी का बड़ा चेहरा माने जाते हैं.

बंशीलाल गुर्जर

मंदसौर जिले से आने वाले बंशीलाल गुर्जर बीजेपी के किसान नेता हैं, वह मंदसौर में पार्टी के जिला अध्यक्ष, किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष, किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं. इसके अलावा वह मंदसौर कृषि मंडी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं. पार्टी इस बार उन्हें राज्यसभा भेज रही है.

माया नारोलिया

माया नारोलिया बीजेपी की सीनियर नेता मानी जाती हैं, वह दो बार नगर पालिका अध्यक्ष रह चुकी हैं, इसके अलावा पार्टी ने उन्हें दो बार महिला मोर्चा का जिला अध्यक्ष और दो बार प्रदेश कार्यसमिति का सदस्य बनाया है. इसके अलावा माया नारोलिया बीजेपी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुकी हैं.

उमेश नाथ महाराज

उमेश नाथ महाराज वाल्मीकि समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं. वह उज्जैन स्थित वाल्मीकि धाम आश्रम के प्रमुख पीठाधीश्वर बाल योगी संत उमेश नाथ जी महाराज को उम्मीदवार बनाया है. भाजपा से लेकर आरएसएस तक में इनका अच्छा खासा प्रभाव माना जाता है. बता दें बीजेपी तरफ से अजय प्रताप सिंह, कैलाश सोनी और धर्मेंद्र प्रधान का कार्यकाल खत्म हो गया है. बीजेपी ने इन तीनों की जगह नए प्रत्याशी चुने हैं. जबकि एल मुरुगन का भी कार्यकाल खत्म हुआ था. लेकिन पार्टी ने उन्हें फिर से रिपीट किया है.

कांग्रेस से अशोक सिंह

कांग्रेस पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने अशोक सिंह के मध्यप्रदेश से राज्यसभा प्रत्याशी के तौर पर नाम की घोषणा की है। राज्य विधानसभा में कांग्रेस के सदस्यों की संख्या के आधार पर पार्टी के खाते में एक सीट जाना तय है। मध्यप्रदेश से कुल पांच सीटों के लिए राज्यसभा चुनाव होना है। शेष चार सीटों पर भारतीय जनता पार्टी आज सुबह अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर चुकी है।

पाकिस्तान में नई सरकार का फॉर्मूला तय !

पाकिस्तान में चुनाव तो हो गये लेकिन अब तक नई सरकार नहीं बन पाई है। दरअसल पाकिस्तान में भारी हेरफेर करने के बावजूद चुनावों का परिणाम खंडित ही रहा है। इस खंडित जनादेश के चलते पाकिस्तान में नई सरकार का पेंच फंस गया है। पेंच फंसने के चलते इस्लामाबाद और लाहौर में बैठकों का दौर जारी है। किसी भी तरह प्रधानमंत्री का पद हासिल करने के लिए नवाज शरीफ और बिलावल भुट्टो जरदारी की ओर से नई-नई तिकड़में की जा रही हैं। मंत्री और अन्य पदों के लिए खूब सौदेबाजी हो रही है और बोलियां तक लग रही हैं जिससे पाकिस्तान के दिखावटी लोकतंत्र का भ्रष्टाचार पूरी दुनिया के सामने एक बार फिर जाहिर हो रहा है।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री पद के लिए पाकिस्तानी सेना की पहली पसंद नवाज शरीफ हैं लेकिन उनकी पार्टी बहुमत के आंकड़े से काफी दूर है। इसके चलते पाकिस्तान में तीन बार के प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) ने राजनीतिक गतिरोध समाप्त करने के लिए प्रतिद्वंद्वी दलों के समक्ष ''भागीदारी वाली गठबंधन सरकार'' का विचार पेश किया है। दरअसल 266 सदस्यीय नेशनल असेंबली में पीएमएल-एन के पास 75 सीटें हैं जो सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने अधिकतर निर्दलीय सदस्यों को समर्थन दिया है, जिन्होंने 101 सीटें हासिल की हैं। नवाज शरीफ ने आसिफ अली जरदारी की पार्टी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी यानि पीपीपी से भी संपर्क साध कर उसे गठबंधन सरकार में शामिल होने का न्यौता दिया है लेकिन जरदारी चाहते हैं कि प्रधानमंत्री पद उनके बेटे बिलावल भुट्टो जरदारी को मिले। जरदारी का कहना है कि वह बदले में पाकिस्तान के सबसे बड़े सूबे पंजाब में पीएमएल-एन की सरकार बनवाने में सहयोग कर सकते हैं। लेकिन नवाज शरीफ इस बात के लिए राजी नहीं हैं क्योंकि वह तो लंदन से लौटे ही इसलिए हैं ताकि फिर से प्रधानमंत्री बन सकें। दूसरी ओर इमरान खान की पार्टी के समर्थन से जीते निर्दलीयों ने भी स्पष्ट कर दिया है कि वह नवाज शरीफ या बिलावल भुट्टो का प्रधानमंत्री पद के लिए समर्थन नहीं करेंगे। इस बीच, सेना के प्रयास हैं कि किसी तरह राजनीतिक गतिरोध सुलझे। सेना चाहती है कि इससे पहले कि जनता प्रदर्शन करने के लिए और बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरे और पाकिस्तान के चुनावों में हेरफेर की जांच के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़े, उससे पहले ही सरकार का गठन हो जाये ताकि इन सब मुद्दों से सबका ध्यान हटाया जा सके। जहां तक पाकिस्तान में सरकार बनाने के लिए चल रही गतिविधियों की बात है तो आपको बता दें कि पीएमएल-एन के एक वरिष्ठ नेता ने पार्टी के शीर्ष नेताओं की एक बैठक के बाद मीडियाकर्मियों से कहा कि पीएमएल-एन ने केंद्र में संघीय सरकार बनाने के लिए अपने पूर्व सहयोगियों के साथ परामर्श शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, ''केवल पीएमएल-एन के समर्थन से (संघीय) सरकार बनाने की संभावना है। यह एक भागीदारी वाली गठबंधन सरकार होगी।'' उन्होंने कहा कि यह देश के सबसे अधिक हित में है कि सभी को संघीय सरकार बनाने के लिए हाथ मिलाना चाहिए। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक बताया जा रहा है कि प्रारंभिक फॉर्मूले के अनुसार अगर गठबंधन दल पीएमएल-एन को प्रधानमंत्री का पद देने पर सहमत होते हैं तो अध्यक्ष और स्पीकर का पद पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) को दिया जाएगा।

महिला शक्ति ने फहराया परचम

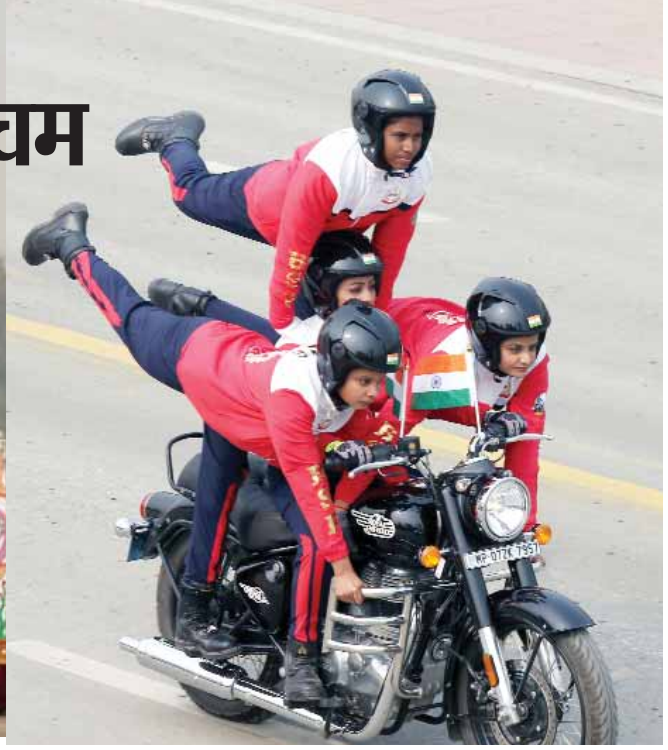

दुनिया ने देखी भारत की ताकत

26 जनवरी को भारत ने 'विकसित भारत' और 'भारत-लोकतंत्र की परेड के दौरान देश की संस्कृति और परम्पराओं को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न राज्यों, मंत्रालयों और संगठनों की आकर्षक झांकियां निकाली गई, साथ ही तीनों सेनाओं के जवानों ने भी पूरे विश्व को भारत की ताकत दिखाने के लिए अनोखे करतब प्रदर्शित किए। कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में सेना की मार्चिंग टुकड़ियों से लेकर टैंक, तोप और बैंड ने भी हिस्सा लिया तथा वायुसेना का फ्लाईपास्ट भी हुआ। कई विमानों के फ्लाईपास्ट के दौरान भारत के लड़ाकू विमानों का शौर्य भी देखने को मिला। फ्लाईपास्ट में भारतीय वायुसेना के विमानों के साथ-साथ फ्रांसीसी वायुसेना के एक मल्टी रोल टैंकर ट्रांसपोर्ट (एमआरटीटी) विमान तथा दो राफेल विमानों ने भी भारतीय विमानों के साथ अपने करतब दिखाए। हथियार प्रणालियों में टैंक, बीएमपी-2 पैदल सेना, लड़ाकू वाहन, ड्रोन जैमर, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल लांचर और मल्टी-फंक्शन रडार भी शामिल हुए। फ्लाईपास्ट में 29 लड़ाकू जेट सहित कुल 56 सैन्य विमान शामिल थे, जिनमें से कुछ को महिला पायलटों ने ऑपरेट किया। 6 लड़ाकू पायलटों सहित 15 महिला पायलटों ने फ्लाईपास्ट में हिस्सा लिया। परेड में फ्रांसीसी सेना के 95 सदस्यीय मार्चिंग दस्ते और 33 सदस्यीय बैंड ने भी भाग लिया।गणतंत्र दिवस परेड में आमतौर पर विदेशी हथियार ही शामिल होते थे लेकिन इस बार दुनिया ने बड़ी संख्या में भारत निर्मित टैंक, मिसाइलों, अटैक हेलीकॉप्टर जैसे स्वदेशी हथियारों का जलवा देखा। आसमान में एलसीएच (लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर) प्रचंड हेलीकॉप्टर, जमीन पर टी-90 भीष्म टैंक, मिसाइल लांचिंग के लिए पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लांचर, नाग एंटी-टैंक मिसाइल जैसे तमाम हथियार परेड का हिस्सा बने। एलसीएच प्रचंड शक्तिशाली जमीनी हमले और हवाई युद्ध क्षमता से लैस

एचएएल द्वारा डिजाइन और निर्मित पहला स्वदेशी मल्टी-रोल कॉम्बैट हेलीकॉप्टर है, जिसमें आधुनिक स्टील्थ विशेषताएं, मजबूत कवच सुरक्षा और रात में जबरदस्त हमला करने की क्षमता है। एलसीएच प्रचंड पर उन्नत नेविगेशन प्रणाली, नजदीकी लड़ाई के लिए तैयार बंदूकें और हवा से हवा में मार करने वाली शक्तिशाली मिसाइलें इसे आधुनिक युद्धक्षेत्र के लिए विशेष रूप से अनुकूल बनाती हैं। लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल वहां किया जाता है, जहां पर फाइटर जेट की जरूरत नहीं होती। भारत में बना एलसीएच अपनी श्रेणी का दुनिया का एकमात्र सर्वश्रेष्ठ हेलीकॉप्टर है, जो अत्यधिक ऊंचाई वाले इलाकों से लैंडिंग और टेकऑफ कर सकता है। दुनिया में अभी तक इस तरह का कोई हेलीकॉप्टर नहीं है, जो इतनी ऊंचाई पर उड़ सके। एलसीएच के साथ भारतीय सेना ने एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टर के हथियारयुक्त संस्करण का भी प्रदर्शन किया, जिसे रुद्र के नाम से भी जाना जाता है। परेड में प्रदर्शित की गई हथियार प्रणालियों में डीआरडीओ द्वारा विकसित पिनाका और स्वाति रडार भी शामिल थी, जिन्हें भारतीय संस्थाओं द्वारा विदेशी ग्राहकों को भी निर्यात किया गया है। पिनाका रॉकेट सिस्टम का उन्नत रेंज संस्करण 45 किलोमीटर तक की दूरी पर लक्ष्य को नष्ट कर सकता है।

विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने के बाद भी मिलेगा लंबित प्रश्नों का उत्तरः तोमर

● पुष्पांजली टुडे, ग्वालियर

मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने लोकहित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए प्रश्न एवं अल्प सूचना प्रश्न की कंडिका में बदलाव किया है। अब विधानसभा के विघटन के बाद भी लंबित प्रश्नों के जवाब सरकार द्वारा संबंधित सदस्य को प्रदान किए जाएंगे। इस महत्वपूर्ण निर्णय से पहले जहां विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने के पर पूर्व के सत्रों के लंबित प्रश्नों के अपूर्ण उत्तर नहीं दिए जाते थे, और इससे लोकहित के कई विषयों पर कार्यवाही नहीं हो पाती थी, किंतु अब नए संशोधन से लंबित प्रश्नों के उत्तर विधानसभा कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी दिया जाएगा।उल्लेखनीय है कि विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने 20 दिसंबर 2023 को अध्यक्ष पद पर निर्वाचन के बाद इस संबंध में घोषणा की थी। गुरुवार को विधानसभा अध्यक्ष द्वारा विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने पर प्रश्न संदर्भ समिति के समक्ष लंबित प्रकरणों को शून्य अथवा समाप्त कर दिए जाने के संबंध में यह घोषित किया गया है कि, अब विधानसभा के विघटन के पूर्व सत्र तक लंबित प्रश्नों के अपूर्ण उत्तरों के उत्तर व्यपगत नहीं होंगे। इसके संबंध में परीक्षण कर प्रश्न एवं संदर्भ समिति द्वारा कार्यवाही की जाएगी तथा समिति द्वारा अनुशंसा सहित

प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा। इसके लिए अध्यक्ष के स्थाई आदेश के अध्याय 3 प्रश्न एवं अल्प सूचना प्रश्न की कंडिका 13-क के पश्चात संशोधन द्वारा अंतः स्थापित नवीन कंडिका 13-ख को विलोपित कर दिया गया है। यह आदेश पूर्ववर्ती चतुर्दश एवं पंचदश विधानसभा के सभी लंबित प्रश्नों पर लागु किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस संबंध में चतुर्दश विधानसभा के प्रकरणों की संख्या 391 एवं पन्द्रहवीं विधानसभा के प्रकरणों की संख्या 225 है। पूर्व नियमों के अनुसार ये स्वत- व्यपगत हो गए थे, किंतु ब नियम में संशोधन होने के पश्चात् व्यपगत नहीं होंगे एवं इस संबंध में परीक्षण करके प्रश्न एवं संदर्भ समिति द्वारा कार्यवाही करके प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला बोले-सदन में कोई अध्यक्ष नहीं चाहता निलंबन, लेकिन मर्यादा जरूरी

● पुष्पांजली टुडे, ग्वालियर

संसद से 141 सदस्यों के निलंबन की कार्यवाही को लेकर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे प्रश्न का उत्तर मंगलवार को भोपाल में मध्य प्रदेश विधानसभा के सदस्यों के प्रबोधन कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दिया। उन्होंने कहा कि कोई अध्यक्ष नहीं चाहता है कि सदस्यों का निलंबन हो पर सदन की गरिमा और मर्यादा को बनाया रखना जरूरी है। सदन नहीं चलने देना है इसलिए नियोजित तरीके से व्यवधान करना लोकतंत्र के लिए अच्छी परंपरा नहीं है।उन्होंने संसद और विधानसभाओं की घटती बैठकों पर भी चिंता जताई। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना, संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय समेत मंत्रिमंडल के अधिकतर सदस्य उपस्थित थे। विधानसभा के मानसरोवर सभागार में आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को लोकसभा अध्यक्ष ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जनता बड़ी अपेक्षा से जनप्रतिनिधि चुनकर संसद या विधानसभाओं में

भेजती है। लोकतंत्र हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक ताने-बाने में है। जिस तरीके से हमारे यहां निष्पक्षता से चुनाव कराए जाते हैं, उस पर पूरी दुनिया आश्चर्य करती है। वर्ष 2001 में सभी विधानसभाओं के अध्यक्ष और दलों के नेताओं ने सदन की बैठकें कम होने और गिरती गरिमा पर चिंता जताई थी।

पिछले 10 सालों में देश में विकास के अनेक कार्य हुए हैं: सिंधिया

● पुष्पांजली टुडे, ग्वालियर

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि पिछले 10 सालों में देश का नक्शा बदल गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व पटल पर नक्षत्र की तरह उभरा है। पहले देश आर्थिक शक्ति के रूप में 10वें स्थान पर था जो अब 5वें स्थान पर पहुँच गया है। आने वाले दिनों में देश को हम तीसरी आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करने का कार्य कर रहे हैं। सिंधिया ने सोमवार को डबरा में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ वितरित करने के लिये आयोजित शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में यह बात कही। डबरा में आयोजित शिविर में विभिन्न हितग्राहियों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी वितरित किया गया। इस अवसर पर विधायक भितरवार मोहन सिंह राठौर, पूर्व मंत्री श्रीमती इमरती देवी, कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश चंदेल, भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा, पूर्व विधायक जवाहर सिंह रावत उपस्थित थे।केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने श्रीमती सुचित्रा सिंह एवं श्रीमती सरोज परिहार से भी संवाद किया। इन दोनों हितग्राहियों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त हुआ है, जिसके कारण इनके जीवन में परिवर्तन आया है। श्रीमती सुचित्रा परिहार को लाड़ली बहना योजना, आयुष्मान कार्ड, उज्ज्वला योजना के तहत

गैस सिलेण्डर उपलब्ध हुआ है। इसके साथ ही इनकी बेटी को भी लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ प्राप्त हो रहा है। इसके साथ ही सरोज परिहार द्वारा गठित स्व-सहायता समूह को आर्थिक मदद उपलब्ध कराकर समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्तिकरण का कार्य किया गया है। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने समारोह में शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों को हितलाभों का वितरण भी किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश भर में शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के माध्यम से अनेक लोगों को योजनाओं का सीधा लाभ प्राप्त हो रहा है। पूर्व मंत्री श्रीमती इमरती देवी ने कहा कि प्रदेश सरकार और केन्द्र सरकार के माध्यम से आम जनों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। विकास कार्यों के साथ-साथ आम लोगों के जीवन को और बेहतर बनाने के लिये भी विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से सार्थक पहल हो रही है।

ग्वालियर के विकास में कोई कौर कसर नहीं छोडेगें: केन्द्रीय मंत्रीः सिंधिया

● पुष्पांजली टुडे, ग्वालियर

ग्वालियर। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि ग्वालियर विकास के मामले में एक समय में देश का जगमगाता हुआ सितारा होता था। ग्वालियर को विकास के मामले में जब तक वह पुनः स्थान प्राप्त नहीं हो जाता तब तक न हम रूकेगें और न झुकेगें। ग्वालियर में वर्तमान में चल रहे विकास प्रोजेक्टों से ग्वालियर की दिशा और दशा बदलेगी। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने बुधवार को ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र के हजीरा चौराहे पर विकसित भारत संकल्प यात्रा के शिविर एवं जन आशीर्वाद सभा सम्बोधित करते हुए यह बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने की। कार्यक्रम की विशेष अथिति ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर थे।

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि ग्वालियर के नागरिकों का विशवास, प्यार और आशीर्वाद महत्वपूर्ण है। सिंधिया परिवार का यहां के नागरिकों से पारिवारिक रिस्ता रहा है और रहेगा। उन्होंने कहा कि आगामी फरवरी माह से विमान सेवाओं के विस्तार की कढी में ग्वालियर

से अहमदाबाद के लिए नई उडान भी प्रारंभ होगी। श्री सिंधिया ने कहा कि ग्वालियर का विशाल एयरपोर्ट भी शीघ्र ही प्रारंभ हो जाएगा। ग्वालियर में एलिवेटेड रोड, रिंग रोड, रेलवे स्टेशन का जीर्णोद्धार जैसे कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट भी चल रहे हैं। इनके पूरे होने से ग्वालियर की तस्वीर बदली बदली नजर आयेगी। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पिछले नौ वर्षों में देश के विकास में अभूतपूर्व कार्य किया है। देश नागरिकों के सपनों को लेकर ही संकल्प बनाया और जब तक संकल्प सिद्धी में परिवर्तित नहीं हो जाता तब तक निरंतर कार्य करने का जो अभियान चलाया जा रहा है, इससे आम नागरिकों के जीवन में अमूल चूल परिवर्तन परिलक्षित हो रहा है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से भी देश भर में विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभांवित करने का एक अति महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। उन्होंने शिविर का अवलोकन भी किया।

भए प्रगट कृपाला

पाँच शताब्दियों के अथक संघर्ष व प्रतीक्षा के पश्चात प्रभु श्री रामलला अपने नव्य, भव्य एवं दिव्य मंदिर में प्रतिष्ठित हुए

अनगिनत आन्दोलनों के बाद अब अंततः 22 जनवरी 2024 के दिन हिन्दू समाज को अपने आराध्य प्रभु श्रीराम को जन्मभूमि पर निर्मित भव्य मन्दिर में पुनर्स्थापित करने का गौरव प्राप्त हुआ। यह दिन भारत की आस्था, अस्मिता, स्वाभिमान और गौरव की पुनर्स्थापना का दिवस है। राम राष्ट्र की संस्कृति है, राम राष्ट्र के प्राण है, राम के मंदिर का मतलब भारत का नवनिर्माण है।

पाँच शताब्दियों के अथक संघर्ष व प्रतीक्षा के पश्चात प्रभु श्री रामलला अपने नव्य, भव्य एवं दिव्य मंदिर में प्रतिष्ठित हुए। प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही संपूर्ण विश्व में उल्लास व उत्सव का सहज वातावरण बन गया, जो जिस स्थान पर था उसने उसी स्थान को अयोध्या बना लिया। रामलला के निज धाम में बिराजते ही भारत के कोने कोने में ऐसा स्वतः स्फूर्त, भक्तिमय उत्सव आरम्भ हुआ जो कल्पनातीत हैङ्क सारे पर्व एकरस होकर रामपर्व हो गएङ्क कहीं होली खेली जा रही थी, कहीं भजन मंडली बैठी थी, कोई प्रभु की रथयात्रा निकाल रहा था, कोई न्योछावर लुटा रहा था और सब दीवाली मना रहे थे। आह्लादकारी पल, नयन प्रेमाश्रुओं से भरे, जिह्वा पर जय श्री राम। चारों दिशाएँ राम नाम के गुंजन के हर्षित थीं। आयु-लिंग, वर्ग, जाति सभी भेद मिट गए थेङ्क जो थे बस सनातनी थे, राम भक्त थे। प्रसन्नता में लोग मानों सुध बुध खो बैठे हों। अपरिचितों को अपने हाथ से लड्डू खिला रहे हैं। रामधुन पर नाच रहे हैं। यह भारतीय जनमानस में प्रभु राम का स्थान है, प्रभाव है उनके प्रति स्नेह है, समर्पण है। राम ही आधार हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम और अपने विशिष्ट अनुष्ठान के पूर्ण होने के पश्चात उपस्थित अतिथियों को संबोधित करते हुए कहा किङ्क हमारे राम आ गए, प्राण प्रतिष्ठा हो गई, अब आगे क्या ? और फिर इस प्रश्न का उत्तर देते हुए जोड़ा, अब हमें अगले एक हजार वर्ष की नींव रखनी है। अब हमें वास्तविक रामराज्य की ओर अग्रसर होना है। रामराज्य की सार्थकता इसी में है कि सबके कल्याण की चिंता की जाये। अभी केवल और केवल रामराज्य की स्थापना का ही चिंतन मनन करना है और राष्ट्र को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है और बिलकुल उसी तरह जिस प्रकार से रामयुग था। प्रभु श्री रामलला के आदर्शों का सतत प्रचार करना है ताकि हमारा समाज और अधिक मजबूती से उभर सके। किसी को यह नहीं सोचना कि वो छोटा है, राम जी की गिलहरी को ध्यान में रखना है। वर्तमान समय में प्रधानमंत्री नरेंद मोदी देश के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं और उनका अकारण विरोध जन सामान्य को भी अच्छा नहीं लगता। जब भी मोदी जी देशवासियों से कोई अपील करते हैं देशवासी उनकी अपील को मानकर, उनकी अपेक्षा से चार गुना काम कर जाते हैं। जब कोविड काल में लाकडाउन लगा और मोदी जी ने लोगों से घरों की छतों पर आकर तालियां बजाने की बात कही या एक दीप जलाने की बात कही तो लोगों ने ताली-थाली से लेकर घंटा, घड़ियाल तक बजवा दिये और एक दीप की जगह सैकड़ों दीप जला दिए। तब भी इन दलों को कुछ समझ में नहीं आया था और अब तो प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रभु श्री रामलला का स्वागत करना था तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक राम ज्योति की अपील पर जनता ने अद्भुत दीपोत्सव मना दिया। घर-घर, मंदिर-मंदिर में सुंदरकांड, रामचरित मानस व हनुमान चालीसा सहित विभिन्न प्रकार के आयोजन हो गए। पूरा वातावरण राममय हो गया।

भिण्ड में एसपी असित यादव के कुशल नेतृत्व में शांतिपूर्ण चुनाव ने रचा इतिहास...

नहीं हुई चुनावी हिंसा सुरक्षा बल और अधीनस्थो ने भी की सक्रिय भागीदारी

केशब प्रसाद शर्मा ब्यूरो

बीते 17 नवम्बर को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुऐ विधानसभा चुनाव ने भिण्ड जिले की जनता के बीच एक नई इबारत लिख दी है। पुलिस अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन के बेहतर तालमेल से न सिर्फ समूचे जिले में शांतिपूर्ण विधानसभा चुनाव हुआ बल्कि अति संवेदनशील समझे जाने वाले मतदान पोलिग गोलीबारी, बूथ केप्चरिंग, ईवीएम तोड़ना, मतपेटियों में पानी भर देना अथवा कुंए में पटक देना या फिर उनमें स्याही भर देना, मतदाताओं को वोट डलवाने के लिए कब्जे में कर लेने जैसी थोक भाव में घटनाएं घटित हुआ करती थीं। कई स्थानों पर तो स्थानीय प्रशासन और पुलिस को रीपोल तक कराने पड़े हैं तो कई बार चुनावी दुश्मनी में कई लोगों की जानें तक चली गई हैं। लेकिन इस बार पर्याप्त सुरक्षा बलों की मौजूदगी में एसपी डा. असित यादव के कुशल नेतृत्व में उनकी पूरी टीम ने पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। खास बात यह है कि शांतिपूर्ण चुनाव व्यवस्था से पुलिस अफसर तो संतुष्ट हैं ही साथ ही एसपी असित यादव आला दर्जे को इस कामयाबी का श्रेय अपनी पूरी टीम को देते हैं। जाहिर है कि जिले की अवाम भी बिना खून खराबे के सम्पन्न हुए चुनाव पर खासी राहत महसूस कर रही है। एक तरह से कहें तो एसपी डा. असित यादव ने शांतिपूर्ण चुनाव और बेहतर सुरक्षा इंतजामों को लेकर भिण्ड जिले में एक नया इतिहास रच दिया है। आने वाले कई सालों तक इस शानदार कामयाबी को भिण्ड जिले की जनता एक लम्बे समय तक याद रखेगी। यदि हम कुछ घटनाओं को अलग करके देखें तो शेष स्थानों पर पुलिस के अनुभवी अधिकारियों की अगुआई में मतदान पूरी तरह से शांत रह्या। जहां तक सवाल सुरक्षा इतंजामों का है तो एसपी डा.असित यादव अपनी पूरी टीम और सुरक्षाबलों के साथ निःसंदेह बधाई के पात्र हैं। अब चर्चा इस बात की है कि अगले साल यानि कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव भी एसपी डा. असित यादव के कुशल मार्गदर्शन में सम्पन्न होंगे और यहां लिखी जा चुकी शांति की इबारत पुनः दोहराई जायेगी।

श्रेष्ठतम एसपी का खिताब

लेखनीय है कि भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों की यदि हम बात करे तो सीनियर आईपीएस अधिकारी असित

यादव की कार्यशैली, कर्तव्यनिष्ठा, बड़ी संख्या में उपलब्धियां, जिम्मेदारी और जवाबदेही ने आज उन्हें एक श्रेष्ठतम एसपी का खिताब प्रदान कर दिया है। बालाघाट, उमरिया, मुरैना में एक नहीं बल्कि कई इतिहास रचने के बाद उन्होंने भिण्ड में भी उसी परंपरा को जीवंत रखा है। सही मायनों में देखा जाये तो अपराधों की आग में झुलस रहे भिण्ड को एक ऐसे ही काबिल एसपी की जरूरत थी।

यहां बताना जरूरी होगा कि शांतिपूर्ण विधानसभा चुनाव में पूरे जिले के मतदाताओं ने बिना किसी भय अथवा दवाब के स्वतंत्र रूप से मतदान किया। चुनाव से पूर्व तक लोगों में भय था कि कहीं किसी मतदान केन्द्र पर उपद्रव न हो जाये।

कुशल रणनीति का हिस्सा

असित यादव की कुशल रणनीति और अधीनस्थ अमले की सक्रियता से ऐसा कहीं भी कुछ नहीं हो पाया। यहां बतादें कि एक जिम्मेदार पुलिस अधिकारी के दायित्व संभालने के साथ साथ उनके द्वारा इंसानियत और मानवीयता का जो परिचय दिया जा रहा है वह अन्य पुलिस अधिकारियों के लिए भी एक नजीर बन गया है। बहरहाल, काबिल आईपीएस अधिकारी डा. असित यादव प्रदेश के कई जिलों में अपनी काबलियत का परचम फहराने के बाद अब भिण्ड में सफलता के नित नये सौपान तय कर रहे हैं। उम्मीद की जाना चाहिए एसपी डा असित यादव की उत्कृष्ट कार्यशैली एवं काबलियत के चलते भिण्ड की अवाग न केवल अपने आप को सुरक्षित महसूस कर रही है बल्कि अपराध नियंत्रण की दिशा में की जा रही कड़ी कार्रवाई के लिए एसपी असित यादव एवं उनकी टीम निःसंदेह बधाई की हकदार है।

नीको बुंदेलखंड गुरीरी बुंदेली

चित्रकूट गिरी रम्ये विंध्य वाणी विशारदा,
तंत्र वसन्सु महाप्रज्ञा पतंजलि उपाध्याय।

बुंदेलखंड में बोली जाने वाली भाषा बुंदेली कहलाती है। और बुंदेली बोलने वालों के रहने वाले स्थान को बुंदेलखंड कहते हैं। और यही एक दूसरे के पूरक हैं। हम तो भाई जानते हैं कि विंध्याचल बेतवा धसान नर्मदा के आंचल में बोली जाने वाली बोली मीठी मीठी सी वाणी बुंदेली कहलाती है काशी से आए बुंदेला ठाकुरों ने ओरछा को अपनी राजधानी बनाया और वहीं बुंदेला कहलाने लगे। वैसे तो और भी कई राय हैं, एक राय यह भी है कि 23 अंश से 26 अंश उत्तरी अक्षांश और 75.5 से 79.5 पूर्वी देशांतर में रहने वाले मनुष्य बुंदेलखंडी कहलाते हैं। बाल्मीकि रामायण में इस क्षेत्र को पुलिंद और महाभारत में दशार्न,जेदि, जेजाक भुक्ति जैसे अलग-अलग नाम दिए गए हैं। बुंदेली भाषा कितनी पुरानी है इसका पता ऊपर लिखे गए श्लोक से चलता है।

विमला तिवारी कल्याणी
अध्यक्ष
अखिल भारतीय बुंदेलखंड साहित्य एवं संस्कृति परिषद दमोह (मध्य प्रदेश)

जॉर्ज ग्रियर्सन द्वारा 1898 से 1927 के बीच किए गए सर्व अनुसार बुंदेली भाषा का क्षेत्र देश के बीचों बीच उत्तर से इटावा तक बसाया है। उसे समय बुंदेली बोलने वालों की संख्या 6 करोड़ और क्षेत्रफल 85000 वर्ग मील था। प्राकृत भाषा की विकास में अपभ्रंश से निकली सैर सैनी से पश्चिम हिंदी में खड़ी बोली बंगारू ब्रजभाषा कन्नौजी और बुंदेली मानी जाती है। बुंदेली के पद तो सन 1126 में महोबा में जन्मे जगनिक के रचे महाकाव्य आल्हा खंड पहला काव्य में 18वीं सदी के ईसुरी तक बहुत है जानकारी, की बुंदेली की व्याकरण भी है और बुंदेली का शब्दकोश भी है बस बुंदेली में गद्य में कुछ काम कम हो रहा है गद्य का काम विकास के अभाव में कम है और शायद होता ही नहीं है। बुंदेली की मिठास को समझना और पढ़ पाना लोगों को असंभव सा लगता है एक कहावत है---

पांच कोस पर पानी बदले 20 कोस पर बनी।
उदाहरणार्थ --पन्ना टीकमगढ़-बुंदेली डूंगरयाऊ
छतरपुर-खटोला
मंडला-गोड़वानी
बांदा-बनाफरी
भिंड-भदावरी
चंदेरी -चौरासी
सागर-कोद पंवारी
ग्वालियर -ग्वालियरी
होशंगाबाद -गोड़ी

हालांकि बुंदेली एक सी नहीं बोली जाती है बुंदेली का रंग रूप ऊंचे-नीचे हिसाब से भी अलग-अलग दिखाई देता है

11वीं और 12वीं सदी से 15वीं सदी तक बुंदेली का रूप केवल कथा बीतक, शिलालेख और कुछ चिट्ठियों में मिलता है धर्म ग्रंथो में बैदक ज्योतिषी में बुंदेली गद्य का रूप ज्यादा देखने मिलता है

1-सन 1950 में ईसागढ़ के भागचंद जैन ने नेम पुराण बुंदेली गद्य में लिखा है

2-नवल शाह सागर ने वर्धमान पुराण की रचना बुंदेली गद्य में की है

3-उपदेश ग्रंथ रत्न माला ग्रंथ वचनिका औरश्रावकाचार भी बुंदेली गद्य में है

4-प्रणामी धर्म के संस्थापक स्वामी प्राणनाथ जी 1663 से 1694 तक पन्ना में रहे और प्रवचनों का संग्रह बुंदेली गद्य में है

5-स्वामी प्राणनाथ जी के शिष्य लाल दास ने परमधाम व्रत की रचना भी स्थानीय गद्य में की है।

6-1730 में नवरंग की वेदांत के प्रश्न स्वामी जुगल दास दतिया का सृजन भी उल्लेखनीय है

7-17वीं सदी के अक्षर अनन्य की कृति अष्टांग योग अपने काल की प्रमुख गद्य कृति है। पूर्ण मध्यकाल में विचारात्मक ललित निबंध की दूसरी किताब नहीं है और आगे बहुत जानकारी है जिसका अन्वेषण और राइटिंग करना है।

नीको बुंदेलखंड और गु रीरी बुंदेली
धन्यवाद

बेटी है अनमोल रतन..

करलों मिलकर इनका जतन..

पढ़-लिखकर आगे बढ़ेगी...

नाम सभी का रोशन करेंगी...

बेटियां कब बच्ची से बड़ी बन जाती है ? नन्हें कदमों से कभी घर को रंगीन करने वाली जाने कब पराई हो जाती है...? मासूम दिल अभी उसका सपनें देखने को आतुर होता है.... तभी उसकी उमर कोई गिन रहा होता है.....! अपनों की चहारदिवारी में ही थोड़ी ज़िन्दगी क्या जी लेती है... के गैरों की नज़र में बिटिया बड़ी हो जाती है...! नादान दिल जब तर्क तक पहुँचता है....! प्रश्नों को घेरे पूरा समाज खड़ा होता है...!

सपने एक नहीं हजारों होते हैं...! कुछ कर गुजरने के तो कभी राजकुमार के होते हैं... कोई उम्मीदों का ख्याल भी नहीं करता है.. एक खूँटे से दूसरे पर बाँधने को तैयार होता है..!

ये सवाल जवाब तो सब जानते हैं....! फिर भी तटस्थ रहना चाहते हैं...! शताब्दी दर शताब्दी विकास की बातें करते हैं तो भी आधार स्तर पर नारी का अनादर करते हैं...! क्यों किसी की चुप्पी से खिलवाड़ करते हैं? जब एक लाड़ प्यार को तरसती बहु जलाई जाती है...! जब जन्म से पहले भ्रूण हत्या की जाती है.. जब दो घरों के बीच उनकी जिंदगी समेटी जाती है..! जब उसे बस पुरुष समाज की सत्ता समझी जाती है...!

तब बस एक ही सवाल मन में उमडता है.. कि बिटिया क्यों बड़ी बन जाती हैं।

प्रियंका झामसिंह चंदेल
अतिथि शिक्षक अंग्रेजी विषय
बगलई विकासखण्ड केवलारी
जिला सिवनी

अयोध्या में विराजे रामलला....

राम लला जन्म भूमि के सवाल...!
जो सदियों से अनुत्तरित थे
राम लाल जन्म भूमि के सवाल
उन सवालों में भी थे कई सवाल..!
सवाल प्रतिष्ठा का
सवाल प्रतीक्षा का
सवाल बलिदानों का
जो पीढ़ी दर पीढ़ी हम देते आए थे
सवाल त्याग का था
सवाल तपस्या का भी था
सवाल धैर्य का था
सवाल अधिकार का भी था
सवाल विरासत का
सवाल वैभव का
सवाल गौरवशाली इतिहास का
सवाल आध्यात्मिक अस्मिता का
और सबसे बड़ा सवाल
अपने ही देश में
अपने अस्तित्व को जीवित रखने का
आज तक हम लज्जित थे
कि भारतवर्ष से उसकी आत्मा
उसके राम का निष्कासन
उसके अपनी जन्मभूमि से
राज महलों के उत्तराधिकारी को
अपने ही अस्तित्व को सिद्ध करना,
त्रेता में मर्यादा की रक्षा के लिए वैभव को ठुकराने वाले के लिए
कलियुग में संतों ने साक्ष्य दिये
तब जाकर मानव ने सबके आराध्य श्री राम के हक में निर्णय लिए,
5 अगस्त 2020 का दिन
मंदिर भूमि पूजन का दिन था
और अब 22 जनवरी 2024
दिव्य और भव्य मंदिर में
श्री राम के बिराजने का दिन
जैसे कलियुग में त्रेतायुग आया हो
कौन बना इन अवसरों का निमित्त
देश कैसे स्मरण रखेगा इस संयोग को
ये कथा भी संभवतः पूर्व निर्धारित हो
इसका यश भी हमारे यशस्वी
प्रधानमंत्री को मिलना तय हो..!
अब सभी प्रश्नचिन्हों के पटाक्षेप का दिन है
दिन है आज हमारे राजीव लोचन के नयनाभिराम मूर्ति के दर्शन का,
दिन है आज सरयू के संताप हरण का
दिन है स्वप्नों के वरण का
आज दिन है उस छवि के निहारने का
जो आंखो को शीतलता
और दिलों में शांति प्रदान कर रही है
आज मां कौशल्या की उस अवस्था का भान हो रहा है
जब राम को चौदह वर्ष के बाद वनवास से लौटने पर हुई होगी
उस मां की प्रतीक्षा चौदह वर्ष की थी,
प्रतीक्षा उर्मिला की
अपने सर्वस्व से मिलन की
प्रतीक्षा भरत की
षडयंत्र के कलंक से मुक्ति की
प्रतीक्षा सिंहासन की
अपने उत्तराधिकारी की
उनकी प्रतीक्षा चौदह वर्ष की थी
प्रतीक्षा शबरी की
प्रतीक्षा अहिल्या की
जो निष्कलंक होते भी त्याज्य रही
और सबसे अधिक प्रतीक्षा तो स्वयं राम और सीता ने की है
कभी हरण ने विरह दिया तो कभी कर्तव्य ने।
वह त्रेता युग था
इसलिए प्रतीक्षा भी सीमित रही
ये कलि का युग है
यहां भारत की प्रतीक्षा 5 सौ वर्षों की हो गई
माँ को सिर्फ अपने मन को धैर्य बंधाना था
यहां राम को उनके निष्कासन से
पुनः उनके मंदिर में सजाना था,
कुछ तो राम जी ने भी तय किया था
तभी तो ये यात्रा इतनी लंबी रही
कलियुग में जब अधर्म चरम पर होने को था
तब राम जी ने चहूं दिशाओं को राम में रमा दिया
युग परिवर्तन की यह प्रक्रिया
असंभव को अवश्यसंभावी को उद्धृत कर रही है
आज चारों दिशाओं सप्तलोकों मे
सिर्फ राम ही दृष्टिगोचर हो रहे हैं
संपूर्ण भारत राम में रमा है
यह विश्व गुरु बनने की दिशा का
एक मजबूत कदम है
यह भारत का समय है
सारी दुनिया देख रही है
यहां हर मन राममय है..!
यहां हर मन राममय है..!

संगीता गुप्ता गर्ग
मधुसूदनगढ़, जिला गुना (मप्र)

जय श्री राम (भजन)

आ गये देखो सब के आराध्या
सजा दो फिर से फिर से अयोध्या
आ गये देखो जय श्री राम
अब ना बचा देखो कोई काम
कलयुग का वनवास कल हो जायेगा
आ जायेगा देखो रामयुग छायेगा
सरयू के तट देखो छाई संध्या
सजा दो फिर से फिर से अयोध्या
अन्तःकरण के आ गये राम
विराजेंगे वो अपने धाम
सजा दो दीप से सारी धरती
महके हे फुल सारे महकी हे बस्ती
सारी हो गई राममय दुनिया
सजा दो फिर से अपनी अयोध्या
राम के बिना ना होता कोई काम
जीवन में मिलता फिर से आराम
तुलसी के राम चाहे बाल्मीकि के राम
खुश हे शहर खुश हे ग्राम
साथ में मैय्या सीता लक्ष्मण भैय्या
सजा दो फिर से राम की अयोध्या
चला हे जादू कैसा भक्ति का उल्लास
सबको जगी अब त्रेता सी आस
जीने से मरने तक काम आते हे राम
सबके पलको में बसे हे राम
खुश होते बालक खुश होती मय्या
सजा दो फिर से अपनी अयोध्या

लोकेश भट्ट
दलोट राजस्थान

विश्वकर्मा जन संगठन का किया विस्तार भगवान विश्वकर्मा प्राकट्य उत्सव पर होगा भव्य आयोजन

● महेन्द्र शर्मा पुष्पांजली टुडे, ग्वालियर

विश्वकर्मा जन संगठन मध्य प्रदेश द्वारा ग्वालियर में 21 जनवरी 2024 रविवार को गुड़ा - गुड़ी का नाका स्थित गुड़ा पिपरी में विश्वकर्मा समाज के वरिष्ठ समाजसेवी एड.रामसेवक विश्वकर्मा जी के निवास स्थल पर बैठक रखी गई । जिसकी अध्यक्षता विश्वकर्मा समाज के वरिष्ठ समाजसेवी परम सम्माननीय बाबूजी श्री हरिसिंह गौर (रिटायर्ड अकाउंट आफिसर) जी द्वारा की गई ।

साथ ही समाज द्वारा 22 फरवरी 2024 को भगवान् विश्वकर्मा जी के प्रकाट्योत्सव के शुभ अवसर पर समाज के सभी लोगों द्वारा विश्वकर्मा जन संगठन मध्य प्रदेश के नेतृत्व में ÷भव्य चल समारोह एवं प्रतिभाओं का सम्मान÷ कार्यक्रम टाउन हॉल महाराज बाड़े या मेडीकल सभागार पर करने की सहमति बनी ।

जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी केंद्रीय मंत्री भारत सरकार एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा से राज्यसभा सांसद परम सम्माननीय बाबूजी श्री रामचंद्र जांगड़ा जी के नाम पर सभी की सहमति बनी दिल्ली चलकर बहुत ही जल्द अतिथियों से मुलाकात करने की बात हुई । साथ ही संगठन का विस्तार किया गया जिसमेंहरि सिंह गौर जी (विश्वकर्मा) प्रदेश संरक्षक विश्वकर्मा जन संगठन मध्य प्रदेश,एड.रामसेवक विश्वकर्मा जिला संरक्षक ग्वालियर महानगर, जगत सिंह विश्वकर्मा जिला संरक्षक ग्वालियर महानगर, रमेश विश्वकर्मा जिला संरक्षक ग्वालियर महानगर, नाथूराम विश्वकर्मा जिला संरक्षक ग्वालियर महानगर, बालकिशन विश्वकर्मा जिला संरक्षक ग्वालियर महानगर, टिंकू विश्वकर्मा जिला अध्यक्ष ग्वालियर महानगर, रामनारायण

विश्वकर्मा जिला उपाध्यक्ष ग्वालियर महानगर, रवि विश्वकर्मा जिला महासचिव ग्वालियर महानगर, राजेश विश्वकर्मा जिला महासचिव ग्वालियर महानगर, रामबरन विश्वकर्मा जिला संगठन मंत्री ग्वालियर महानगर, अजय विश्वकर्मा जिला सचिव ग्वालियर महानगर, महेंद्र विश्वकर्मा जिला सचिव ग्वालियर महानगर, भारत विश्वकर्मा जिला सचिव ग्वालियर, रामरूप विश्वकर्मा जिला सचिव ग्वालियर,पवन विश्वकर्मा जिला मीडिया प्रभारी ग्वालियर, गोपी विश्वकर्मा प्रचार मंत्री ग्वालियर, सोनू विश्वकर्मा विधि सलाहकार ग्वालियर, रमेश विश्वकर्मा जिला कार्यकारिणी सदस्य ग्वालियर, पूरन विश्वकर्मा जिला कार्यकारिणी सदस्य ग्वालियर,नारायण विश्वकर्मा जिला कार्यकारिणी सदस्य ग्वालियर, रघुवीर शरण विश्वकर्मा जी जिला कार्यकारिणी सदस्य ग्वालियर महानगर इत्यादि लोगों की नियुक्तियां प्रदेश एवं सम्भागीय पदाधिकारीयो की सहमति से संगठन के प्रदेशाध्यक्ष श्री मनोज विश्वकर्मा जी की अनुशंसा पर की गई तथा समाज के सभी लोगों द्वारा नवनियुक्त सभी पदाधिकारीयो को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आशा है कि आप सभी लोग समर्पण,अनुशासन,ईमानदारी, पारदर्शिता के साथ समस्त विश्वकर्मा समाज को एकजुट कर आपस में सामंजस्य बनाकर संगठन द्वारा दी गई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का पूर्ण निर्वहन करेंगे । जिसमें संगठन के सभी पदाधिकारी कार्यकर्तागण एवं समाज के सभी वरिष्ठजन मुख्य रूप से उपस्थित रहे। साथ ही श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की स्मृति को चिरकाल तक स्थाई बनाए रखने हेतु ÷सृष्टि सेवा संकल्प÷ द्वारा रामलला बीजारोपण महोत्सव मनाया जा रहा है दिनांक 22 जनवरी को अपने घर पर राम नाम के बीच का बीजारोपण श्री राम जय राम जय जय राम के जाप के साथ करना है इस शुअवसर पर श्री हरिसिंह जी गौर द्वारा सभी को बेलपत्र के वीज विधि पत्रिका के साथ वितरित किए।

मध्य भारतीय हिन्दी साहित्य सभा की मासिक कथा गोष्ठी हुई सम्पन्न

● महेन्द्र शर्मा पुष्पांजली टुडे, ग्वालियर

मध्य भारतीय हिन्दी साहित्य सभा ग्वालियर की मासिक कथा गोष्ठी सुप्रसिद्ध साहित्यकार मुरारीलाल गुप्त गीतेश के मुख्य आतिथ्य एवं साहित्य सभा के उपाध्यक्ष डा. दिनेश पाठक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई कथा गोष्ठी के विशिष्ट अतिथि मुरैना के साहित्यकार रामवरण शर्मा मंचासीन रहे गोष्ठी के प्रारंभ में सभी कथाकारों एवं अतिथियों ने मां सरस्वती जी के समक्ष दीप प्रज्जवलित किया एवं साहित्यकार अशोक सिरढोणकर ने मां सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की कथा गोष्ठी में दिलीप

मिश्रा ने प्रेम,डा.नरेन्द्र नाथ लाहा ने पांच लघुकथाएं, राजकिशोर बाजपेई, अभय ने कर्जदार कौन, अशोक शिरढोणकर ने छोटी पड़ोसन ,कथा गोष्ठी के मुख्य अतिथि मुरारीलाल गुप्त गीतेश ने सहयोग का फल, रामवरण शर्मा ने बदलते रिश्ते, दिनेश पाठक ने प्यास, नामक कथाओं का वाचन किया कथा गोष्ठी को डॉ सुधीर चतुर्वेदी ने विशेष रूप से संबोधित किया गोष्ठी का संचालन साहित्यकार एवं कथा गोष्ठी के संयोजक दिलीप मिश्र ने किया तथा आभार मध्य भारतीय हिन्दी साहित्य सभा ग्वालियर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश पाठक ने व्यक्त किया। कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय एवं प्रेरक रहा। इस अवसर पर राकेश पांडेय, दीपक कौल सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।

बेहतरीन पुलिसिंग के लिए जाने जाते हैं एसडीओपी प्रशांत शर्मा

● हरिओम परिहार, पुष्पांजली टुडे पिछोर

वर्तमान में जिला शिवपुरी के पिछोर सबडिवीजन की कमान संभाल रहे एसडीओपी श्री प्रशांत शर्मा अपनी सौम्य छवि और दबंग पुलिसिंग के कारण जन-जन में लोकप्रिय हो रहे हैं , यही कारण है कि आज पिछोर के बच्चे ,बुजुर्ग महिलाएं, युवा, व्यापारी, नेता या आम सिविलियन कोई भी हो सभी श्री प्रशांत शर्मा की कार्यशैली का लोहा मानते हैं।

मध्यमवर्गीय परिवार से तालुकात रखते हैं श्री शर्मा

हम आपको बता दें कि एसडीओपी श्री प्रशांत शर्मा बेहद मध्यमवर्गीय परिवार से आते हैं, वे दतिया जिले के सबसे दूरस्थ और छोटे से गांव बसई के रहने वाले हैं और उनकी प्रारंभिक शिक्षा दीक्षा गांव की ही सरकारी स्कूल में हुई है , उसके बाद श्री शर्मा ने पीजी कॉलेज दतिया से अपने आगे की पूरी पढ़ाई की,श्री शर्मा के पिताजी पुलिस विभाग में दरोगा के पद से रिटायर हुए हैं, श्री शर्मा ने बताया कि बचपन से ही उनका सपना पुलिस विभाग में बड़े अधिकारी बनने का था परंतु पारिवारिक जिम्मेदारियो के कारण वह इंदौर या दिल्ली जैसे शहरों में पढ़ाई करने नहीं जा सके और बसई में ही हायर सेकेंडरी स्कूल में सरकारी शिक्षक बन गए, शिक्षक की नौकरी करते हुए श्री शर्मा ने पांच बार एमपी पीएससी परीक्षा का इंटरव्यू दिया, चार बार असफल होने के बाद पांचवे प्रयास में उप पुलिस अधीक्षक बने।

कार्य करने की शैली है सबसे अलग

श्री प्रशांत शर्मा की कार्य करने की शैली और अंदाज बिल्कुल जुदा है, कोई भी लायन आर्डर हो, किसी भी प्रकार का वीआईपी मूवमेंट हो या कोई जलसा जुलूस हो या कोई त्यौहार हो श्री प्रशांत शर्मा नेतृत्व करते हुए हर स्थिति को संभाल लेते हैं और अपनी ड्यूटी को अंजाम देते हैं, श्री शर्मा अकसर सड़कों पर पैदल मार्च करते हुए और रात्रि गस्त में साइकिल से नगर का भ्रमण करते हुए देखे जाते हैं ,श्री शर्मा अपने ऑफिस में भी कई बार देर रात तक फाइलें निपटाते हुए देखे जाते हैं, श्री शर्मा के ऑफिस में अक्सर आवेदकों की भीड़ लगी होती है, आवेदकों से पूछने पर वह बताते हैं कि थानों पर जब उनकी सुनवाई नहीं होती है तो एसडीओपी साहब के पास आते हैं और एसडीओपी साहब उनकी समस्या का निराकरण कर देते हैं, कई बार तो ऐसा होता है कि श्री शर्मा गाड़ी में बैठते बैठते भी लोगों की समस्याओं को सुनते हैं और उन्हें सुलझाने का पूरा प्रयास करते हैं !पिछोर में हुए एक भीषण एक्सीडेंट की सूचना मिलने पर श्री शर्मा बिना अपने ड्राइवर और गाड़ी का इंतजार किए हुए एक राहगीर की मोटरसाइकिल से लिफ्ट मांग कर घटना स्थल पर पहुंचे थे जिस पर उनकी नगर में चारों ओर वाह वाही हुई थी

कई बड़े-बड़े मामले सुलझा चुके हैं

हम आपको बता दें कि श्री प्रशांत शर्मा ने कई बड़े-बड़े मामलों को सुलझाया है जिनमें से कुछ प्रमुख इस प्रकार हैं, गुना पदस्थापना के दौरान 24 घंटे के नवजात शिशु की डेड बॉडी मिलने पर उन्होंने महज 12 घंटे में आरोपी को पकड़ लिया था, खनियाधाना में हुए दो ब्लाइंड मर्डर को उन्होंने तीन दिन में सुलझा लिया था,भोंती में गुमशुदा हुए 12 साल के बच्चे को 48 घंटे में सकुशल ढूंढ निकाला था और इन सब से ऊपर मनपुरा से गायब हुए 7 माह के अबोध बालक को उन्होंने महज दो दिन में जयपुर से ढूंढ निकाला था जिसके लिए उनकी पूरे प्रदेश स्तर पर भूरि भूरि प्रशंसा हुई थी। इसके अलावा 30 साल के इतिहास में सबसे चुनौती पूर्ण पिछोर विधानसभा के चुनाव को उन्होंने अपनी प्रशासनिक सूझबूझ और दक्षता से सहज संपन्न करवा लिया, चुनाव के दौरान श्री शर्मा दोनों ही दिग्गज नेताओं को डाक बंगले में नजर बंद करने से भी पीछे नहीं हटे जिसका परिणाम यह हुआ कि पिछोर जैसी सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण माने जाने वाली सीट में निर्विघ्न विधानसभा चुनाव संपन्न हुए।

सेहत के लिए है बेहद सजग

पुलिस की 24 घंटे की कठिन ड्यूटी के बाद भी श्री शर्मा अपनी सेहत के प्रति बेहद सजग हैं, श्री शर्मा प्रतिदिन योग और एक्सरसाइज करने के साथ-साथ सप्ताह में तीन बार 8 से 10 किलोमीटर की रनिंग करते हैं दो बार 10 से 12 किलोमीटर पैदल चलते हैं और कभी-कभी 20-20 किलोमीटर की साइकलिंग भी करते हैं, श्री शर्मा बताते हैं कि शारीरिक रूप से फिट रहने के कारण ही वह लगातार इतनी कठिन और चुनौती पूर्ण ड्यूटी कर पाते हैं ।

कवि और लेखक भी हैं श्री शर्मा

एसडीओपी श्री प्रशांत शर्मा जितने उम्दा पुलिस अधिकारी हैं उतने ही अच्छे कवि और लेखक भी हैं, उनके कई आलेख, कहानियां और कविताएं देश के प्रतिष्ठित अखबारों में प्रकाशित हो चुकी हैं, श्री शर्मा की कविताओं की बात करें तो वह कई विषयो पर कविता लिख चुके हैं, हां मैं पुलिस वाला हूं जैसी उनकी कविता को राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिल चुकी है, साहित्य के क्षेत्र में उन्हें वर्ष 2020 का अन्नपूर्णा भदोरिया साहित्य सम्मान भी मिल चुका है, अभी हाल ही में 22 जनवरी को श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर उनके द्वारा लिखी गई कविता फेसबुक व्हाट्सएप इंस्टाग्राम पर जमकर वायरल हुई थी।

लोगों के लिए हर समय रहते हैं उपलब्ध

ऐसा नहीं है कि श्री प्रशांत शर्मा केवल अपनी ड्यूटी में ही मशगूल रहते हैं बल्कि वह आम जनता हो या कोई भी स्टूडेंट हो या कोई भी फरियादी हो उसके लिए हमेशा उपलब्ध रहते हैं, स्कूल या कोचिंग में गाइडेंस देने की बात हो तो वह सहज तैयार हो जाते हैं और स्टूडेंट्स का मार्गदर्शन भी करते हैं, पिछोर नगर की कई संस्थाएं उनको अपने यहां होने वाले कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में बुलाती हैं तो वह अपने बिजी शेड्यूल में से समय निकालकर अवश्य ही वहां जाते हैं । हम सभी श्री प्रशांत शर्मा के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

सिक्योरिटी गॉर्ड ड्राइवर्स एवं वर्कर्स हेतु हेल्थ चेक अप कैंप का आयोजन

● पुष्पांजली टुडे ग्वालियर

फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ग्वालियर शाखा द्वारा आज इंडियन आयल बॉटलिंग प्लांट मलानपुर (कोसन क्रिसप्लांट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) के सहयोग से आज उनके वर्कर्स हेतु स्वास्थय शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम में इंडियन ऑयल बॉटलिंग प्लांट मलानपुर (कोसन क्रिस्पलेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड)की ओर से प्लांट प्रबधक श्री मोहम्मद अकरम जी एवं श्री तुषार व्यास जी उपस्थित थे।कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में प्लांट के सेफ्टी अधिकारी श्री अर्पित शिवहरे जी एबं जी उपस्थित थे.साथ ही श्री देवेश ठाकुर जी भो उपस्थित थे..कार्यक्रम में कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था की शाखा प्रबंधक श्रीमती नीलम दीक्षित जी द्वारा की ।उन्होंने सभी को संस्था की गतिविधियों पर जानकारी दी।साथ ही उन्होंने परिवार नियोजन पर भी जानकारी दी। शिविर का संचालन संस्था के कार्यक्रम अधिकारी श्री अच्छेद्र सिंह कुशवाह द्वारा किया साथ ही उन्होंने सभी समान्य बोमारियों से

बचाव भी जानकारी दी.. शिवरि के माध्यम से प्लांट के अधिकारियो , कर्मचारियों सिक्योरिटी गॉर्ड एबं ड्राइवर्स सभी का सम्पूर्ण स्वास्थ्य परिक्षण किया गया..कर्मचारियों के स्वास्थ्य का स्वास्थ्य परीक्षण डॉ पीयूष गौर द्वारा किया।शिविर में कर्मचारियों का नेत्र रोग परीक्षण डॉ राम किशोर शाक्य द्वारा मशीन से किया गया। शिविर में कर्मचारियों का दंत रोग का परीक्षण किया डॉ वरुण शर्मा जी द्वारा किया कार्यक्रम में श्री लब तकनीशियन देवप्रकाश समोलिया जी द्वारा सभी की खून एवं पैथोलॉजी की जांच की गई।शिविर के माध्यम से कुल 80 कर्मचारियों एवम दस ड्राइवरों का स्वास्थ्य परिक्षण किया।कार्यक्रम को सफल बनाने में प्लांट की और से देवेश ठाकुर जी का मुख्य योगदान रहा।कार्यक्रम के अंत में रवि शंकर द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया।

अटल बिहारी वाजपेयी एबीवी आई. आई. आई. टी. एम. ग्वालियर के लेडीज क्लब के द्वारा श्री राम लला की वंदना एवं द्वीप प्रज्जवलन

● पुष्पांजली टुडे ग्वालियर

एबीवी आई. आई. आई. टी. एम. ग्वालियर के लेडीज क्लब के द्वारा श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में श्री राम जी की पूजन आरती एवं दीप प्रज्वलन किया गया । इस अद्वितीय एवं अनुपम अवसर पर लेडीज़ क्लब की प्रेसिडेंट श्रीमती वंदना सिंह सेक्रेटरी श्रीमती माधुरी पटनायक एवं क्लब के सदस्य श्रीमती रूबी सिंह, ज्योति अग्रवाल, दीपा सिंह सिसोदिया, आरती, रिचा एवं अन्य उपस्थित रहे। सभी ने सर्वप्रथम श्री राम जी की आराधना कर एवं भजन गाकर इस अद्वितीय क्षण को अविस्मरणीय बनाया। इस उपलक्ष्य में सदस्यों के द्वारा मनोरम रंगोली भी बनाई गई, जिसे पुष्प एवं द्वीपों से सुसज्जित किया गया । सभी ने *श्री राम जी का हमारे जीवन पर प्रभाव* के बारे में अपने-अपने विचार व्यक्त किए एवं मनोरम भजन प्रस्तुत किए। इस उपलक्ष्य में प्रेसिडेंट वंदना सिंह ने अपने उद्बोधन में बताया कि ऐसा लग रहा है कि एक बार फिर से हम कलयुग की जगह त्रेता युग में प्रविष्ट हो रहे हैं । उन्होने अपने पूर्व के अयोध्या प्रवास के दौरान अपने साथ हुए ईश्वरीय साक्षात्कार रूपी

अनुभवों को साझा कर सभी को प्रेरित किया। श्रीमति सिंह ने बताया कि अगर हम सच्चे हृदय से प्रभु को स्मरण करेंगे तो हमें उनके होने का अनुभव अवश्य ही होगा। उन्होंने बताया कि जो रौनक हमें मथुरा काशी में दिखाई देती है वही आज हमें अयोध्या में भी श्री राम के प्रतिष्ठित होने के बाद नजर आएगी और हम भाग्यशाली हैं कि हम ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बन रहे हैं, अगर हम श्री राम के व्यक्तित्व के एक भी आचरण को अपना अपना लें तो हम अपने को बहुत ही धन्य समझेंगे। उन्होंने उनके प्रेरणा स्वरूप चरित्र का वर्णन कर कहा कि हमें कुछ ना कुछ श्री राम के चरित्र से धारण कर इस संसार को खुशहाल बनाना चाहिए उनके द्वारा श्री राम जी को समर्पित स्वरचित कविता प्रस्तुत की गई जिसके बोल इस प्रकार हैं ङ्क *÷राम-राम जय राजा राम, राम राम जय राजा राम, भँवरों से तितली कहती , हर पत्ती पर लिख दो राम, फूलों की डाली झुक झुक कर छूना चाहे अयोध्या धाम, युग बदले ये चाह सभी की, समय की धारा में श्री राम, कलयुग को अब विदा करो, त्रेता से आ रहे हैं राम, स्वागत में तुम द्वीप जलाओ, होली और दीवाली मनाओ, नाचो गाओ झूम झूम के, देखो आ रहे हैं श्री राम÷* । सभी सदस्यों ने श्री राम के अपने जीवन में उपस्थित होने के अनुभवों को साझा किया। इन अनुभवों को सुनकर सभी भावविहवल हो उठे। लेडीज क्लब के सदस्यों ने एक सच्चे भाव से श्री राम की आराधना कर उन्हें आमंत्रित किया क्योंकि भगवान तो सर्वव्यापी है एवं सच्चे भाव के आकांक्षी हैं। श्रीमती माधुरी पटनायक ने श्री राम जी के भजन की एक बहुत ही मनमोहक प्रस्तुति देकर संपूर्ण वातावरण को राममय बना दिया । उन्होंने भी श्री राम जी की पौराणिक कथा सुना कर इस भाव को प्रकट किया कि भगवान तो बस भाव के भूखे होते हैं, हम उन्हें अगर अपने घर से ही सच्चे भाव से स्मरण करेंगे तो अवश्य ही सुनेंगे, इसके लिए हमें तीर्थ करने की आवश्यकता नहीं है। श्रीमति आरती ने कंठस्थ राम चौपाईयों का गायन प्रस्तुत किया। इसके पश्चात संस्थान परिसर के मंदिर में जाकर सभी ने पूजा अर्चना कर भोग लगाकर द्वीप प्रज्वलित किए।

समाज को एक नई राह दिखाते मंडी के सचिन सकलानी

डॉ.राजीव डोगरा

(युवा कवि व लेखक)

पता-गांव जनयानकड़ पिन कोड -176038 कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो

सचिन कुमार जिन्हें हम सब सचिन सकलानी के नाम से जानते और पहचानते हैं। जिनका सामाजिक क्षेत्र में लगाव बचपन से ही रहा है। 2016 में विद्यालय समय में अध्यापकों के साथ जुड़कर वृक्षारोपण,स्वच्छता कार्यक्रम,खेल-कूद ,नशे को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आदि सामाजिक गतिविधियों में भाग लेते थे। इसके साथ ही वे समाज में फैली कुरूतियों को मिटाने के लिए समाज के लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ समाज के उत्थान के लिए कार्य करने लगे। सन् 2019 में वे नेहरू युवा केन्द्र संगठन के साथ जुड़कर नेहरू युवा केंद्र मंडी के मार्गदर्शन में विगत 3 वर्षों में ग्रामीण क्षेत्र में लगभग 5000 से अधिक युवाओं तथा महिलाओं को खेलकूद तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जोड़कर खेलों के प्रति प्रेरित किया। वर्ष 2021 में सचिन का चयन युवा एवं खेल मंत्रालय में बतौर राष्ट्रीय स्वयंसेवक चयन हुआ, जिसमें इन्होंने एक भारत श्रेष्ठ भारत में केरल,मेरी माटी-मेरा देश में दिल्ली, राष्ट्रीय युवा महोत्सव में महाराष्ट्र जैसे राज्यों में मंडी जिला का प्रतिनिधित्व किया और दो बार लगातार विकास खंड बल्ह में उनके मारुती युवा मंडल को युवा सेवा एवं खेल विभाग मंडी के द्वारा 2021-23 और 2023 से 2025 तक नोडल क्लब का दर्जा दिलवाने में सचिन का सबसे बड़ा सहयोग रहा साथ ही 2021- 22 में युवा सेवा एवं खेल विभाग मंडी द्वारा मारुती युवा मंडल को जिला मंडी का उत्कृष्ट युवा क्लब चुना गया।

डीसी मंडी द्वारा चलाया गया नशा निवारण को समर्पित संयम कार्यक्रम में उनका और उनकी टीम युवाओं के द्वारा 15 हजार से अधिक भाँग के पौधों को उखाड़ कर नष्ट किया। साथ ही कैच द रेन अभियान के तहत 50 से अधिक प्राचीन पानी की बावड़ियों तथा जल स्त्रोतों की साफ सफाई की। कई ग्रामीण युवक तथा युवतियों को योग के क्षेत्र में प्रशिक्षित किया।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में नेहरू युवा केंद्र मंडी के माध्यम से महिला मण्डलों को खेलकूद समग्री देकर सम्मानित किया।

युवा सेवा एवं खेल विभाग के साथ मिलकर पंचायत में

कार्य शिविरों का आयोजन करवाया जिसमें महिलाओं तथा युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ। सचिन 2019 से सामाजिक कार्यों में संलग्न है और पिछले 5 वर्षों से नशे के विरुद्ध अभियान,भाँग उखाड़ो अभियान, युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए खेल कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन,योग अभियान,सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन,पौधारोपण अभियान,कार्य शिविर,स्वच्छता अभियान,पर्यावरण संरक्षण,महिला सशक्तिकरण, पोषण अभियान, कोविड 19 के मुख्य बचाव के लिए जागरूकता,एवं अन्य कई विषयों पर कार्यक्रम आयोजन करके समाज एवं देश का सकारात्मक परिवर्तन कर रहे हैं।

आगामी समय में, वे इन कार्यों को करते हुए सामाजिक संगठन का निर्माण बड़े स्तर पर करके अपने ग्राम के समीप स्थित कोठी गैहरी में जो कि कई वर्षों से युवाओं की खेल मैदान बनाने को लेकर माँग थी, उनकी और उनकी टीम द्वारा कोठी गैहरी पंचायत के समीप खेल मैदान के लिए जगह चिन्हित की गई और अब खेल मैदान का निर्माण चल रहा है,जल्द ही युवाओं के खेल खेलने के लिए एक खेल मैदान तैयार किया जाएगा। साथ ही मारुती युवा मंडल संस्थापक और युवा मंडल प्रधान होने के नाते वर्ष 2019 में 12 वर्षों बाद पुनः खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन करवाया साथ ही कृष्ण जन्माअष्टमी पर हर वर्ष दही हांडी कार्यक्रम का आयोजन तथा शुरुआत उनके द्वारा ही हुई । उनकी टीम ने महिलाओं को खेलकूद और संस्कृतिक के क्षेत्र में आगे ले जाने का काम किया है। इनके संगठन के द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य के विषयों को ध्यान में रखते हुए बाल विकास व महिला सशक्तिकरण एवं बेटियों को पढ़ाने पर जन जागरूकता के कार्यक्रमों का आयोजन करवा रहें हैं।वैश्विक महामारी कोरोना को हराने के लिए उनका संगठन जागरूकता के कार्यक्रम एवं भामाशाहों के सहयोग से अन्य गतिविधियों का आयोजन करवाना मुख्य रूप से उनके भविष्य के कार्यों की रूपरेखा है। इसके साथ ही सचिन शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं के पात्र लोगों के लिए समग्र प्रयास करते रहते है।

यह एक सकारात्मक व मेहनती स्वयंसेवी हैं, जो अपना कार्य पूर्ण समर्पण व सुचारू रूप से संचालित करते हैं। जो अत्यंत ही प्रशंसनीय है। मैं श्री सचिन द्वारा मानव कल्याण हेतु किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा करता हूँ तथा इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

अद्भुत प्रतिभा के मनीषी और ऋषि-तुल्य साधक थे पं राम नारायण शास्त्री : अश्विनी चौबे

सुप्रसिद्ध सामाजिक-चिंतक सूबेदार सिंह तथा बिहार लोक सेवा आयोग की सदस्य प्रो दीप्ति कुमारी को दिया गया स्मृति सम्मान, मेधावी छात्रा नम्रता कुमारी को दिया गया ईश्वरी देवी मेधा सम्मान

मनोज कुमार ब्यूरो
पुष्पांजली टुडे , पटना

अद्भुत प्रतिभा के मनीषी विद्वान और ऋषि-तुल्य साहित्य-साधक थे पं राम नारायण शास्त्री। वे एक महान हिन्दी सेवी ही नहीं, संस्कृत और प्राच्य साहित्य के अध्येता और अन्वेषक भी थे। उनकी पत्नी ईश्वरी देवी भी वेदों का ज्ञान रखने वाली विदुषी और गणितज्ञ थी। साहित्य, समाज और राजनीति की सेवा भी उन्होंने देश-सेवा के रूप में की। उनकी सरलता और विनम्रता अनुकरणीय थी।

यह बातें बुधवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में, पं राम नारायण शास्त्री स्मारक न्यास के तत्त्वावधान में आयोजित स्मृति-सह-सम्मान समारोह का उद्घाटन करते हुए, केंद्रीय राज्यमंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कही। इस अवसर पर उन्होंने सुप्रसिद्ध सामाजिक-चिंतक सूबेदार सिंह एवं बिहार लोक सेवा आयोग की सदस्य प्रो दीप्ति कुमारी को %अक्षर-पुरुष पं राम नारायण शास्त्री स्मृति सम्मान% से अलंकृत किया । उन्होंने माध्यमिक बोर्ड की परीक्षा-2023 में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाली, निर्मला शिक्षा भवन उच्च विद्यालय, शाहपुर की छात्रा नम्रता कुमारी को, %ईश्वरी देवी सर्वश्रेष्ठ गणितज्ञ छात्रा पुरस्कार% से पुरस्कृत किया। पुरस्कार स्वरूप उसे 2551 रु की राशि भी प्रदान की गयी। स्मरणीय है कि स्वर्गीया ईश्वरी देवी शास्त्री जी की विदुषी अर्द्धांगिनी और गणितज्ञ थीं। समारोह के मुख्य अतिथि और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तार किशोर प्रसाद ने पं शास्त्री को नमन करते हुए कहा कि शास्त्री जी एक ऐसे साधक साहित्यकार थे, जिन्होंने अपनी बौद्धिक-रचनाओं से समाज का मार्ग-दर्शन किया। सभा की अध्यता करते हुए, सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कहा कि शास्त्री जी को स्मरण करना किसी तपस्वी ऋषि के सान्निध्य में जाने के समान

पावन है। वे एक प्रणम्य साहित्यिक साधु-पुरुष थे। प्राच्य साहित्य के लिए किए गए उनके कार्य साहित्य-जगत में उन्हें अमरत्व प्रदान करते हैं। प्राच्य-साहित्य की दुर्लभ पोथियों और पांडुलिपियों का अन्वेषण, अनुशीलन और सूचीकरण कर उन्होंने हिन्दी साहित्य को एक बड़ा धरोहर दिया। इसके लिए शास्त्री जी सदैव श्रद्धा-पूर्वक स्मरण किए जाते रहेंगे। साहित्य सम्मेलन के प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने सम्मेलन की भी मूल्यवान सेवा की।

डा सुलभ ने कहा कि शास्त्री जी एक ऐसे विरल महात्मा पुरुष हुए, जिनका अवतरण और लोकांतरण एक ही दिन, 24 जनवरी को हुआ। ऐसा सुयोग ईश्वरीय कृपा-प्राप्त विभूतियों के जीवन में ही घटित होता है। यह भी कितना सुंदर योग है कि उनकी पत्नी का नाम भी ईश्वरी देवी था और उनका भी तिरोधान 24 जनवरी को ही हुआ।

सिक्किम के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद ने,जो अस्वस्थ होने के कारण समारोह मेन उपस्थित नहीं हो सके, आभासी मध्यम से पं शास्त्री को श्रद्धांजलि दी। पं शास्त्री के पुत्र और न्यास के प्रमुख न्यासी अभिजीत कश्यप ने न्यास की गतिविधियों के संबंध में अपना प्रतिवेदन पढ़ा तथा सबके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। पटना विश्वविद्यालय के कुलपति डा कृष्णचंद्र सिन्हा, पद्मश्री विमल जैन, दीघा के विधायक संजीव चौरसिया, बीरेन्द्र कुमार यादव, डा मधु वर्मा आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अतिथियों का स्वागत न्यास के अध्यक्ष प्रो रमेश चंद्र सिंहा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन पंकज कुमार ने किया। मंच का संचालन वरिष्ठ पत्रकार कृष्ण कांत ओझा तथा गौरव सुंदरम ने संयुक्त रूप से किया।ने किया।इस अवसर पर,पं शास्त्री की पुत्रवधु रेणु कश्यप, संस्कृत के विद्वान आचार्य मुकेश कुमार ओझा, विनीता मिश्र, कृष्णरंजन सिंह, शैलेंद्र ओझा, रजनी सिन्हा, ज्ञानेश रंजन मिश्र, रंजना सिंह, गिरीश महतो, रणधीर कुमार मिश्र, अमरनाथ श्रीवास्तव, चंद्रसेन प्रसाद सिंह, अभिनव चौबे, नितिन दीक्षित समेत बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

गैबीनाथ धाम बिरसिंहपुर की महिमा

राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

गैवीनाथ धाम: जहाँ औरंगजेब ने शिवलिंग पर चलाई थी तलवार लेकिन सेना सहित जान बचाकर भागा, आज भी हैं निशान

भारत के कई ऐसे महान मंदिर रहे जो इस्लामिक आक्रान्ताओं का शिकार हुए। अयोध्या, काशी और मथुरा सहित देश के कई बड़े-छोटे मंदिरों को इस्लामिक कट्टरपंथी आक्रान्ताओं ने अपने मजहबी उन्माद की भेंट चढ़ा दिया लेकिन कई ऐसे दिव्य मंदिर भी थे, जहाँ ये आक्रांता अपने मंसूबों में सफल नहीं हो सके। ऐसा ही एक त्रेताकालीन मंदिर पूर्वी मध्य प्रदेश में स्थित है, जहाँ मुगल आक्रांता औरंगजेब और उसकी सेना ने शिवलिंग को तोड़ने का प्रयास किया था लेकिन उसे अपनी सेना सहित जान बचाकर भागना पड़ा।

त्रेताकालीन हैं भगवान गैवीनाथ

विंध्य समेत पूरे मध्य भारत में आस्था का केंद्र गैवीनाथ मंदिर मध्य प्रदेश के सतना जिले से 35 किमी दूर बिरसिंहपुर नामक कस्बे में स्थित है। त्रेतायुग में यह स्थान देवपुर कहलाता था। इस स्थान और गैवीनाथ मंदिर का वर्णन पदम पुराण के पाताल खंड में मिलता है।

देवपुर में राजा वीर सिंह का राज्य हुआ करता था। राजा ठहरे महाकाल के अनन्य भक्त तो घोड़े पर सवार होते और पहुँच जाते महाकाल की नगरी उज्जैन। सालों तक ऐसा ही चलता रहा लेकिन जब राजा वृद्ध हुए तब उन्होंने महाकाल से अपनी व्यथा बताई। तब महाकाल ने राजा के स्वप्न में देवपुर में ही दर्शन देने की बात कही। उसी समय नगर के ही गैवी यादव नामक व्यक्ति के यहाँ चूल्हे से शिवलिंग निकला लेकिन गैवी की माँ उस शिवलिंग को दोबारा जमीन के अंदर कर देती।

महाकाल एक दिन फिर से राजा वीर सिंह के स्वप्न में आए और बताया कि वह जमीन से निकलना चाहते हैं लेकिन गैवी की माँ उन्हें फिर जमीन में धकेल देती है। अंततः राजा गैवी के घर पहुँचे और जिस स्थान से शिवलिंग चूल्हे से बाहर आने का प्रयास कर रहा था, उस स्थान पर एक भव्य मंदिर का निर्माण करवाया और महाकाल के आदेश के अनुसार भगवान शिव इस स्थान पर गैवीनाथ के रूप में प्रतिष्ठित हुए। गैवीनाथ मंदिर में स्थित शिवलिंग को भगवान महाकाल का ही रूप माना जाता है।

औरंगजेब भागा था अपनी जान बचाकर

बिरसिंहपुर स्थित गैवीनाथ धाम भी मुस्लिम आक्रान्ताओं की हिन्दू घृणा का शिकार हुआ था। यह अलग बात है कि आक्रांता न तो मंदिर का और न ही भगवान की मूर्ति का कुछ बिगाड़ सके। स्थानीय इतिहासकारों के अनुसार आज से 317 साल पहले 1704 में मुगल आक्रांता औरंगजेब हिन्दू मंदिरों को नष्ट करने के क्रम में इस स्थान पर पहुँचा था। औरंगजेब के साथ उसकी सेना भी थी। औरंगजेब ने पहले अपनी तलवार से शिवलिंग पर प्रहार किया लेकिन उसे तोड़ने में असफल रहने पर उसने अपनी सेना को आदेश दिया, जिसके बाद शिवलिंग को हथौड़े और छेनी से तोड़ने का प्रयास किया गया। कहा जाता है कि शिवलिंग पर पाँच प्रहार किए गए थे। पहले प्रहार में शिवलिंग से दूध निकला, दूसरे प्रहार में शहद, तीसरे प्रहार में खून और चौथे प्रहार में गंगाजल। जैसे ही औरंगजेब के सैनिकों ने शिवलिंग पर पाँचवाँ प्रहार किया, लाखों की संख्या में भँवर (मधुमक्खी) निकली। औरंगजेब और उसकी पूरी सेना तितर-बितर हो गई और किसी तरह अपनी जान बचाकर भागी।

आज भी गैवीनाथ धाम में शिवलिंग पर तलवार के निशान हैं और खंडित शिवलिंग की ही पूजा होती है। हिन्दू धर्म में खंडित मूर्तियों की पूजा प्रतिबंधित है किन्तु गैवीनाथ धाम देश का इकलौता मंदिर है, जहाँ खंडित शिवलिंग ही पूजे जाते हैं और उनकी मान्यता पूरे हिन्दू धर्म में है।

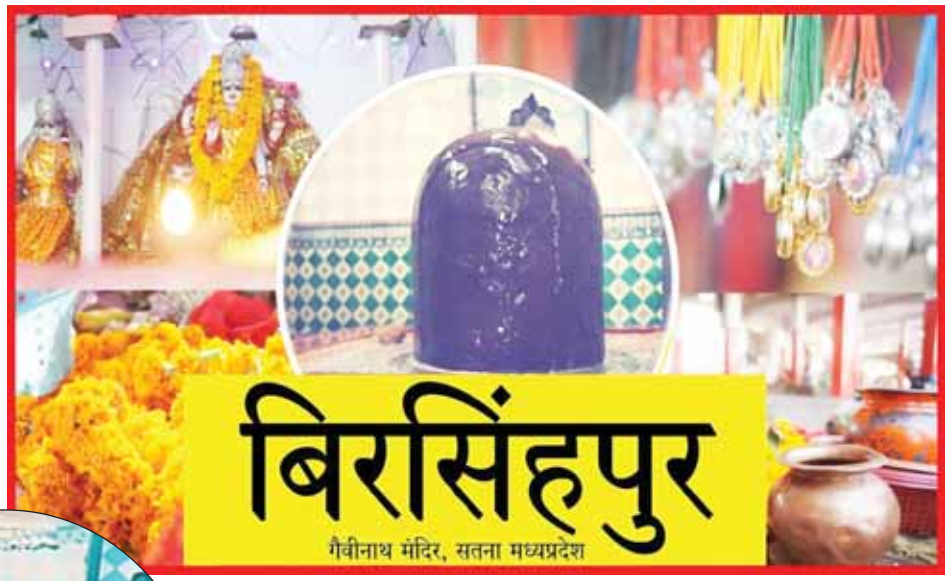

बिरसिंहपुर के गैवीनाथ धाम स्थित शिवलिंग

बिरसिंहपुर के निवासी कहते हैं कि इसी शिवलिंग के कारण न केवल मंदिर की अपितु उनके शहर और उनकी माँ-बेटियों की रक्षा भी हो सकी। यही कारण है कि पूरे विंध्य क्षेत्र में गैवीनाथ धाम का महत्व भारत के किसी भी बड़े मंदिर की भाँति ही है।मंदिर में स्थापित शिवलिंग के बारे में कहा जाता है कि जमीन के अंदर कितनी गहराई तक शिवलिंग है, इसके विषय में कोई नहीं जानता। स्थानीय मान्यता है कि चारधाम धाम यात्रा तभी पूरी मानी जाती है, जब चार धामों का जल भगवान गैवीनाथ को अर्पित किया जाए। वैसे तो यह मंदिर हमेशा से ही भक्तों से भरा रहता है लेकिन सावन महीने और महाशिवरात्रि जैसे पर्वों में यहाँ भक्तों की संख्या लाखों तक पहुँच जाती है।

कैसे पहुँचे?

सतना जिले से नजदीकी हवाईअड्डा खजुराहो में स्थित है। गैवीनाथ धाम से खजुराहो हवाईअड्डे की दूरी लगभग 142 किमी है। इसके अलावा बिरसिंहपुर पहुँचने के लिए सतना तक ट्रेन से पहुँचा जा सकता है। सतना रेलवे स्टेशन पूर्वी मध्य प्रदेश का एक बड़ा और व्यस्त रेलवे स्टेशन है और यहाँ से बस, टैक्सी एवं निजी वाहन के माध्यम से बिरसिंहपुर स्थित गैवीनाथ धाम पहुँच सकते हैं। प्रयागराज और वाराणसी के लोग रीवा होते हुए इस मंदिर तक पहुँच सकते हैं। रीवा से गैवीनाथ धाम की दूरी लगभग 58 किमी है।

राजकीय जिला कृषि एवं औद्योगिक विकास प्रदर्शनी एटा महोत्सब के प्रांगण में भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम हुआ आयोजित

● सोनू कुमार माथुर एटा, पुष्पांजली टुडे ब्यूरो,

शासन के निर्देश के अनुपालन में राजकीय जिला कृषि एवं औद्योगिक विकास प्रदर्शनी एटा महोत्सब के प्रांगण में भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी प्रेम रंजन सिंह के निर्देशन में कार्यक्रम के दौरान जनसहभागिता के माध्यम से 10011 दीपक जलाकर दीपोत्सब पर्व मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान राजघाट बुलन्दशहर के आचार्यगणों ने आरती के माध्यम से अपनी शानदार प्रस्तुती देकर सभी का मन मोह लिया। जिलाधिकारी प्रेम रंजन सिंह ने बताया कि अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर में प्रभु श्रीराम जी के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर सम्पूर्ण भारतवर्ष में दीपोत्सव मनाये जाने का निर्णय लिया गया, जिसके क्रम में सोमवार को आज शाम 06 बजे प्रदर्शनी प्रांगण में 10011 दीपक जनसहभागिता के माध्यम से जलाकर दीवाली मनाई गई। इसके साथ ही आतिशबाजी का भी भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी ने इस भव्य आयोजन में लगे समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र, छात्राओं सहित जनपद के नागरिकों के अपार सहयोग हेतु बधाई दी। बताते चलें कि दीपोत्सव कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने हेतु अधिशासी अभियन्ता लो0नि0विभाग को ड्राइंग तैयार करने की जिम्मेदारी, दीपों की समस्त व्यवस्था का कार्यभार जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी, दीयों को प्रज्ज्वलित किये जाने हेतु तेल आदि व्यवस्था हेतु जिला पूर्ति अधिकारी, जिला खाद्य विपणन अधिकारी, कार्यक्रम स्थल पर दीये लगाये जाने व उन्हें प्रज्वलित किये जाने हेतु स्वयंसेवकों, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, 50-50 एनसीसी व स्काउट गाइड को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। सम्पूर्ण कार्य स्थल को 10 सेक्टरों, 03 जोन में बांटते हुए जिला स्तरीय अधिकारियों को भी अहम जिम्मेदारी दी गई। कार्यक्रम को भव्यता प्रदान किये जाने हेतु रंगोली बनाने से लेकर अन्य कार्य हेतु डीसी एनआरएलएम प्रतिमा निमेष, जिला कार्यक्रम अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई। इस अवसर पर एसएसपी राजेश कुमार सिंह, जिलाध्यक्ष संदीप जैन, सीडीओ डॉ0 एके बाजपेयी, एडीएम प्रशासन आलोक कुमार, एडीएम वित्त एवं राजस्व आयुष चौधरी, एसडीएम सदर सुश्री भावना, क्षेत्राधिकारी विक्रांत द्विवेदी, प्राचार्य डायट जितेन्द्र सिंह, डीडी कृषि रोताश कुमार, डीएओ मनवीर सिंह, बीएसए दिनेश कुमार, डीएसओ कमलेश गुप्ता, डिप्टी आरएमओ नन्द किशोर सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, थाना प्रभारी, कर्मचारी, भारी संख्या में जनपद के नागरिकगण आदि मौजूद रहे।

मंत्री शुक्ला ने वनखण्डेश्वर मंदिर मेहगांव में की पूजा अर्चना

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो, भिण्ड

अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के उपलक्ष्य में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने वनखण्डेश्वर मंदिर मेहगांव में पूजन अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा प्रदेश एवं जिले वासियों की सुख समृद्धि की कामना की। मंत्री श्री शुक्ला पूजन अर्चन के उपरांत वनखण्डेश्वर मंदिर मेहगांव से रामलीला मैदान तक आयोजित भव्य शोभा यात्रा में शामिल हुए। नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री शुक्ला ने रामलीला मैदान में आयोजित कार्यक्रम में टीनसैट, पैवर वर्क, वाउड्रीवाल (चबूतरा) मंच सहित रामलीला सभागार का निर्माण एवं श्री श्री 1008 दिवंगत संत पुरुषोत्तम दास (पुत्तू बाबा) की प्रतिमा स्थापित करने वाले स्थल का भूमि पूजन किया। उन्होंने रामलीला मैदान मेहगांव में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंच पर विराजमान प्रभु श्रीराम-जानकी, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न सहित विराजित राजा दशरथ स्वरूप का पूजन एवं पुष्प वर्षा कर स्वागत अभिनंदन किया। मंत्री श्री शुक्ला ने कहा कि 500 वर्षों के संघर्ष और हमारे पूर्वजों के अथक प्रयास के बाद अयोध्या में आज रामलला विराजमान हुए हैं। देश, प्रदेश एवं संपूर्ण जिले में आज के दिन फूल मालाएं पताका घर-घर लगी हैं। दीप प्रज्वलित हो रहे हैं, पूरे देश में दिवाली जैसा माहौल है।मंत्री शुक्ला ने सभी क्षेत्र वासियों, प्रदेश और देशवासियों को साधुवाद देते हुए कहा कि मेहगांव में जिस जगह यह भव्य कार्यक्रम हो रहा है। इस मैदान को अब रामलीला मैदान के नाम से जाना जाएगा।उन्होंने कहा कि एक करोड़ 20 लाख रुपये की लागत से इस मैदान पर हर वर्ष इसी दिन धार्मिक कार्यक्रम हो सकें इसके लिए निर्माण कार्य कराए जाएंगे। मंत्री शुक्ला ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए घोषणा कर कहा कि मेहगांव के चौराह पर श्री श्री 1008 पुरुषोत्तम दास महाराज (पुत्तू बाबा) की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी।पुत्तू बाबा का श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में काफी सक्रिय योगदान रहा है।मंत्री श्री शुक्ला ने कार्यक्रम स्थल पर भूमि पूजन करने के उपरांत ''मेरी झोपड़ी के भाग्य खुल जाएंगे, मेरे राम आएंगे।'' भजन का गायन किया।

श्री राम मंदिर अयोध्या में गूंजे रही जनपद एटा के कस्बा जलेसर में निर्मित विशाल घण्टे की ध्वनि

● सोनू कुमार माथुर एटा, पुष्पांजली टुडे ब्यूरो,

श्री राम मंदिर अयोध्या में जनपद एटा के कस्बा जलेसर में निर्मित विशाल घण्टे की ध्वनि वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) की सफलता को दर्शाता है जनपद एटा में बना अष्टधातु का घण्टा श्री राम मंदिर अयोध्या हेतु जनपद एटा के कस्बा जलेसर से विशाल घण्टे को शोभायात्रा के माध्यम से किया रवाना मा0 केन्द्रीय मंत्री, मा0 प्रभारी मंत्री, मा0 विधायकगण, जिलाधिकारी, एसएसपी ने जलेसर से शोभायात्रा को किया रवाना जनपद के विभिन्न कस्बों, चौराहे, बाजार से होकर गुजरी घण्टे की शोभायात्रा, पुष्पवर्षा करके किया गया भव्य स्वागत सैकड़ों की संख्या में स्थानीय जनसमुदाय ने किये घण्टे के दर्शन, श्री राम मंदिर अयोध्या में स्थापित होगा एटा का 24 कुण्टल का घण्टा वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट ओडीओपी के तहत सावित्री टेउन्डर्स जलेसर द्वारा निर्मित किये गए विशाल घण्टे के माध्यम से जिले को मिलेगी पहचान मा0 केन्द्रीय मंत्री/क्षेत्रीय सांसद श्री एसपी सिंह बघेल, जिले के प्रभारी मंत्री श्री केपी मलिक, जलेसर विधायक संजीव दिवाकर, एमएलसी आशीष कुमार यादव,

जिलाध्यक्ष संदीप जैन, जिलाधिकारी प्रेम रंजन सिंह, एसएसपी राजेश कुमार सिंह द्वारा पूर्व एमएलसी प्रत्येन्द्र पाल सिंह, आदित्य मित्तल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, स्थानीय लोगों की उपस्थिति में विधि विधान से घण्टे को शोभायात्रा के रूप में जलेसर से रवाना किया गया। उक्त शोभयात्रा का सभी स्थलों पर क्षेत्रीय विधायकगण सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, जनसामान्य आदि द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया जाएगा। इस अवसर पर मारहरा विधायक वीरेन्द्र सिंह लोधी, जलेसर विधायक संजीव कुमार दिवाकर, एमएलसी आशीष कुमार यादव, जिलाध्यक्ष संदीप जैन सहित जनपद के अन्य मा0 जनप्रतिनिधिगण, भाकियू राष्ट्रीय अध्यक्ष भानू प्रताप सिंह, पार्टी पदाधिकारीगण, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, व्यापार मंडल के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक, मीडिया बंधु, हजारों की संख्या में भक्त आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी सिंह ने सुंदरकाण्ड कार्यक्रम में की पूजा अर्चना

● सोनू कुमार माथुर एटा, पुष्पांजली टुडे ब्यूरो,

अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को दृष्टिगत जिलाधिकारी प्रेम रंजन सिंह, एसएसपी राजेश कुमार सिंह ने जनपदभर में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा जनपदभर में विभिन्न स्थानों पर एलईडी के माध्यम से अयोध्या में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया सम्पूर्ण जनपदभर में मंदिरों पर आयोजित हुए कार्यक्रम, जगह-जगह निकाली गई शोभायात्राएं, भण्डारे

का भी हुआ आयोजन जलेसर में क्षेत्रीय विधायक संजीव दिवाकर सहित अन्य अधिकारियों, व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों की उपस्थिति में कम्बल वितरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन जिला मजिस्ट्रेट द्वारा तैनात किए गए मजिस्ट्रेट, पुलिस अधिकारियों द्वारा अपने-अपने ड्यूटी स्थल पर रहकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। जिलाधिकारी ने सैनिक पड़ाव प्रदर्शनी प्रांगण में आज शाम 06 बजे से आयोजित दीपोत्सब कार्यक्रम में प्रतिभाग करने एवं कार्यक्रम का हिस्सा बनने हेतु जनपदवासियों से की अपील की ।

गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में प्रदेश के पशु पालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने ध्वजारोहण कर ली परेड की सलामी

● रीतेश अवस्थी, पुष्पांजली टुडे, दमोह

जिले में गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षोउल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। देश की आन-बान-शान का प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा, जिले भर में शान से लहराया। मुख्य समारोह स्थानीय स्टेडियम मैदान में आयोजित किया गया, जिसमें प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रात- 9 बजे ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली। उन्होंने कलेक्टर मयंक अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक सुनील तिवारी सहित परेड कमाण्डर रक्षित निरीक्षक हेमंत बरहैया के साथ सलामी परेड का निरीक्षण किया। इस मौके पर राज्यमंत्री श्री पटेल ने हर्षोउल्लास के प्रतीक रंगीन गुब्बारे गगन में मुक्त किये। राज्यमंत्री पटेल ने शाल श्रीफल भेंट कर लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान किया। मुख्य अतिथि प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने मुख्यमंत्री मोहन यादव का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन किया। संदेश में भारतीय गणराज्य के 75 वें गणतंत्र दिवस के मंगल अवसर पर आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आज ये अमृत काल का पुण्य प्रताप है कि स्वतंत्र भारत के अमृत महोत्सव के अभूतपूर्व आयोजन के बाद अब गणतंत्र भारत के अमृत महोत्सव का शुभागमन हुआ है। देश के जन-गण-मन में देशभक्ति के अपार उत्साह और उमंग का महासागर हिलोरें ले रहा है। राज्य सरकार की पहल पर पहली बार गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल हुए जिला पुलिस बैण्ड की धुन पर बजते देशभक्ति के तराने, देश के लिए जीने और देश के लिए मरने की प्रेरणा दे रहे हैं। संदेश में कहा गया इस पावन अवसर पर मैं भारत माता की आज़ादी के लिए हंसते-हंसते शूली चढ़ने वाले अमर शहीदों के चरणों में विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। विश्व पटल पर भारत को संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य के रूप में स्थापित करने में महती भूमिका निभाने वाले डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर एवं अन्य सभी संविधान निर्माताओं के प्रति हृदय से कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं। जिस प्रकार पतवार के भरोसे नाव नदी लॉघ जाती है, बरसात के भरोसे बीज धरती में समा जाता है, ठीक उसी प्रकार ऐसे महापुरुषों के भरोसे ही राष्ट्र का नवनिर्माण होता है।

समारोह में मार्च पास्ट रहा आकर्षण का केन्द्र

इस अवसर पर सशस्त्र और निःशस्त्र बल की टुकड़ियों ने कदमताल करते हुये मार्च पास्ट किया। सशस्त्र बलों ने तीन बार हर्ष फायर कर राष्ट्रपति जी की जय का गगनभेदी जयघोष किया। राष्ट्रधुन बजाई गई।

श्रेष्ठ कार्यो के लिए अधिकारी-कर्मचारी हुए सम्मानित

राज्यमंत्री लखन पटेल ने श्रेष्ठ और सराहनीय कार्यो और योजनाओं में उपलब्धि हासिल करने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया। पुलिस विभाग के अधिकारी और पुलिस कर्मी भी इस दौरान सम्मानित हुए।

बैठ जाता हूं मिट्टी पे अक्सर...

क्योंकि मुझे अपनी औकात
अच्छी लगती है..

मैंने समंदर से सीखा है जीने का सलीक़ा,
चुपचाप से बहना और अपनी मौज में
रहना ।।

चाहता तो हु की
ये दुनिया
बदल दू
पर दो वक़्त की रोटी के
जुगाड़ में फ़ुर्सत नहीं मिलती
दोस्तों

महँगी से महँगी घड़ी पहन कर देख ली,
वक़्त फिर भी मेरे हिसाब से
कभी ना चला ...!

युं ही हम दिल को साफ़ रखा करते थे ..
पता नही था की, %किमत
चेहरों की होती है!!

अगर खुदा नहीं हे तो उसका ज़िक्र
क्यों ??
और अगर खुदा हे तो फिर फ़िक्र
क्यों

दो बातें इंसान को अपनों से दूर कर
देती हैं,
एक उसका अहम और
दूसरा उसका वहम.....

पैसे से सुख कभी खरीदा नहीं जाता
और दुःख का कोई खरीदार नहीं होता।

मुझे जिंदगी का इतना तजुर्बा तो नहीं,
पर सुना है सादगी मे लोग जीने नहीं देते।

माचिस की ज़रूरत यहाँ नहीं पड़ती...
यहाँ आदमी आदमी से जलता है...!!

दुनिया के बड़े से बड़े साइंटिस्ट,
ये ढूँढ रहे है की मंगल ग्रह पर जीवन है
या नहीं,
पर आदमी ये नहीं ढूँढ रहा
कि जीवन में मंगल है या नही

ज़िन्दगी में ना ज़ाने कौनसी बात
आख़री होगी,
ना ज़ाने कौनसी रात आख़री होगी ।
मिलते, जुलते, बातें करते रहो यार एक
दूसरे से,
ना जाने कौनसी मुलाक़ात
आख़री होगी ....!!!!

अगर जींदगी मे कुछ पाना हो तो
तरीके बदलो,....ईरादे नही....

ग़ालिब ने खूब कहा है :-
ऐ चाँद तू किस मजहब का है !!
ईद भी तेरी और करवाचौथ भी तेरा!!

रविशंकर कुशवाहा
शिक्षक, लेखक

मेला

मेला सबके मन को हर्षाता
बच्चों को तो यह खूब भाता ,
खेल खिलोने झांकी से सुसज्जित,
मेला दिसंबर से शुरू हो जाता ।।

खेल, तमाशा झूला ,गाड़ी, घोड़ा
भरपूर आनंद उत्सव यहां होता
देखने ग्वालियर के भव्य मेले को,
दूर दूर से सैलानी यहां हैं आता ।।

बच्चें, बूढ़े या हो कोई युवा
मेले का सब करते इंतजार ,
खूब खरीददारी करते हैं सब
मेले से सभी करते हैं प्यार ।।

मेले में लगते हैं कई सारे झूले
टोरा टोरा में सबकी गर्दन झूले
टोकरी वाला हुआ बड़ा पुराना
नया पुराना सब मिलकर झूले ।।

मेले में कई व्यंजन नए आते
चाट की लगती भरपूर दुकानें
समोसा, कचौड़ी या पानी पुरी
जमकर मेले में सब मौज उड़ाते।।

यहां पर स्टॉल घर संसार का लगता
सब कुछ यहां पर मिल जाता सस्ता
मम्मी पापा कुछ ले या ना ले तो भी
हमको तो मेला घूमना बहुत हैं भाता ।।

उ0आशी प्रतिभा स्वतंत्र लेखिका
ग्वालियर , मध्य प्रदेश

बदलते भारत की उभरती तस्वीर

विकास शील भारत की विकास यात्रा को विगत दस सालों में तो गति मिली है, वह भारत के नागरिकों के लिए ही नहीं, वल्कि विश्व की सरकारों के लिए भी आश्चर्य का विषय है 7 इसका अर्थ यह बिल्कुल भी नहीं है कि भारत ने अपनी स्वतंत्रता के 77 सालों में कोई प्रगति नहीं की है , भारत विदेशी दासता से स्वतंत्रता के बाद से ही अपनी विकास यात्रा प्रारम्भ कर चुका था, पर इस विकास को पंख सच्चे अर्थों में विगत दस सालों में लगे हैं,यह बात बिना किसी राजनैतिक, वैचारिक और व्यक्तिगत निष्ठा एवं प्रतिबद्धता के एवं स्वतंत्र भाव से हम सब को स्वीकार कर लेना चाहिए कि इन दस सालों में विश्व में भारत के प्रति विश्वास की मजबूत भावना का विकास भी हुआ है।

दिलीप मिश्र, लेखक एवं साहित्यकार
ग्वालियर, मध्यप्रदेश

यह सर्वविदित सत्य है कि भारत के लिए पिछले दस साल बहुत चुनौतीपूर्ण एवं साहसिक कार्यों से भरपूर रहे विश्व के सामने एक बेबस राष्ट्र की छवि को तोड़ कर एक मजबूत एवं ताकतवर देश बनने में हमने वह कार्य भी किए जो विश्व मानवता के कल्याण के लिए आवश्यक थे जिससे भारत की विश्व में सकारात्मक छवि भी बनी 7 हमने वैश्विक महामारी का ना केवल सामना किया, वल्कि विश्व को इस त्रासदी से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाई 7 जिससे भारत की सक्षम छवि विश्व जनमत के सामने उभर कर आई।

गांव की गरीब महिला की नकारात्मक छवि को तोड़ कर हमने विश्व के संरक्षक की अपनी मजबूत भूमिका बनाई । इतनी सब उपलब्धियों को हासिल करने के बाद भी अब भी भारत के सामने चुनौतियां कम नहीं हुई है, अब हमें विकासशील देश से एक विकसित राष्ट्र का लक्ष्य आगामी 23 सालों यानि अपनी स्वतंत्रता की स्वर्णजयंती वर्ष 2047 तक प्राप्त करना है,वह भी अपने स्वदेशी एवं स्वाभिलंभी संसाधनों के दम पर, क्योंकि 15 अगस्त 2047 तक भारत को बाह्य ताकतों से ज्यादा अपने देश की आतंरिक चुनौतियों से ज्यादा संघर्ष करना होगा। इन्हीं 23 सालों में विश्व के वह देश भी अपनी विकास यात्रा को गति देने का प्रयास करेंगे,जो देश विदेशी दासता से विगत सत्तर-पिच्तर सालों में स्वतंत्र हुए हैं। यह देश भारत पर निर्भर भी रहेंगे और भारत की विकास यात्रा में अवरोध भी पैदा करेंगे। इस कारण आगामी 23 साल भारत के लिए विगत 77 सालों से ज्यादा संघर्ष पूर्ण भी रहेंगे। भारत को इन चिनोतियो से जूझने लिए देश में एक मजबूत , दृढ़ इच्छाशक्ति एवं स्वच्छ छवि से परिपूर्ण नेतृत्व तो चाहिए ही साथ ही एक मजबूत सरकार भी चाहिए तथा स्वाबलंबी युवाशक्ति, जो विश्व मानक की योग्यता रखती हो और जो भारतीय संस्कारों से परिपूर्ण भी हो, वह भी हमारे देश के लिए आवश्यक है। तब यह प्रश्न उठता है कि आखिर वह कौन कौन सी चुनौतियां हैं जिनका समाधान भारत को आगामी 23 सालों में करना है ? विकसित भारत के सामने आगामी 23 सालों में आनेवाली गम्भीर चिनौतियां इस प्रकार है

1 विश्व शांति,सह अस्तित्व, समग्र विकास और सम्भावित वैश्विक चिनोती
2 अशिक्षा,आरक्षण की ओचित्य का प्रश्न एवं साम्यवादी वैचारिक आतंकवाद, बेरोजगारी एवं युवाशक्ति के सर्वांगीण विकास और निर्माण की चिनौतियां 7
3 महिला सुरक्षा, सम्मान, सामाजिक विकास एवं जागरूकता
4 जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण ,जन शक्ति का सद्उपयोग एवं युवाओं के लिए विकास के अवसर पैदा करने की चिनोती
5 राजनैतिक महत्वाकांक्षाओं एवं क्षेत्रवाद एवं अलगाववादी मानसिकता पर नियंत्रण की चिनोती
6 मजबूत राष्ट्रीय नेतृत्व के विकास की आवश्यकता
7 विश्व में भारत के प्रति विश्वास की भावना का सतत् विकास यह वह गम्भीर चिनौतियां है जिनका समाधान करके भारत विकास के अपने लक्ष्य को 15 अगस्त 2047 तक प्राप्त कर सकता है और यही है बदलते भारत की तस्वीर इति।

क्षत्रिय खंगारो के आत्मसम्मान का प्रतीक

महाराजा खेत सिंह गढ़कुण्डार

संवादाता हरिओम परिहार की खास रिपोर्ट मोबाइल नंबर 789800 2675

मध्ययुगीन इतिहास के पन्नों में महाराजा खेत सिंह खंगार का नाम अविस्मरणीय है ।कईएक एतिहासिक ग्रन्थों में इन्हें महाराज खूबसिंह भी कहा गया है । मध्यकालीन गाथाओं और खंगार क्षत्रिय विरुदावलियों से पता चलता है कि वर्तमान खंगार क्षत्रिय मूलतः गुजरात से सारे भारत में फैले ,यद्यपि विभिन्न राजपूत राजघरानों में भी कई योद्धाओं के नाम खंगार मिलते हैं ।पर खंगार शब्द मूलतः खंग धारण करने वाले योद्धाओं के लिए प्रयुक्त होता है ।

गुजरात के जूनागढ़ से खंगार क्षत्रियों का परिचय मिलता है इनकी पूज्य देवी अम्बा हैं । गुजरात में मां अम्बा का एक विशाल मन्दिर है जो आज एक तीर्थ के रुप में विख्यात है । गुजरात में तो आम बोलचाल में भी बोलो अम्बे मात की जय आम जन में चलता है ।हो सकता है यही इनकी प्रमुख देवी रही हों.

खंगार श्रुति गाथाओं के अनुसार..........,.....27दिसम्बर1140 को जूनागढ़ रियासत में राजा रुड़देव सिंह के यहां खेता जी का जन्म हुआ ,इनकी मां का नाम किशोर कुंवर बाई था ।

खेता जी अतुल्य वीर थे आखेट और हथियार चलाने में दक्ष तथा सभी वीरोचित विद्याओं में निपुण थे । गुजरात के उत्तरी भाग और राजस्थान के दच्छिणी भागों में योद्धाओं के नाम के साथ अक्सर जी जोड़ा जाता है ।......, ...लोकगाथाओं से जानकारी मिलती है कि सौराष्ट्र यात्रा के दौरान महाराज पृथ्वीराज चौहान ने देखा कि एक युवक आखेटक ने तलवार के एक ही वार से शेर को मार डाला ।

.......यह युवक खेता जी ही थे ,

महाराज पृथ्वीराज इनकी वीरता से प्रभावित हुये और इन्हें अपने साथ चलने का निमंत्रण दिया ।पिता की सलाह से खेता जी महाराज पृथ्वीराज चौहान के साथ हो लिए ।

महाराज पृथ्वीराज ने इन्हें अपने प्रमुख सामंतों में स्थान दिया और सिंह की उपाधि दी ।

.........महाराज खेत सिंह ने पृथ्वीराज चौहान के साथ प्राय हर युद्ध में भाग लिया और अनुपम वीरता का परिचय भी दिया ।

.............राजा परमाल के साथ हुये अन्तिम युद्ध में पृथ्वीराज की विजय हुयी और बुन्देलखण्ड के अधिकांश भाग पर चौहान का शासन हो गया ।

पं गोरेलाल तिवारी के बुन्देलखण्ड के इतिहास के अनुसार कुड़ार गढ़ के छोटे किले का किलेदार शिवा जू पवांर भी परमाल के पक्ष में लड़ा और मारा गया ।परमाल का राज्य अब काफी सिमट गया था। संभवतः यह शिया जू पहले युद्ध के पश्चात प्रथ्वीराज चौहान द्वारा किलेदार वनाया गया था और खेत सिंह जी को नायब शासक वनाया गया था पं गोरे लाल तिवारी लिखते हैं कि यह पुनः चन्देलों के साथ हो गया था और अगले युद्ध में बलिदान हो गया था.

चन्द्रवरदाई के पृथ्वीराज राज रासो में भी खेतसिंह खंगार की वीरता का काफी बर्णन किया गया है ।

....पृथ्वीराज चौहान ने कुड़ार के किले के साथ तत्कालीन जिझोतिभुक्ति(आधुनिक बुन्देलखण्ड) के बहुत बडे क्षेत्र का शासक महाराज खेतसिंह को वनाया ।

डाक्टर काशी प्रसाद त्रिपाठी के अनुसार पहले शियाजू के नायब किलेदार के रूप में महाराज खेत सिंह जी थे बाद

में ये कुंड़ार गढ़ के स्वतंत्र शासक वने,

.अब महाराज खेत सिंह ने नवनिर्माण और जनता की उन्नति की ओर ध्यान दिया ।उन्होंने कुड़ारगढ़ के किले का बहुत बड़े रुप में नवनिर्माण कराया और किले का नव नामकरण ग़गढ़कुण्डार किया।

यह किला मध्य भारत के सुन्दरतम और मजबूत किलों में एक हो गया था । महाराज ने इसे ऐसा रुप दिया कि बहुत दूर से तो यह दिखता था लेकिन पास आने पर ओझल हो जाता था।रक्षा प्रणाली की द्रष्टि से यह बेहतरीन किला है और निर्माण शैली अभूतपूर्व है । इस किले की स्थापत्य कला ऐसी जादू सी है कि इस से जुड़ी कई रहस्यमयी कहानियाँ लोकगाथाओं में अब भी चलती हैं,

इस दौरान उन्होंने राज्य में शान्ति प्रयास करने की काफी चेष्टा की ताकि आमजन चैन से जी सकें ,क्यों कि वह युग काफी उथल पथल का था और तुर्कों के नित नये आक्रमण होते रहते थे ।

. ...यह राज्य कितना बड़ा था इसका अनुमान लगाना मुश्किल है ।

सम्बत 1112(सन 1050)के एक लेख से पता चलता है कि पृथ्वीराज चौहान ललितपुर के मदनपुर तक आये थे और एक जैन मन्दिर के शिलालेख पर उनकी विजय का हाल लिखा था ।उस समय यहां व्यापार करने बाले जैन ही थे और देवगढ़ जो कभी गोंड़ राजवंश और कभी चन्देलों के अधीन हो जाता था वहां जैन संस्कृति काफी पल्लवित थी ।

लेकिन लोकोक्ति और परम्परागत श्रुतियों से पता चलता है कि महाराज खेतसिंह के समय में गुजरात से भी काफी संख्या में जैन यहां आये थे । बुन्देलखण्ड में खेले जाने बाले सुआटा या नौरता के परम्परागत गीत से भी इस बात को बल मिलता है ।

....सन1192 में यह स्वतंत्र राजाधिराज हो गये और राज्याउन्नति में और जुट के लग गये ।

.........इनकी वीरता की गाथाएं अनगिनत हैं ।कहते हैं एक स्वयंवर में इन्होंने तलवार के एक ही वार से एक चट्टान के दो टुकड़े कर दिए थे ।ये अच्छे पहलवान भी थे साथ ही विद्वान भी थे तथा विद्वानों को राज्यदरवार में शरण भी देते थे ।दरवारी प्रशस्तियों में इन्हें चूड़ासमां राज्यवंश का माना गया है ।

इन्हें निरन्तर कुतुबुद्दीन सरीखे तुर्कों और आसपास के राजाओं से सीधे या शीतयुद्ध लड़ना पड़ा जिसमें इनका काफी समय निकल जाता था फिर भी इन्होंने एक मजबूत राज्य की स्थापना कर आमजन को शान्ति प्रदान की ताकि सब लोग विना भय के अपना विकास कर सकें ।

30 अगस्त1212 को महाराज खेत सिंह खंगार ने इस नश्वर संसार से विदा ली ।

पर उनकी यश कीर्ति की गाथाएं हवा के सुरीले स्वरों में आज भी सारे बुन्देलखण्ड में गुंजायमान होती रहती हैं ।

आज भी मध्यप्रदेश सांस्कृतिक विभाग महाराज खेतसिंह के जन्म दिवस सत्ताईस दिसम्बर से तीनदिवसीय गढ़कुंडार महोत्सव कराता हैं जहां विभिन्न विद्वान, इतिहासकार,लोक कलाकारों, आदि का जमावड़ा होता है ।

दुश्मनों को रोंदने जलते हुये अंगार थे

वीर अनुपम धीर राजा खेतसिंह खंगार थे

खंगारो के पूर्वज, गढ़ कुण्डार के नरेश महाराजा खेतसिंह खंगार थे

आज धरोहर जो चमक रही हैं

वो खंगारो का स्वाभिमान हैं

महाराजा खेतसिंह खंगार की गाथाओं से भरा गढ़ कुण्डार हैं

खंगारो की जग मग करती

धरोहर पर खंगारो का अधिकार है

विजय सिंह परिहार नागदा

मुरैना के लिए सर्वोत्तम है डीजीपी पुरुषोत्तम

वर्तमान में पुलिस सेवा के साथ-साथ समाज सेवा में भी है सक्रिय

पुष्पांजली टुडे, ब्यूरो
मुरैना, मध्य प्रदेश

श्योपुर संसदीय क्षेत्र मे स्पेशल डीजी पुलिस पुरूषोत्तम शर्मा की समा भरी लहर मिल रही है ,वह छोटे ,बड़े व सामाजिक कार्यक्रम में सक्रियता निभा रहे हैं । हाल ही में राज्यसभा सांसद व केंद्रीय विमान मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा संसदीय क्षेत्र के भ्रमण के दौरान जौरा कार्यालय पर उनके द्वारा भव्य स्वागत आयोजन किया गया था वहां पर हजारों की संख्या में समर्थक व शुभचिंतकों के साथ कार्यालय पर स्वागत किया गया था। जिसके चलते राजनीति में पुरुषोत्तम शर्मा की चर्चा शुरू हो गई मुरैना श्योपुर लोकसभा सीट को एक नया चेहरा मिलने के गलियारों में कयास लगाना शुरू हो गए है।

स्पेशल डीजीपी पुरुषोत्तम शर्मा वरिष्ठ आईपीएसक पिछले गत वर्षों वर्ष से जनता की सभी प्रकार की छोटी, बड़ी सभी समस्याओ का निराकरण ,पूरे मुरैना श्योपुर संसदीय क्षेत्र मे भ्रमण कर कर रहे हैं। उनके सौम्य स्वभाव के कारण पूरे मुरैना श्योपुर संसदीय क्षेत्र के छोटे, बड़े, युवा, बुजुर्ग सभी उनसे जुड़ रहे हैं।

पोरसा से लेकर श्योपुर तक उन्होंने हाल ही में भ्रमण यात्रा ,भी ,मिलन यात्रा भी रखी थी जिसके चलते जगह-जगह उनका स्वागत अभिनंदन भी किया गया था साथ ही साथ आयोजन अभिनंदनके बड़े बड़े बैनर होल्डर भी लगाए गए थे जनता जर्नादन में चर्चाएं हैं इससे ऐसा लगता है कि जनता उनमें अपना लोक सभा में भविष्य देख रही है।

हाल ही में उनके छोटे भाई श्री मनीष शर्मा ने भी भाजपा

निर्बल और कमल के साथ मजबूत हो सकते हैं दावेदार, आगामी लोकसभा चुनावों की सरगर्मी व रणनीतियां शुरू

का दामन थाम लिया है अब यह तय माना जा रहा है कि जल्दी ही डीजीपी श्री पुरुषोत्तम शर्मा भी भाजपा की सदस्यता ले कर भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी हो सकते है। अगर ऐसा होता है तो निश्चित ही भाजपा की विरोधी पार्टीयों के पास उनके जैसी व्यक्तित्व और उनके कद का कोई भी नेता या व्यक्ति नहीं है जो उन्हें चुनाव में कड़ी टक्कर दे सके। जहां एक ओर संपन्न हुए विधानसभा चुनावों कांग्रेस ने इस क्षेत्र में 5 सीटे जीत कर मानने लगी है कि मुरैना श्योपुर सीट पर कांग्रेस आराम से जीत जाएगी हालांकि बीजेपी भी इसी कारण कोई नया और शशक्त चेहरे को उतारने का मन बना चुकी है। पुरूषोत्तम शर्मा जनता में इस समय सबसे चर्चित व्यक्ति है।

सूचना का अधिकार प्रावधानों के विषय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

ग्वालियर। सूचना का अधिकार प्रावधानों के विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन पुलिस कंट्रोल रूम सभागार में किया गया। इस अवसर पर भोपाल से आए राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने एक्ट के प्रावधानों से पुलिस अधिकारियों को अवगत कराया। उन्होने उपस्थित पुलिस अधिकारियों से कहा कि यह एक गंभीर विषय है और जब आरटीआई लगाई जाती है तो उसे गंभीरता से लेना चाहिए और सभी थाना प्रभारी एक रजिस्टर रखे जिससे लगने वाली आरटीआई के संबंध में जानकारी को लेख करें। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने कहा कि पुलिस विभाग आरटीआई एक्ट से डायरेक्ट जुड़ा हुआ है। सभी को प्रयास करना चाहिए कि जो आरटीआई लगा रहा है, वह आपके द्वारा दी गई जानकारी से पूर्णत- संतुष्ट हो। कई बार आप लोग आरटीआई की जानकारी में त्रुटि कर जाते हैं, जिसका नुकसान भी उठाना

पड़ता है। सही जानकारी देने के लिए आप सभी को अपने थाने का रिकॉर्ड दुरुस्त व सटीक करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को 30 दिन की समय सीमा की जानकारी है, जबकि कुछ मामलों में तो 24 घंटे के अन्दर ही आरटीआई के तहत जानकारी उपलब्ध करानी होती है। इस अवसर पर उन्होंने आरटीआई के कई ऐसे प्रावधानों से पुलिस अधिकारियों को अवगत कराया जिनके संबंध में वह अनभिज्ञ थे। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति आरटीआई लगाता है, उससे सद्भाव पूर्वक व्यवहार रखते हुए जानकारी उपलध कराएं।वहीं एसपी राजेश सिंह चंदेल ने कहा कि आरटीआई एट बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है और आरटीआई ही कानून व्यवस्था को पारदर्शी बनाता है। कई बार हम लोग ड्यूटी में व्यस्त होने के कारण आरटीआई संबंधी मामलों में त्रुटि कर जाते हैं। जिसमें हमें सुधार लाने की काफी आवश्यकता है। उनके द्वारा प्रशिक्षण में उपस्थित सभी थाना प्रभारियों को थाने के रिकॉर्ड का उचित व व्यवस्थित संधारण करने के निर्देश दिये और उन्होने कहा कि कोई भी कार्यवाही करते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि भविष्य में आरटीआई के तहत जानकारी देनी पड़ सकती है। प्रशिक्षण कार्यशाला के अंत में राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह एवं उनकी टीम को प्रशिक्षण देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और ग्वालियर पुलिस की ओर से स्मृति चिन्ह भेट किये। प्रशिक्षण कार्यशाला में एसपी राजेश सिंह चंदेल, एएसपी क्राइम ऋषिकेश मीना, षियाज केएम, गजेन्द्र सिंह वर्धमान, निरंजन शर्मा, अभय जैन आरटीआई अधिवक्ता सहित पुलिस के राजपत्रित अधिकारी व ग्वालियर जिले के समस्त थाना प्रभारीगण उपस्थित रहे।

ग्वालियर जिले में पुलिस अधिकारियों ने जवानों के साथ मिलकर थानों व कार्यालयों में चलाया सफाई अभियान

● पुष्पांजली टुडे, ग्वालियर

ग्वालियर। प्रदेश के सभी शासकीय कार्यालयों में विशेष सफाई अभियान चलाने बाबत् निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के तारतम्य में दिनांक 18.01.2024 को प्रातः 9.30 बजे प्रदेश की सभी पुलिस इकाईयों में एक विशेष सफाई अभियान चलाया गया। जिसमें ग्वालियर जिले में भी समस्त कार्यालय भवनों, थानों/चौकियों/पुलिस लाईन की साफ-सफाई कराई गई। इस अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री राजेश सिंह चंदेल,भापुसे द्वारा एसपी ऑफिस तथा कन्ट्रोल रूम परिसर में पुलिस अधिकारियों व जवानों के साथ मिलकर सफाई अभियान चलाया। इस अवसर पर अति. पुलिस अधीक्षक (पूर्व/यातायात/अपराध) श्री ऋषिकेश मीना,भापुसे, अति. पुलिस अधीक्षक देहात श्री निरंजन शर्मा, अति. पुलिस अधीक्षक (मध्य) श्री अखिलेश रेनवाल, अति. पुलिस अधीक्षक पश्चिम श्री गजेन्द्र वर्धमान, प्रशिक्षु आईपीएस अनु बेनीवाल, प्रभारी डीएसबी श्री उमेश मिश्रा, प्रभारी मुख्य लिपिक श्री सुरेन्द्र परमार सहित डीपीओ ग्वालियर का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा। इस अभियान के दौरान पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने उपस्थित पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को कार्यालय में फाईलों व रिकार्ड को व्यवस्थित रूप से

संधारण करने तथा कूडेदानों की जगह-जगह व्यवस्था करने के निर्देश दिये। उन्होने पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को अपने कार्यस्थल में हमेशा साफ-सफाई रखने हेतु निर्देशित किया और कहा कि सभी पुलिस कर्मचारी अपने कार्यस्थल पर लगातार स्वच्छता बनाए रखने, खिड़कियां, दरवाजे, फर्नीचर व रिकॉर्ड इत्यादि की लगातार देखभाल करें। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने एसपी ऑफिस के पार्क में पौधा रोपण भी किया गया। इस अवसर पर उन्होने कहा कि वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाना चाहिए। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा पुलिस लाईन ग्वालियर में भी सफाई अभियान में भाग लिया और पुलिस लाईन सहित आवासीय परिसरों को साफ सुथरा रखने के निर्देश दिये। आज चलाये गये विशेष सफाई अभियान के दौरान पुलिस जवानों के साथ ही पुलिस अधिकारियों ने भी सफाई अभियान में श्रमदान किया। प

सभी थाना प्रभारी अवैध शराब व भूमाफिया के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत करें कार्यवाही: डीआईजी

● पुष्पांजली टुडे, ग्वालियर

पुलिस कंट्रोल रूम सभागार ग्वालियर में पुलिस उप महानिरीक्षक ग्वालियर रेंज श्रीमती कृष्णावेणी देशावतु,भापुसे एवं पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री राजेश सिंह चंदेल,भापुसे द्वारा ग्वालियर जिले के समस्त राजपत्रित पुलिस अधिकारियों तथा शहर व देहात के थाना प्रभारियों की कानून व्यवस्था के संबंध में बैठक ली गई। बैठक में अति. पुलिस अधीक्षक(पूर्व/अपराध/यातायात) श्री ऋषिकेश मीना,भापुसे, अति. पुलिस अधीक्षक श्री निरंजन शर्मा, श्री अखिलेश रेनवाल, श्री अमृत मीना, श्री गजेन्द्र सिंह वर्धमान, समस्त सीएसपी व एसडीओपीगण एवं जिले के समस्त थाना प्रभारीगण उपस्थित रहें। बैठक में डीआईजी ग्वालियर ने उपस्थित सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि वह अपने फोर्स के साथ ड्यूटी के दौरान बर्दी में रहेंगे तथा किसी क्रिमिनल को पकड़ने या दबिश देने से पूर्व अपने वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक रूप से सूचित करेंगे। ड्यूटी के समय पुलिस अधिकारी व कर्मचारी अपने साथ शासकीय आर्म्स रखेंगे और डीजीपी म0प्र0 के निर्देशानुसार सभी थाना प्रभारी अवैध शराब व

भूमाफिया के खिलाफ जीरो टोलरेंस नीति के तहत कार्यवाही करेंगे। बैठक में डीआईजी ग्वालियर ने कहा कि अयोध्या में 22 जनवरी को भगवान श्रीराम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा को दृष्टिगत रखते हुए सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में स्थित मंदिर, मस्जिद व चर्च के धर्मगुरूओं से संपर्क स्थापित करें और 22 जनवरी को मंदिरों में होने वाले आयोजनों के संबंध में जानकारी प्राप्त करें। सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में प्रभावी पेट्रोलिंग करेंगे जिससे कोई अप्रिय घटना घटित न हो एवं थाना प्रभारीगण अपने क्षेत्र के संवेदनशील स्थानों पर पिकेट लगाकर चेकिंग करें। थानों में आसूचना संकलन में लगे हुए कर्मचारियों को अलर्ट रहने के लिये निर्देशित करें। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को प्रस्तावित भगवान श्रीराम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा को दृष्टिगत रखते हुए होने वाले आयोजनों व भण्डारे के संचालकों से संपर्क स्थापित कर पार्किंग आदि की उचित व्यवस्था कराये।

ज्ञान की देवी सरस्वती को समर्पित और संतों की ऋतु है बसंत

बसंत ऋतु नवीनता का प्रतीक है। नवीनता उल्लास को जन्म देती है। उल्लास सुख समृद्धि का द्योतक है। सुख शांति का वास ज्ञान में है। इस ऋतु में प्रकृति अपना नया रूप दिखती है। बसंत पंचमी ज्ञान की देवी सरस्वती को समर्पित है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता सरस्वती का अवतरण इसी दिन हुआ था। साहित्य, संगीत और कला की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना इस दिन की जाती है। साहित्य बिना चिंतन के नहीं लिखा जा सकता। संगीत बिना भावना के असंभव है और कला बिना संवेदना के।

साहित्य संगीत और कला क्रमशः चिंतन, भावना और संवेदना की प्रतिमूर्ति हैं। माँ सरस्वती में चिंतन, भावना और संवेदना का समन्वय है। ज्ञान रूपी सरस्वती ने अज्ञान रूपी अन्धकार (राक्षस) को मारने के लिए बसंत रूपी ऋतु को पैदा किया। माँ सरस्वती को अनेकों नामों से जाना जाता है जैसे शारदा, वीणावादिनी, वीणापाणि, वागेश्वरी, वाणी, भारती, महाश्वेता, ब्राह्मणी, ज्ञानदा, प्रज्ञा, वाग्देवी आदि। बसंत पंचमी माघ महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाता है। चंद्रमा की कला के बढ़ते एवं घटते कलाओं के आधार पर हिन्दी महीने में दो पक्ष (कृष्ण एवं शुक्ल) होते हैं। शुक्ल पक्ष में चंद्र की कलाएँ बढ़ती हैं और कृष्ण पक्ष में घटती हैं। चंद्र की बढ़ते कला की पंचमी तिथि को शुक्ल पंचमी कहते हैं। आत्मिक ज्ञान का आयाम अनंत है। आत्मिक ज्ञान की कोई परिसीमा नहीं होती। ज्ञान का अस्तित्व भौतिक और आध्यात्मिक ज्ञान से है। शारीरिक क्रिया द्वारा प्राप्त ज्ञान भौतिक है। आत्मिक क्रिया द्वारा प्राप्त ज्ञान आध्यात्मिक है। भौतिक ज्ञान जीवन यापन का साधन है और आत्मिक ज्ञान इह लौकिक और पार लौकिक शक्तियों के विकास का साधन है। आध्यात्मिक ज्ञान दैवीय शक्तियों से ओतप्रोत होता है। भौतिक ज्ञान सांसारिक शक्तियों से ओतप्रोत होता है। आत्मिक ज्ञान में सूक्ष्मता होती है। सांसारिक ज्ञान में स्थूलता होती है। जो दृश्य है वो स्थूल है और जो अदृश्य है वो सूक्ष्म है। सूक्ष्मता का वास अनुभूति में है। स्थूलता का सम्बन्ध अनुभूति से नहीं है। स्थूलता स्वार्थ से फलित होती है। सूक्ष्मता स्व से फलित होती है। सांसारिक सुख एक दूसरे के स्वार्थ पर टिका है। आत्मिक सुख स्व की चेतना पर टिका है। स्थूलता में दिखावा है। भौतिक आँखों से देखी जाने वाली प्रत्येक वस्तु (सजीव या निर्जीव) स्थूलता का परिचायक है। तीसरी आँख (पीनियल ग्लैंड) से महसूस की जाने वाली प्रत्येक वस्तु (सजीव या निर्जीव) सूक्ष्मता का परिचायक है। अध्यात्म, उपासना सिखाता है। स्व (ईश्वर) के समीप बैठना ही उपासना है। ध्यान उपासना की एक विधि है। आध्यात्मिक ज्ञान को लेकर जब आप भौतिक ज्ञान की तरफ बढ़ते हैं तब वो भौतिक ज्ञान आपको दुःख न देकर सुख देता है। आत्मिक ज्ञान सांसारिक ज्ञान पर भरी पड़ता है। समाज में व्याप्त बुराइयों को कुचलने में संतो की अहम् भूमिका होती है। संतों से संस्कार का निर्माण होता है। संत, अध्यात्म रूपी मंदिर में देवता रूपी मूर्ति की स्थापना करता है। कहने का तात्पर्य यह है की एक संत अपने आत्मिक ज्ञान से अध्यात्म के द्वारा देवताओं के दर्शन करा सकता है।

सामाजिक मुक्ति का संदेश देते हैं संत रविदास

सतगुरु रविदास भारत के उन महान संतों में से एक हैं जिन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से सारे संसार को एकता, भाईचारा का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने जीवन भर समाज में फैली कुरीतियों को समाप्त करने का प्रयास किया। संत रविदास अपने समकालीन चिंतकों से पृथक थे उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से विभिन्न सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया। वह जन्म तथा जाति आधारित वर्ण व्यवस्था के भी विरूद्ध थे।

रविदास जयंती प्रमुख त्योहार है। माघ पूर्णिमा के दिन हर साल गुरु रविदास जी की जयंती मनायी जाती है। संत शिरोमणि रविदास का जीवन ऐसे अद्भुत प्रसंगों से भरा है, जो दया, प्रेम, क्षमा, धैर्य, सौहार्द, समानता, सत्यशीलता और विश्व-बंधुत्व जैसे गुणों की प्रेरणा देते हैं। 14वीं सदी के भक्ति युग में माघी पूर्णिमा के दिन रविवार को काशी के मंडुआडीह गांव में रघु व करमाबाई के पुत्र रूप में इन्होंने जन्म लिया। इन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से आदर्श समाज की स्थापना का प्रयास किया। रविदास जी के सेवक इनको सतगुरु, जगतगुरू आदि नामों से भी पुकारते हैं।

संत रविदास बहुत प्रतिभाशाली थे तथा उन्होंने विभिन्न प्रकार के दोहों तथा पदों की रचना की। उनकी रचनाओं की विशेषता यह थी कि उनकी रचनाओं में समाज हेतु संदेश होता था। उन्होंने अपनी रचनाओं के द्वारा जातिगत भेदभाव को मिटा कर सामाजिक एकता को बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने मानवतावादी मूल्यों की स्थापना कर ऐसे समाज की स्थापना पर बल दिया जिसमें किसी प्रकार का भेदभाव, लोभ-लालच तथा दरिद्रता न हो। संत रविदास पूरे भारत में बहुत लोकप्रिय थे। उन्हें पंजाब में रविदास कहा जाता था। उत्तर प्रदेश, राजस्थान तथा मध्य प्रदेश में उन्हें रैदास के नाम से भी जाना जाता था। बंगाल में उन्हे रूईदास के नाम से जाना जाता है। साथ ही गुजरात तथा महाराष्ट्र के लोग उन्हें रोहिदास के नाम से भी जानते थे। संत रविदास बहुत दयालु प्रवृत्ति के थे । वह बहुत से लोगों को बिना पैसे लिए जूते दे दिया करते थे। वह दूसरों की सहायता करने में कभी पीछे नहीं हटते थे। साथ ही उन्हें संतों की सेवा करने में भी बहुत आनंद आता था। संत गुरु रविदास बिना किसी आदर्शवादी में न पड़ते हुए व्यावहारिक जीवन की वस्तु स्थिति को स्वीकारते हुए अपनी बात कही है। उनकी चेतना में उनकी जातीय-अस्मिता इस प्रकार व्याप्त है कि उसी मानदण्ड से वह अपने जीवन-व्यवहार एवं कार्य-व्यापार की हर गतिविधि का अवलोकन एवं मूल्यांकन करते हैं। उनका आत्मनिवेदन उनकी जातिगत विडम्बनाओं की उपस्थिति के स्वीकार के साथ व्यक्त हुआ है। संत गुरु रविदास का यह वैशिष्ट्य संकेत करता है कि उनकी अभिव्यक्ति में सिर्फ आध्यात्मिक क्षेत्र की मुक्ति का स्वप्न नहीं बल्कि सामाजिक मुक्ति का स्वप्न भी विद्यमान है।

सर्दियों में गुलाबी निखार पाने के लिए लगाएं टमाटर के ये फेस पैक

सर्दियों में हमें न सिर्फ अपनी सेहत बल्कि त्वचा का भी खास ख्याल रखना चाहिए। क्योंकि सर्दियों में चलने वाली ठंडी हवाएं हमारी त्वचा को ड्राई बनाती हैं और स्किन के ग्लो को कम करती है। जिसके चलते सर्दियों में स्किन का कलर थोड़ी डार्क हो जाती है। हांलाकि सर्दियों में स्किन की देखभाल करने के लिए लोग कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन यह महंगे प्रोडक्ट होने के बाद भी कई बार हमें मनमुताबिक रिजल्ट नहीं मिलता है। ऐसे में अगर आप भी सर्दियों में अपनी स्किन को ग्लोइंग और हेल्दी बनाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से सर्दियों में टमाटर का फेस पैक आपकी स्किन के लिए फायदेमंद साबित होगा। टमाटर में लाइकोपिन और एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होता है, जो आपकी त्वचा को पोषण देने के साथ ही रंगत साफ करता है। वहीं यह फेस पैक ड्राई स्किन की समस्या को दूर करने से साथ सर्कुलेशन को बढ़ाता है।

टमाटर-हल्दी फेस पैक सामग्री-टमाटर और हल्दी का फेसपैक बनाने के लिए 1 मीडियम साइज का टमाटर लें। टमाटर को कद्दूकस कर इसमें थोड़ी सी हल्दी मिला लें। अब इन दोनों को अच्छे से मिक्स कर फेस और गर्दन पर अप्लाई करें। फिर इस फेसपैक को 20 मिनट तक लगाए रहें और समय पूरा होने के बाद हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। यह फेसपैक रंगत निखारने के साथ ही पिंपल्स की समस्या हो भी कम करने में मददगार है। साथ ही इससे आपकी स्किन भी हाइड्रेट रहती है।

टमाटर और शहद के फेसपैक की सामग्री

इस फेसपैक को बनाने के लिए सबसे पहले एक टमाटर का रस निकाल लें। फिर टमाटर के रस में शहद को मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब इस पेस्ट को 15 मिनट के लिए फेस पर अप्लाई करें। टाइम पूरा होने के बाद फेस को पानी से धो लें। इस फेसपैक से आपकी त्वचा को पोषण मिलता है और स्किन चमकदार बनती है। यह आपकी त्वचा को हाइड्रेट रखने में मदद करता है।

शादी से पहले हेल्दी और शाइनी बालों के लिए डाइट में शामिल करें ये चीजें, जल्द दिखेगा असर

काले, लंबे और घने बाल हर किसी को पसंद होते हैं। ऐसे में महिलाएं हो या फिर पुरुष सभी अपने बालों को हेल्दी और शाइनी बनाए रखने के तरीके खोजते हैं। वहीं शादियों के सीजन की भी शुरूआत हो चुकी है। ऐसे में लड़का हो या लड़की सभी अपने बालों, स्किन आदि को बेहतर बनाने के लिए कई तरह के उपाय करते हैं। बता दें कि हमारे खानपान का असर हमारी सेहत पर पड़ता है।

ऐसे में अगर आप भी लंबे, हेल्दी और शाइनी बाल पाना चाहती हैं, तो इसके लिए आपको अपनी लाइफस्टाइल में थोड़ा सा बदलाव करना होगा। हम आपको बताने जा रहे हैं कि आपको अपनी डाइट में किन चीजों को शामिल करना चाहिए। जिससे आपके बालों को पर्याप्त पोषण मिल सके।

तेल से करें मसाज

बालों को हेल्दी और शाइनी बनाने के लिए आप सिर पर तेल की मसाज जरूर करें। इसके लिए आप नारियल तेल, जैतून तेल और तिल के तेल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इन तेलों में प्रर्याप्त मात्रा में विटामिन और मिनरल्स पाया जाता है। जो आपके बालों को हेल्दी और शाइनी बनाने में मदद करेंगे। बता दें कि तिल के तेल में आयरन, कॉपर, जिंक, कैल्शियम और मैग्नीशियम पाया जाता है। जो आपके बालों की हेल्थ के लिए अच्छे होते हैं। वहीं नारियल तेल में कैल्शियम, मैग्नीशियम, मिनरल्स और एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

बालों के लिए जरूरी है प्रोटीन

इसके साथ ही बालों को हेल्दी बनाने के लिए आप अपनी डाइट में प्रोटीन से भरपूर फूड्स को शामिल करना चाहिए। इसके लिए आप दही, अंडा, मूंगफली और सोयाबीन का सेवन कर सकती हैं। अगर आप प्रोटीन से भरपूर डाइट लेती हैं, तो इसका असर जल्द ही आपको सेहत और बालों दोनों पर देखने को मिलेगा।

हरी सब्जियों का करें सेवन

बालों को लंबा और घना बनाने के लिए आप फल और सब्जियों को अपनी डाइट में शामिल करें, जिससे आपके बालों की क्वालिटी में सुधार होता है। फल और सब्जियों में अच्छी मात्रा में मिनरल्स, विटामिन्स और एंटीऑक्सीडेंट्स पाया जाता है। जो आपके बालों को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं और अच्छी ग्रोथ देते हैं। वहीं करी पत्ता जिसे मीठी नीम भी कहा जाता है, यह भी आपके बालों को बेहतर बनाने में मदद करता है।अगर आप भी बालों की ग्रोथ के साथ इनको शाइनी और हेल्दी बनाना चाहते हैं। तो तली भुनी और मीठी चीजों का कम से कम सेवन करें। बालों को धोने के फौरन बाद शैंपू न करें। साथ ही समय पर बालों में तेल जरूर डालेंरोजाना स्कैल्प की मसाज करें। इससे ब्लड फ्लो अच्छा होगा और बालों की ग्रोथ अच्छी होगी।

2024 में जान्हवी देंगी बैक-टू-बैक फिल्में

पिछले 5 सालों में जाह्नवी कपूर ने खुद को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में सबसे टॉप अपने अपना नाम दर्ज करवाया है. आज के समय में जाह्नवी को किसी भी पहचान की जरूरत नहीं है. एक्ट्रेस बैक-टू-बैक फिल्में दे रही हैं. पिछले कुछ समय में एक्ट्रेस ने धड़क, गुंजन सक्सेना, मिली और बवाल जैसी शानदार फिल्मों में अपना दमदार अभिनय दिखाया है, जिसको दर्शकों की खूब सराहना मिली. पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक एक्ट्रेस के पास इस साल 2024 कई बड़ी फिल्में हैं, जिनको लेकर उनके फैंस भी काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं. वहीं, एक्ट्रेस भी अपनी फिल्मों की शूटिंग पूरी करने में लगी है. हाल ही में एक्ट्रेस ने साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा की शूटिंग खत्म कर चुकी हैं, जो इसी साल के आखिर में रिलीज हो सकती है. वहीं, उनकी बाकी फिल्म से जुड़े करीबी सूत्रों के मुताबिक, जान्हवी जल्द ही राम चरण, सूर्या और वरुण धवन के साथ एक फिल्म शुरू करेंगी सूत्रों की मानें तो, जान्हवी ने हाल ही में राम चरण के साथ आरसी 16 के लिए साइन की है, जिसे बुच्ची बाबू द्वारा निर्देशित किया जाएगा. फिलहाल शूटिंग की समय सीमा का पता लगाया जा रहा है, लेकिन एक्ट्रेस पहली बार बड़े बजट की पैन इंडिया फिल्म में राम चरण के साथ काम करने को लेकर काफी उत्साहित हैं. साथ ही बताया जा रहा है कि जान्हवी, राकेश ओमप्रकाश मेहरा द्वारा निर्देशित कर्ण में द्रौपदी की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसमें साउथ सुपरस्टार सूर्या मुख्य भूमिका निभाने जा रहे हैं. एक्ट्रेस पहले ही इस भूमिका के लिए कई लुक टेस्ट कर चुकी हैं.

विवादों की पूनम

वर्ल्डकप में कपड़े उतारने के दावे से राज कुंद्रा संग लड़ाई तक, बोल्ड फैसलों के लिए जानी गईं पूनम

पूनम पांडे के निधन के दावे ने सनसनी मचा दी है। उनके इंस्टाग्राम एकाउंट से किये गये दावे के मुताबिक, महज 32 साल की छोटी उम्र में सर्वाइकल कैंसर के कारण उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। कानपुर की रहने वाली पूनम का बचपन आर्थिक तंगी के बीच बीता। लॉक-अप में हिस्सा लेने के दौरान एक्ट्रेस ने खुलासा किया था कि उन्होंने ऐसा भी दिन देखा है, जब घर में एक पैसा नहीं होता था। ऐसे में उनका परिवार खाने के नाम पर चावल, नमक और पानी से अपना पेट भरता थाजिंदगी में आगे बढ़ने की चाह लिए उत्तर प्रदेश के छोटे से शहर से निकलकर पूनम पांडे मायानगरी मुंबई पहुंच गईं। यहां भी राह उनके लिए मुश्किल ही रही है। फिल्म नशा से बॉलीवुड में कदम रखने वाली पूनम कई बार कॉन्ट्रोवर्सी का शिकार हुईं। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए कपड़े उतारने से लेकर राज कुंद्रा संग कानूनी लड़ाई लड़ने तक, पूनम के कुछ विवादों के बारे में जानते हैं.. भारतीय क्रिकेट टीम को लेकर पूनम पांडे ने रातों-रात अपने एक बयान से देश में सनसनी मचा दी थी। एक्ट्रेस ने फैंस को वादा किया कि अगर 2011 का वर्ल्ड कप मैच इंडियन क्रिकेट टीम जीत जाएगी, तो वो अपने कपड़े उतार देंगी। पूनम के इस बयान ने उन्हें एकदम से लाइमलाइट में ला दिया।पूनम पांडे ने तीन साल तक डेट करने के बाद अपने ब्वॉयफ्रेंड सैम बॉम्बे से साल 2020 में शादी की थी। हालांकि, एक्ट्रेस की शादी एक महीना भी नहीं चल पाई। गोवा में हनीमून के दौरान पूनम पांडे ने पति के खिलाफ पुलिस केस दर्ज करा दिया। पूनम ने दावा किया कि सैम बॉम्बे ने उनका यौन उत्पीड़न किया और इसके बाद उन्हें अंजाम भुगतने के लिए धमकाया भी। शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा एडल्ट फिल्में बनाने के मामले में विवाद में आए। उस दौरान पूनम पांडे संग उनकी कानूनी लड़ाई भी चर्चा में आई। एक्ट्रेस ने राज कुंद्रा की एक फर्म के साथ अपने नाम पर ऐप लेने के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। इसके बदले रेवेन्यू में उन्हें हिस्सा मिलना तय हुआ था। पूनम पांडे की मानें तो शेयर को लेकर कंपनी में अनबन चल रही थी। ऐसे में उन्होंने अपना कॉन्ट्रैक्ट वापस ले लिया, लेकिन इसका अंजाम भी उन्हें भुगतना पड़ा। पूनम पांडे ने बताया कि कुछ दिनों बाद उनके पर्सनल नंबर पर अनजान लोगों के फोन आने लगे। इन सबसे पूनम इतना परेशान हो गई थीं कि कुछ महीनों के लिए देश छोड़ दिया था। पूनम पांडे ने राज कुंद्रा पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा कि राज के साथ काम करना उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी गलती थी। जब उन्होंने अपना कॉन्ट्रैक्ट वापस ले लिया था, तो उन्हें उनका भुगतान भी नहीं दिया। इसके अलावा उनके पर्सनल अकाउंट्स हैक लिए गए और उनकी प्राइवेसी की धज्जियां उड़ा दी गईं।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

विकास के अमृत काल में संवैधानिक मूल्यों के साथ

रामराज्य की ओर बढ़ता मध्यप्रदेश

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा | सशक्त और आत्मनिर्भर नारी शक्ति | अंत्योदय उत्थान
समृद्ध होता अन्नदाता | सक्षम युवा | सुलभ और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं | सांस्कृतिक समृद्धि

75वें गणतंत्र दिवस
की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

"आइये, हम सब मिलकर मध्यप्रदेश को एक ऐसे गणतंत्र के रूप में लेकर आगे बढ़ें, जो सुराज, सुशासन सम्मत कार्यशैली और रामराज्य के आदर्शों का द्योतक हो, जिसमें सबका हित - सबका मंगल समाहित हो। शुभकामनाएं।"

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

D-18508/23

मध्यप्रदेश शासन

ग्रामवासियों को गणतंत्र दिवस एवं महाशिवरात्रि पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं
मायाराम
सरपंच
नवीन कुमार शर्मा
सचिव
ग्राम पंचायत सर्वा जनपद गोहद, भिंड

ग्रामवासियों को गणतंत्र दिवस एवं महाशिवरात्रि पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं
पतिराम जाटव
सरपंच
कोमल सिंह करण
सचिव
ग्राम पंचायत पिपरसाना, जनपद गोहद, भिंड

ग्रामवासियों को गणतंत्र दिवस एवं महाशिवरात्रि पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती शीला लक्ष्मी नारायण
सरपंच
रणवीर तोमर
सचिव
ग्राम पंचायत कनीपुरा जनपद गोहद, भिंड

ग्रामवासियों को गणतंत्र दिवस एवं महाशिवरात्रि पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती मनोज दिनेश बंसल
सरपंच
हरेन्द्र तोमर
सचिव
ग्राम पंचायत बिरखड़ी, जनपद गोहद, भिंड

ग्रामवासियों को गणतंत्र दिवस एवं महाशिवरात्रि पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं
सुल्तान जाटव
जिला पंचायत सदस्य, भिण्ड मध्य प्रदेश

ग्रामवासियों को गणतंत्र दिवस एवं महाशिवरात्रि पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती उर्मिला अंबेडकर (बाबूजी)
सरपंच
निखिल श्रीवास्तव
सचिव
ग्राम पंचायत चंदाहरा, जनपद मेहगांव, भिंड

ग्रामवासियों को गणतंत्र दिवस एवं महाशिवरात्रि पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती खिलौनी सत्यनारायण
सरपंच
मुकेश प्रजापति
सचिव
सुधीर शर्मा
सहायक सचिव
ग्राम पंचायत सिरसौदा, जनपद गोहद, भिंड

ग्रामवासियों को गणतंत्र दिवस एवं महाशिवरात्रि पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती प्रेमा देवी अमर सिंह गर्ग
सरपंच
रामसिया
उप सरपंच
सुनील शर्मा
सचिव
ग्राम पंचायत सिरसौदा, जनपद गोहद, भिंड

गणतंत्र दिवस एवं महाशिवरात्रि पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
राधे-राधे
रियल स्टेट
सौरभ मिश्रा
7318240379
समीक्षा मिश्रा
7887020189

ग्रामवासियों को गणतंत्र दिवस एवं महाशिवरात्रि पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती मिथलेश रामविलास
सरपंच
महेश शर्मा
सचिव
ग्राम पंचायत जैतपुरा, जनपद मेहगांव, भिंड

गणतंत्र दिवस एवं महाशिवरात्रि पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएं

राजपाल सिंह परमार
संचालक, 9926236250

ग्रीन सिटी पब्लिक स्कूल, आदित्यपुरम ग्वालियर

गणतंत्र दिवस एवं महाशिवरात्रि पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएं

सोनू सिकरवार
संचालक, 9303332978

कृष्णा कॉन्वेंट पब्लिक स्कूल, राधाकृष्णपुरी आदित्यपुरम ग्वालियर

गणतंत्र दिवस एवं महाशिवरात्रि पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएं

जगदीश सिंह लोधी
खाद्य विभाग अधिकारी

फूड इंस्पेक्टर पिछोर एवं खनियाधाना

गणतंत्र दिवस एवं महाशिवरात्रि पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएं

अशोक जाटव

मंडी सेक्रेटरी पिछोर

गणतंत्र दिवस एवं महाशिवरात्रि पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएं

राजीव सिंह समाधिया

एसडीएम पिछोर शिवपुरी

ब्रम्हाणी हॉस्पीटल

मानव सेवा परमो धर्म

24 घंटे मंडीकल ऑफीसर एवं एम.एल.सी. सुविधा उपलब्ध
महिलाओं से संबंधित सभी तरह के ऑपरेशन एवं सुरक्षित प्रसव की सुविधा, न्युरो सर्जरी एवं न्यूरोलॉजी की सुविधा

डॉ. ब्रजेश सिंह राजपूत, (बन्टी)
संचालक

आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत
निःशुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध

माँ वैष्णोपुरम, गदाईपुरा ग्वालियर, मध्य प्रदेश, 8889437489

अमरनाथ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

गणतंत्र दिवस एवं महाशिवरात्रि पर्व की

आयुष्मान कार्ड द्वारा सभी बीमारियों का निशुल्क ईलाज किया जाता है

पता यादव धर्मकांटा एबी रोड ग्वालियर

संपर्क 0751-3163343, 9926216825, 9993902288